

नई बिल्ली, शनिवार, फरवरी 7, 1987 (माध 18, 1908)

No. 6]

NEW DELHI, SATURDAY, FEBRUARY 7, 1987 (MAGHA 18, 1908)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging in given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

#### भाग 111-खण्ड 1

## (PART III—SECTION 1)

उण्य स्वायालयों, नियम्बक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीनस्थ कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा श्रायोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 10 दिसम्बर 1986

सं० ए० 32011/3/85-प्रशा०-I--राष्ट्रपति, श्री एन० एन० एन्ड्रयूस, भा० प्र० से० (म० प्र० 69) को 4-11-85 से 3-11-1990 तक अथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, भारत सरकार के निदेशक को दिए जाने वाले वेतन के समतुल्य वेतन (वेतनमान रु० 2000--2250) पर, संघ लोक सेवा आयोग में संयुक्त सचिव (निदेशक स्तर) के पद पर नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 22 दिसम्बर 1986

सं० ए०-32013/3/83-प्रशा०-I--- राष्ट्रपति द्वारा संघ लोक सेवा ग्रायोग के संवर्ग के निम्निलिखित वरिष्ठ वैयित्विक सहायकों (के० स० ग्रा० से० का ग्रेड "ख") को उनके नामों के समझ दर्शायी गयी प्रविध के लिए ग्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी संवर्ग में तदर्थ श्राधार पर निजी प्रविय 1--446G1/86 (के० स० ग्रा० मे० का ग्रेड क) के पद पर नियुक्त किया जाता है:---

MYTERED NO. D—(DN)—73

क्रमांक न≀म	ग्रवधि
1. श्री पी० पी० सिक्का	11-8-85 से 10-11-85 तक
	12-11-85 से 9-2-86 तक ग्रीर
	11-2-86 से 26-3-86 तक
2. श्री एम०एम०एल०चांदना	16-12-85 से 15-3-86 तक
,	श्रौर
	17-3-86 से 28-3-86 तक
3. श्री एम॰एम॰एल ॰ दुश्रा	6-3-86 से 26-3-86 तक

2. उल्लिखित व्यक्ति कृपया इस बात पर ध्यान दें कि निजी पिचव (के० २० आ० से० का ग्रेड "क") के पद पर उनकी नियुक्ति तदर्थ आधार पर है और के० म० आ० से० के ग्रेड "क" में विलयन अथवा इप ग्रेड में विष्टिता के वे हकदार नहीं होंगे। एम० पी० जैन श्रवर सचिव (का० प्रशा०)

प्रवर सत्त्रव (काठ प्रशाद) संघ लोक से**वा ध्रायो**ग कार्मिक एवं प्रशिक्षण, प्रशासन मुद्धार, लोकशिकायत तथा पेंशन मंत्रालय (कार्मिक श्रौर प्रशिक्षण विभाग) केन्दीय श्रन्थेषण ब्युरो

नई दिल्ली-110003, दिनांक 9 जनवरी 1987

सं० ए-7/71-प्रशा०-5—राष्ट्रपति, फिलहास के० अ० ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर लोक ध्रभियोजक के रूप में कार्यरत श्री ध्रमर सिंह को 22-12-1986 से अगले आदेश होनें तक स्थानांतरण श्राधार पर के० अ० ब्यूरो में वरिष्ठ लोक प्रभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 15 जनवरी 1987

सं०-वि-4/71-प्रशा०-5--श्री बी० एम० महाजन की प्रवर्तन निवेशालय, विदेशी मुदा विनियमन प्रिधिनियम में सहायक विधि सलाहकार के रूप में नियुक्ति होने पर राष्ट्रपति एफ० प्रार० 14(वी) के श्रधीन वरिष्ठ लोक प्रभियोजक केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो के अधिष्ठाई पद पर उनके पुनर्ग्रहणाधिकार को तत्काल निलम्बित करते हैं।

सं० 3/48/88-प्रणा०-5-निदेशक, केन्दीय ग्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वाराश्री मनोहर लाल को 22-12-1986 से केन्दीय श्रन्वेषण ब्यूरो में श्रस्थायी तौर पर लोक श्रभियोजक के रूप में नियुक्त करते हैं।

#### दिनांक 16 जनवरी 1987

सं० एस० 2/73-प्रणा०-5-के० घ० ब्यूरो में प्रतिनियुक्ति पर ग्राए हुए पश्चिम बंगाल पुलिस के श्री एस० सी० बोस, पुलिस उपाधीक्षक की सेवाएं दिनांक 1 जनवरी, 1987 अपराह्म से, पश्चिम बंगाल सरकार के श्रादेश सं० 3894(4) पी० एण्ड ए० श्रार० (पी) दिनांक 31-10-1986 के श्रनुसार सतर्कता श्रधिकारी के रूप में नियुक्ति के लिए टी० ट्रेडिंग कारपोरेशन श्राफ इंडिया लिमिटेड की सौंप दी गईं।

धर्मपाल भल्ला प्रणासनं <mark>अधिकारी (स्थापना)</mark> के० प्र० ब्यूरी

#### केन्दीय सतर्कता स्रायोग

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1987

सं० 1/2/85-प्रणासन-केन्दीय सतर्कता आयुक्त एतद्-द्वारा इस आयोग में स्थायी सहायक श्री कंवल नैन को अनुभाग अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप से वेतनमान (६० 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 में 23-12-86 (पूर्वाह्म) से 3 माह की श्रवधि के लिए या अगले आदेश तक जो भी पहेले हो, नियुक्त करते हैं।

> मनोहर लाल अवर सचिव (प्रशासन) इन्ते केन्द्रीय सतर्कता श्रायुक्त

#### गृह मंत्रालय

महानिदेशालय के० रि० पु० बल नई दिल्ली-110003, दिनांक 8 जनवरी 198

सं० स्रो० दो०-2320/87-स्थापना--राष्ट्रपति जी ने डाक्टर धजय कुमार सिह्ना को स्रस्थायी रूप से झागामी आदेश जारी होने तक केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में जनरल स्यूटी आफिसर ग्रेड-II (डी० एस० पी०/कम्पनी कमाण्डर) के पद पर दिनांक 25 दिसम्बर 1986 पूर्वाह्न से महर्ष नियुक्त किया है।

विनांक 14 जनवरी 1987

सं० ग्रो० दो०-1059/77-स्थापना-I--राष्ट्रपति जी ने डाक्टर जितेन्द्र नाथ मवारगरी, जनरल ड्यूटी ग्राफिसर ग्रेड-II, 44 बटालियन, का स्थाग पन्न विनाक 31-12-86 भपराह्म से स्वीकार कर लिया है ।

एम० ग्रशोक राज सहायक निदेशक (स्थापना)

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1987

सं० म्रो०-दो-899/76-86-प्रशा०-3-सेवा वार्धक्य निवर्तन के फलस्वरूप इस महानिवेशालय, के० रि० पु० बल के श्री एम० भ्रार० लखेड़ा, सं० स० नि० (लेखा) को सं० म० नि० (लेखा) के पदभार से तारीख 31 दिसम्बर 1986 (श्रपराह्म) से मुक्त किया गया।

सं० ग्रो॰ दो-1522/80-87-प्रशा-3-इस बल के श्री एस० हेमरजानी, ग्रनुभाग ग्राधिकारी ने संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा) /लेखा-परीक्षा श्रीधकारी के पद पर पदोन्नति के फलस्वरूप महानिदेशालय, के० रि० पु० बल में सं० स० नि० (लेखा) के रूप में तारीख 1-1-87 (पूर्वाह्र) को कार्यग्रहण कर लिया ।

(ह॰) ग्रपटनीय कृते उप-निदेशक (प्रशा॰)

## भारत के महारजिस्ट्रार का कार्यालय

नई दिल्ली, विनांक 14 जनवरी 1987

तं० 11/4/86 प्रशा०—I—राष्ट्रपति, भारतीय सांख्यिकी के ग्रेष्ठ—I के श्रिधकारी डा० एस० एस० श्रीवास्तव को के महारजिस्ट्रार के कार्यालय के जीवनांक प्रभाग में व 1 जनवरी, 1987 के पूर्वाह्न से 31 मई, 1990 ते श्रविध के लिए या श्रगले आवेशों तक, जो भी श्रविध हो, प्रतिनियुक्ति पर स्थानान्तरण द्वारा भारत के महा-ट्रार के संवर्गवाह्य पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

डा० श्रीवास्तव का मुख्यालय नई विल्ली में होगा ।

सं० 13/1/87-प्रशा-1----राष्ट्रपति, भारतीय सांख्यिकी सेवा के ग्रेड-III के ग्रधिकारी ग्रौर भारत के महारजिस्ट्रार के कार्यालय में वरिष्ठ श्रनुसंधान श्रधिकारी के पद पर कार्यरत, श्री टी० के० एकट की 26 दिसम्बर, 1986 की पूर्वाह्न को हुई मृत्यु की घोषणा बड़े खेद से <sup>4</sup>करते हैं।

> वी० एस० वर्मा भारत के महारजिस्ट्रार

#### वित्त मंत्रालय

(म्राधिक कार्य विभाग) प्रतिभृति कागज कारखाना होशंगाबाद, दिनांक 6 जनवरी 1987

कमांक : 7(65)—श्री ह्वी० पी० तिवारी, निरीक्षक नियंत्रण, प्रतिभृति कागज कारखाना होशंगाबाद को रु० 2375-75-3200द० भ्र०-100-3500 के वेतनमान में सुरक्षा ग्रधिकारी के पद पर दिनांक 1 जनवरी 1987 से छः माह या जब तक यह पद नियमित रूप से नहीं भरा जाता इनमें से जो भी पहले हो, पूर्णतः तदर्थग्राधार पर नियुक्त किया जाता है ।

### दिनांक 9 जनवरी 1987

क्रमांक : 7(60)/7421--श्री ह्वी० एम० परदेशी, सहायक मख्य नियंत्रण ग्रधिकारी सेवानिवृत्ति की श्रायु प्राप्त करने ५र दिमांक 31-12-86 (ग्रपराह्म) से सहर्ष शासकीय सेवा से निवृत्त किए जाते हैं।

> शं० रा० पाठक महाप्रबन्धक

#### भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक तथा महालेखापरीक्षक का कार्यालय नई दिल्ली-110002, विनांक 12 जनवरी 1987

वा० ले० प० 1/15-71-सदस्य लेखापरीका बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिष्यिक लेखापरीक्षा (द्वितीय) नई दिल्ली के कार्यालय में कार्यरत श्री एस० डी० देवरा लेखापरीक्षा प्रधिकारी (का०) ग्रपनी अधिवर्षिता आयु प्राप्त करने पर दिनांक 31-12-86 अपराह्म से सेवानिवृत्त हो गए हैं।

> डी० एन० *ग्रानन्द* नियंत्रक-महालेखापरीक्षक (वा०) सहायक

कार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा, केन्द्रीय राजस्व-1, नई दिल्ली-110002, दिनांक 19 जनवरी 1987

प्रशासन—I/का० ग्रा० संख्या-257--निदेशक परीक्षा केन्द्रीय राजस्य-ा, इस कार्यालय के स्थानापन लेखा परीक्ता प्रक्रिकारी श्री संतलाल (एस० सी०) को 2375---

3500 रु० के वेतनमान में दिनांक 1-12-1986 से स्थायी रूप से नियक्त करते हैं।

प्रशासन-I/का० घा० संख्या-258--इस् कार्यालय के एक ग्रस्थायी लेखा परीक्षा ग्रधिकारी श्री वी० एन० पराशर वार्धक्य भ्रायु प्राप्त करने के परिणामस्यरूप 31 जनवरी 1987 अपराह्मको भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे। उनकी जन्म तिथि 21 जनवरी 1929 है ।

प्रशासन-1/का० ग्रा० सं०-261—इस कार्यालय के एक स्थायी लेखा परीक्षा ग्रधिकारी श्री बी० डी० कपूर वार्धक्य ग्राय प्राप्त करने के परिणामस्वरूप 31 जनवरी 1987 श्रपराह्न को भारत सरकार की सेवा से सेवा निवृत्त हो जायेंगे। उनकी जन्म तिथि 1 फरवरी 1929 है।

> मोहन खुराना उप-निदेशक लेखा परीक्षा (प्रशासन)

कार्यालय, निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय कलकत्ता-700001, दिनांक 12 जनवरी 1987

सं० प्राशा०I/सी/रा० पन्नित 26404-1 निदेशक लेखापरीक्षा, केन्द्रीय, कलकत्ता ने अनुभाग भ्रधिकारियों को रुपया—-2000−60--2300--ई० बी०--75-3200 के वेतनमान पर स्थानापन्न सहायक लेखापरीक्षा श्रिधिकारी (ग्रुप-ख) के पद पर उनके नामों के साथ दिए गए तारीख से भ्रगला आदेश जारी किए जाने तक निदेशक लेखा-परीक्षा, केन्द्रीय, कलकसा के कार्यालय में नियुक्त किए हैं :---

ऋ०सं० नाम	कार्यभार ग्रहण करने की तारीख		
सर्वश्री			
<ol> <li>भूपति प्रसन्त बैन</li> </ol>	17-11-86 (पूर्वाह्म से)		
2. कार्तिक चन्द्र मांश्री	10-12-86		
<ol> <li>प्रनव कुमार पाल</li> </ol>	15-12-86		
	सनील		

उप० नि० ले॰ परीक्षा (प्रणा०)

**ंकार्यालय, निदेशक लेखा परीक्षा, रक्षा** सेघाएं नई दिल्ली, दिनांक 16 जनबरी 1987

सं० 4397/प्रशासन/130/86—केन्द्रीय सिविल (पेंशन) नियमावली 1972 के नियम 48-ए के प्रावधानों के म्रन्तर्गत, श्री भ्रार० सी० गुप्ता, भ्रस्थायी लेखा परीक्षा स्रधिकारी दिसांक 1-1-1987 (पूर्वाह्न) को सेवा-निवृत्त (स्वैच्छिक) हुए ।

> बी० एस० गिन संयुक्त निदेशक लेखापरीक्षा, रक्षा नेवाएं

## महालेखाकार, उत्तर प्रदेश का कार्यालय

#### लखनऊ दिनांक 8 जनवरी 1987

सं/I-144 प्रशः । 11 अप्रिः । 348 प्रधान महालेखाकार, उत्तर प्रदेश, इलाहाबाद ने निम्न-लिखित स्थानापन्न लेखा अधिकारियों को उनके नामों के सामने लिखित तिथि से लेखा अधिकारी के पप पर स्थायी रूब से नियुक्त किया है:—

#### सर्वश्री--

1. टी० एन० भ्रम्रवाल	1-3-1984
2. एन० फ्रार० बनर्जी	1-7-1985
3. एच० डी० चक्रवर्ती	1-7-1986
4. डी० पी० तिथारी	1-11-198
	प्रभात चन्द्रा
,	उप महालेखाकार (प्रशासन)

## रक्षा <mark>लेखा विभाग</mark> कार्यालय, रक्षा लेखा महानियंद्रक

नई दिल्ली-110 066, दिनांक 07 जनवरी 1987

सं० प्रणासन-1/1673/5/1—श्री रमाकान्त पट्टनायक, भाई० डी० ए० एस० को उनके द्वारा दिनांक (31-10-86 को 58 वर्ष की धायु प्राप्त कर लेने पर (उनकी जन्म तिथि दिनांक 1-11-28 होने के कारण) दिनांक 31-10-86 के अपराह्म मे रक्षा लेखा विभाग के संख्याबल से दिया गया है श्रीर तदनुसार उन्हें दिनांक 01-11-86 के पूर्वाह्म मे पेशन स्थापना की अन्तरित कर दिया गया है।

### विनांक 13 जनवरी 1987

सं० प्रशा०/1/1172/1/जिल्द — -राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा मेवा के एक ग्रधिकारी श्री एम० कुमारास्वामी को जो सम्प्रति निदेशक (वित्त) के रूप. में पेट्रोलियम मंत्रालय, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति पर हैं, उक्त मेवा के विरष्ठ प्रशासनिक ग्रेड के स्तर II (मान रु० 2250—125/2—2500) (संशोधन पूर्व) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए "ग्रनुकम नियम के ग्रधीन" 2 जनवरी 87 में तथा ग्रागामी भ्रादेश पर्यन्त, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं प्रणा । /1/1174/1/जिल्द-III — भारत के रप्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा मेवा के एक अधिकारी श्री बी । पी । गूप्ता को उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रणासनिक ग्रेड (मान रुपए 1500-- 60-1800-100-2000) (संशोधन पूर्व) में स्थानापन्न क्ष्म 7 नवम्बर 1986 के पूर्वाह्न से तथा अगले आदेश पर्यन्त, महर्ष नियुक्त करते हैं।

सं प्रशा | 1/1174/1/जिल्द-III—राष्ट्रपति, भारतीय रक्षा लेखा नेवा के निम्नलिखित प्रधिकारियों को (जो प्रति-नियुक्ति के दत्त कार्यों पर हैं, जैसा कि उनके नामों के सामने दर्शाया गया है) उक्त सेवा के कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (मान रुपए 1500—60—1800—100—2000) (संसोधन पूर्व) में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए "ग्रनक्रम नियम के ग्रधीन" उनके नामों के सामने दिखायी गयी तारीखों से तथा ग्रागामी ग्रादेश पर्यन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं:—

## क्र० सं० श्रधिकारी का नाम दिनांक जहां सेवारत है सर्वश्री—

- ग्रार० मुब्रह्मणियन 07~11-86 ग्रवर सचिव, रक्षा मंत्रालय, नई दिल्ली ।
- 2. जी॰एस॰ वर्मा 15-12-86 ग्रवर सचिव (स॰ व॰ स॰/र॰ उ॰) रक्षा मंद्रालय, नई दिल्ली

सं० प्रशा०/1/1809/5/1/पी० सी०-1-मारत के राष्ट्राति ने संघ लोक मेवा भायोग के परामर्श से, भारतीय रक्षा लेखा सेवा के एक श्रधिकारी श्री थोमस ए० कल्लिबाया- लिल के विरुद्ध चलाए गए भनणासिनक मामले में की गयी जांच के निष्कर्ष के श्राधार पर श्री थोमस ए० कल्लिबायालिल को 16 अगस्त 1983 से सेवा से हटाए जाने का दण्ड भारोपित किया है। तदनुसार श्री थोमस ए० कल्लिबायालिल को उसी तारीख से भारतीय रक्षा लेखा सेवा के संख्याबल से तथा सरकारी मेवा से हटाया जाता है।

डी०के० चेतसिंह (प्रका लेखा अपर महानियंद्रक (प्रशा०)

हायीलय, रक्षा लेखा नियंत्रक (श्रन्य रैंक),केन्द्रीय फाम--1

केन्द्रीय सिविल सेवाएं (अस्थायी सेवा) नियम 1965 के के नियम 5(1) के प्रधीन सरकारी सेवाभ्रों से हटाने सम्बन्धी जारी किया गया नोटिस

केन्द्रीय सिविल सेवाएं (ग्रस्थायी सेवा) नियम 1965 के नियम 5 के उप-नियम (1) के श्रनुसार में श्री न० गोपालन यह नोटिस श्री ह्वी० के० बन्मल, श्रस्थायी लेखा परीक्षक, लेखा संख्या 8326575 को देता हूं कि उसे, इस नोटिस के जारी किए जाने की तारीख से जैसे ही एक महिने की श्रवधि समाप्त

होती है, उसके बाद की तारीख में या जैसा कि मामले में उसे सूचित (टेण्डर) किया है, सरकारी सेवाग्नों से हटा दिया जाएगा। न० गोपालन नियुक्ति प्राधिकारी के हस्ताक्षर

स्टेशनः नागपुर, विनाकः 31-7-86

वाणिज्य मंत्रालय
मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात का कार्यालय
नई दिल्ली-1, दिनांक 7 जनवरी 1987
श्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण
(स्थापना)

सं० 6/1490/84-प्रभा० (राज०)—सेवा निवृति की ग्रायु पूरी कर लेने पर इस कार्यालय के श्री हरनाम सिंह, नियंत्रक, श्रायात-निर्यात 31 दिसम्बर, 1986 के ग्रपराह्न से सरकारी सेवा से सेवा निवृत हो गए हैं।

> शंकर चन्द उप मुख्य नियंत्रक स्रायत-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक स्रायात-निर्यात

पूर्ति विभाग पूर्ति तथा निषटान महानिदेशालय (प्रशासन श्रनुभाग प्र-1)

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1987

सं० प्र-1/1(313)—राष्ट्रपति, ति तथा निपटान पूमहानिदेशालय, नई दिल्ली में निदेशक, पूर्ति श्री सी० सी० दत्ता को, मूल-नियम 56(जे०)के प्रधीन दिनांक 30-12-86 के ग्रंपराह्म में श्रनिवार्य रूप में गरकारी सेवा में निवृत्त करते हैं। एम० पी० बंगा उप-निदेशक (प्रणासन)

#### दिनांके 31 दिसम्बर 1986

सं० ए-1/1(1048)— पूर्ति तथा निपटान निदेशालय, बम्बई के स्थायी प्रधीक्षक तथा स्थाना-पन्न सहायक निदेशक (प्रशासन) (ग्रेड-II) श्री एल० जी० काम्बले वार्डक्य निवर्गन की श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 30 नवम्बर, 1986 के श्रपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए ।

एम० पी० बंगा उप निदेशक (प्रशासन) **कृते** महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-6)

नर्ड दिल्ली, दिनांक 1 जनवरी 1987

सं० ए-17011/245/84/ए-6-मुख्यालय में सहायक निरीक्षक प्रधिकारी (श्रामयांत्रिकी) श्री वी० के० अग्रवाल को विनांक 24-12-86 के श्रादेश मंश सी 0-13012/20/82-वी श्राई जीश के श्रनुसार दिनांक 24-12-86 से तीन वर्ष की ग्रवधि के लिए दण्ड स्वरूप भंडार परीक्षक (श्रिभिश्न यांत्रिकी) के रूप में प्रत्यावर्तित किया गया है।

श्चार० पी० शाही उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात श्रौर खान मंत्रालय खान विभाग भारतीय खान ब्यूरों

नागपुर, दिनांक 16 जनवरी 1987

सं० : ए-19011(192)/75-स्था० ए०—विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिण पर श्री वाय० जी० जोशी, वरिष्ठ खनन भूविज्ञानी, भारतीय खान ब्यूरो को स्थानापन्न रूप में दिनांक 5-12-86 के पूर्वाह्न से क्षेत्रीय खन भू-विज्ञानी के पद पर भारतीय खान ब्यूरो में पदोन्नति प्रदान की गयी ।

जी० सी० शर्मा महायक प्रशासन श्रधिकारी कृते महानियंत्रक भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय भूवैज्ञानिक सबक्षण कलकत्ता-700016, दिनांक 13 जनवरी 1987

सं० 229बी/ए-19011(1-डी० श्रार०)/85-19ए---राष्ट्रपति श्री देस राज को भूत्रैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रा०--40-1100-50-1200 ६० के वेतनमान के न्यूनतम वेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में ग्रागामी ग्रादेश होने तक 23-10-86 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

मं . 212बी/ए-19011 (1-जी जी वी वी वे)/19ए-- श्री जी जी वे वाज ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (किनष्ठ) के पद का कार्यभार 10-3-86 (श्रपराह्न) में छोड़ दिया है तािक वे श्रध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक, तिमलनाडु खिनज लिमिटेड, 31-कामराजार सलाई, द्वाड हाउस, चेपाक, मद्राम-600005 के कार्यालय में विरिष्ठ पियोजना श्रधिकारी/उप प्रबन्धक का पद प्रतिनियुक्ति की सामान्य भतौं पर एक वर्ष की श्रवधि के लिए ग्रहण कर सकें।

सं० 254बी/ए-19011 (1-डी० डी० ए०)/81-19ए--भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण के भृवैज्ञानिक (कनिष्ठ) श्री
डी० डी० श्रवस्थी ने भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में भूवैज्ञानिक (कनिष्ठ) के पद का कार्यभार त्यागपत पर, 30-4-85 (ग्रपरीह्न) से छोड़ दिया ।

सं० 766बी/ए-19011(1-एस० एन० एम०)/85-19ए--राष्ट्रपति,श्री एस० एन० मेशराम को भूवैज्ञानिक (किनष्ठ) के पद पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में 700-40-900-द० रो०-40-1100-50-1300 रु० के वेतनमान में न्यूनतम बेतन पर, स्थानापन्न क्षमता में श्रागामी आदेश होने तक 21-10-86 के पूर्वाह्म से नियुक्त कर रहे हैं।

जगदीश लाल निदेशक (प्रशासन)

### श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी 1987

सं 10/9/85-एस०-सात (खण्ड-II) ॄमहानिदेश क ग्राकाशवाणी, ग्राकाशवाणी/दूरदर्शन के निम्नलिखित ग्रिधि-कारियों को 6 मार्च, 1982 से नियमित ग्राधार पर ग्रस्थायी सरकारी कर्मचारी घोषित करते हैं :--

ा० सं० नाम		पदनाम	कार्यालय
 सर्वश्री 1. महमूद हा	शमी	प्रस्तसकर्ता	वि०प्र०से० श्राकाश-
<ol> <li>श्रीर०के०</li> </ol>			वाणी, नई दिल्ली दूरदर्शन महानिदेशालय
. आर्चनाच्	न्।।८न।	ग्रेड-II	वूरवया महानिवयासय
			वी० एन० सिंह

उपमहानिदेशक (प्रशासन)

कृषि मंत्रालय

(कृषि तथा सहकारिता विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनाक 1 जनवरी 1987

मि० सं०-5-51/87-स्थापना-I-विस्तार निवेशालय, कृषि तथा सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय के फोटो ग्रिध-

कारी श्री पी० एन० सेठ निवर्तन की ब्रायु प्राप्त करने पर 31 विसम्बर 1986 (ब्रपराह्म) को सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए।

> धार० जी० बनर्जी निदेशक प्रशासन

वनस्पति-रक्षा, संगरोध एवं,संग्रह निवेशालय फरीदाबाद विनांक 6 जनवरी 1987

पत्नांक: 7-33/83-प्रशासन-प्रथम-1-भारत सरकार के बनस्पति-रक्षा-सलाहकार ने श्री एस० एन० सिंह, बनस्पति रक्षा श्रिधकारी (कीट विज्ञान) को श्रक्तूबर 31, 1986 (पूर्वाह्न) से तीन वर्ष की श्रविध हेतु प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर 2375-75-3200 र० -द० रो०-100-3500 र० के वेतनमान में प्रशासनिक श्रिधकारी (श्रेणी प्रथम) के पद पर टिड्डी उप केन्द्र, जोधपुर में नियुक्त किया है।

एस० पी० **कुटा**र मुख्य प्रशासनिक ग्राधिकारी

(ग्रामीण विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निवेशालय

प्रधान कार्यालय,

फरीदाबाद, दिनांक 14 जनवरी 1987

सं० ए०-19025/2/86-प्र०-III--संघ लोक सेवा ग्रायोग की संस्तुतियों के ग्राधार पर श्री बी० चन्द्रमौली को ग्रायले ग्रावेशों तक विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय, पटना में 8-10-1986 (पूर्वाह्म) से स्थानापन्न सहायक विपणन विकास ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त किया गया है।

म्रनिता चौधरी कृषि विपणन सलाहकार

भाभा परमाणु ग्रनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग भर्ती ग्रनुभाग

बम्बई-400 085, दिनांक 5 जनवरी 1987

सं० पी० ए०/79 (19)/84-ब्रार-III/46--नियंत्रक, भाभा परमाणु ब्रनुसंधान केन्द्र निम्नलिखित कर्मचारियों को इस केन्द्र में नीचे दिए गए दिनांक से छपए 2000-60-2300-द्द० रो०-75-3200 के बेतनमान पर सहायक कार्मिक ब्रधिकारी के पद पर स्थानापन्न के रूप से नियुक्त करते हैं:---

क सं नाम /	स्थायी/ग्रस्थायी पद पर नियुक्त	दिनांक
1. श्री बलरामा नरसिंहन	एम० ए० पी० पी० मद्रास में स्थायी सले० ग्रेड लिपिक	15-12-86 पूर्वाह्म
<ol> <li>श्री कुदेतीवेंकटसुब्रमण्यम विश्वेश्वरन</li> </ol>	स्राई० जी० सी० ए० स्रार० में स्थायी कनिष्ठ लिपिक तथा परमाणु ऊर्जा विभाग, यम्बई में स्थानापन्न सहायक	19-12-86 पूर्वाह्न
<ol> <li>श्री ग्रप्पि पापच्चन</li> </ol>	नाभिकीय ईंधन सम्मिश्र, हैदराबाद में स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न	22-12-86 पूर्वाह्न
	रूप से सहायक लेखाकार	

#### केन्द्रीय संमिश्र

## बम्बई-400 085, दिनांक 5 जनवरी 1987

सं० पी ए/81(5)/86-म्रार-4-नियंत्रक, भाभा परमाणु म्रनुसंधान केन्द्र के निम्न-श्रिवित म्रधिकारियों को वैज्ञानिक म्रधिकारी/इंजीनियर ग्रेष्ठ एस० बी० पद पर दिनांक 1-8-1986 पूर्वाह्न से म्रग्रिम म्रादेशों तक, इसी म्रनुसंधान केन्द्र में, स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं

ऋमांक नाम	स्थानापन्न नियुक्ति
(1) (2)	(3)
सर्वश्री	
1. ग्रार० एस० तोम <sup>र</sup>	एस० ए०∤सी०
2. एस० यू० सालुंके	एस० ए०/सी०
3. एस० बी० श्रार० के० सी०	यरबार्ला ट्रेडसमन/इ
4. पी० जी० सुन्दरम	एस० ए०/सी०
5. ए० के० मुदैया	एस० ए०/सी०
6. ए० एस० <b>चौ</b> हान	एस० ए०/सी०
7. जे० पी० द्विपाठी	एस० ए०/सी०
8. यू० म्रार० दुवे	एस० ए०/सी०
9. फ्रार० के० मिश्रा	एस० ए०/सी०
10. के० पी० श्रीकुमार	एस० ए०/सी०
11. टी० के० सहा	एस० ए०/सी०
12. डी० एन० बर्वे	एस० ए०/सी०
13. एस० एन० लेले	एस० ए०/सी०
14. एस० एन० वानखेड़े	एस० ए०/सी०
15. झार० म्रार० पाटणकर	एस० ए०/सी०
16. एल० बी० प्रजापती	एस० ए०/सी०
17. ए० एन० स्निवेदी	एस० ए०/सी०
18. पी० के० मराठे	एस० ए०/सी०
19. एस० बी० राजोरे	एस० ए०/सी०
20. एम० एन० पाटिल	एस० ए०/सी०
21. म्रार० डी० एस० यादव	एस० ए०∕सी०

एस० ए०/सी०

एस० ए०/सी०

एस० ए०/सी०

एस० ए०/सी०

एस० ए०/सी०

22. भार० टी० सवासीया

25. श्रीमित एन० जयंति

26. भ्राय ० सी ० पियुस

23. श्रार०

के० दुग्गल

24. कुमारी एन० एन० मिराशी

क्रमांक	नाम	वर्तमान पद	
(1)	(2)	(3)	-
	ो एल० म्रा <i>र०</i> ो०वी० नायडू	सावंत एस० ए०/सी० एस० ए०/सी०	•
			•

## परमाणु ऊर्जा विभाग निर्माण एवं सेवा वर्ग

बम्बई-400094, दिनांक 23 दिसम्बर 1986 सं० सी० ई० डी०/ए/2(16)/40--निदेशक, निर्माण एवं सेवा वर्ग, परमाणु ऊर्जा विभाग श्री श्रार० बी० पिल्लई, श्रस्थायी सहायक लेखापाल, निर्माण एवं सेवा वर्ग को श्रीमती एन० एस० राजाध्यक्ष, सहायक लेखा श्रधिकारी, जिन्हें लेखा श्रधिकारी-II के रूप में पदोन्नत किया गया है, के स्थान पर तारीख 8-12-86 पूर्वाह्म से 9-1-87 तक श्रस्थायी तदर्थ श्राधार पर सहायक लेखा श्रधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

जे० ग्रार० कणिक प्रशासन श्रधिकारी—III

#### ऋय और भंडार निवेशालय

बम्बई-400 085, विनांक 7 जनवरी 1987

संदर्भ संख्या : ऋभंनि/2/1(3)/85-प्रशा०/739--परमाणु ऊर्जा विभाग, ऋय और भंडार निदेशालय के निदेशक
ने स्थायी सहायक लेखापाल, श्री श्रब्दुल सतार हैदरशेख को
इसी निदेशालय में विनांक 18-12-86 (पूर्वाह्न) से
17-03-87 (ग्रपराह्न) तक 2000-60-2300-द० रो०75-3200 रुपए के वेतनमान में सहायक लेखा श्रिधकारी के
पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

#### दिनांक 13 जनवरी 1987

संदर्भ संख्या : क्रभं०नि०/2/1(।।)/83-प्रशा०/1855-परमाणु ऊर्जा विभाग, क्रय और भंडार निदेशालय के निदेशक ने स्थायी भंडारी, श्री जी० कुप्पूस्वामी को इसी निदेशालय में दिनांक 1 जनवरी 1987 (पूर्वाह्न) में ग्रगले ग्रादेश होने तक 2000-60-2300-द० रो०-75 -3200-100-3500 रुपए के वेतनमान में सहायक भंडार ग्रधिकारी के पद पर ग्रस्थायी तौर पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है ।

> बी० जी० कुलंकर्णी प्रणासन ग्राधिकारी

## राजस्थान परमाणु बिजलीघर कोटा, दिनांक 15 दिसम्बर, 1986

सं० रापविष/भर्ती/श्रग० 86/स्था०/980 राजस्थान परमाणु बिजलीघर के मुख्य श्रधीक्षक, इस विजलीघर के निम्न-लिखित कर्मचारियों को िनांक 1 श्रगस्त 1986 पूर्वाह्न से श्रागामी श्रादेश तक श्रस्थायी तौर पर वैज्ञानिक श्रधिकारी/ग्रेड "एस बी" पर पर स्थानापन्न स्थ से निथुक्त करते हैं :—

करुसं० श्रिधिकारीकान	ाम			वर्तमान पद	जिस पद पर नियुक्त किया गया
1. श्रीवचन सिंह .		,		वैज्ञानिक सहायक ''सी''	वैज्ञानिक श्रधिकारी ग्रेड "एस बी"
2. श्री एस० एस० वर्मा				7)	"
3. श्रीसी०पी०गुप्ता.		٠	•	n	n

जपरोक्त श्रधिकारियों ने **वैज्ञानिक ग्रधिकारी/ग्रेड** "एस बी" पद का कार्यभार दिनांक 1 श्रगस्त, 1986 के पूर्वाह्न को संभाल लिया है ।

एस० त्रियम्बकनाथ प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०)

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 15 जनवरी 1987

सं० ए० 19011/129/81-स्था०-1 --श्री एस० एन० शर्मा, निदेशक उड़न योग्यता सेवा निवृति की श्रायु प्राप्त करने पर दिनांक 31-12-1986 (श्रपराह्म) को सरकारी सेवा से सेवानिवृक्त हो गए हैं।

> एम० भट्टाचार्जी उपनिवेशक प्रशासन कृते महानिवेशक नागर विमानन

## केन्द्रीय उरवाद शुल्क एवं सीमा शुल्क समाहतलिय

## पटना, दिनांक 12 दिसम्बर 1986

मि० सं० 11(7)2—स्था०/82 इस कार्यालय के स्थापना **प्रादेश संख्या**—107/83 दिनांक 16-4-83 204/83 दिनांक 16-7-83, 307/83 दिनांक 23-11-83, 93/84 दिनांक 20-2-84, 185/84, दिनांक 1-5-84, 239/84 दिनांक 16-6-84, 266/84 दिनांक 11-7-84, 287/84 दिनांक 6-8-84, 312/84 दिनांक 6-9-84, 394/84 दिनांक 1-10-84, 432/84 दिनांक 21-11-84, 448/84 दिनांक 3-12-84, 2/85 दिनांक 1-1-85, 13/85 दिनांक 4-1-85, 56/85 दिनांक 30-1-85, 213/85 दिनांक 1-8-85, 276/85 दिनांक 30-9-85, 317/85 दिनांक 28-11-85, 366/85 दिनांक 23-12-85, 22/86 दिनांक 23-1-86, 82/86 दिनांक 31-3-86, 109/86 दिनांक 29-4-86, 154/86 दिनांक 29-5-86, 162/86 दिनांक 10-6-86, 197/86 दिनांक 3-7-86, 218/86 दिनांक 25-7-86 प्रौर 273/86 दिनांक 22-9-86 के द्वारा निम्नलिखित निरीक्षकों को वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- तथा नियमान्तर्गत देय सामान्य भत्तों के सहित वेतनमान पर स्थाना-पन्न प्रधीक्षक "ख" केन्दीय उत्पाद/सीमा शुल्क के रूप में प्रोक्षत किया गया। उपर्युक्त श्रादेश के श्रनुमरण में उनके नाम के सामने दिखलाए गए स्थान, तिथि श्रीर समय श्रनुसार कार्यभार ग्रहण किए:—

क्र० पदाधिकारी का नाम सं०	जहां स्थापित किए गए	कार्यभार ग्रहण करने की तिथि
(1) (2)	(3)	(4)
सर्वश्री 1. मालेश्वर प्रवाद मिन्हा	. के० उ० शु० (मुख्यालय) पटना	16-4-83
2. गणेश प्रसाद	. के० उ० गु० प्रमण्डल, जमशेदपुर	22-4-83
3. रामजी स्निपाठी	. के <b>० उ</b> ० <b>गु० प्र० जमशेदपुर</b>	22-4-83
<ol> <li>कृष्णानन्द ठाकुर</li> </ol>	प्रमण्डलीय कार्यालय, सीमा मुल्क, फारवियगंज	30-7-83

(1) (2)	(3)	. (4)
स <b>र्वश्री</b>		
<ol> <li>सत्यनारायण शर्मा</li> </ol>	় के० ও০ যু০ प्रमण्डल, धनबाद	30-7-83
<ol> <li>कमला कान्स पाण्डेय</li> </ol>	़ के० उ० मु० प्रमण्डल, धनबाद	29-7-83
<ol> <li>ब्रह्मदेव नारायण शर्मा</li> </ol>	़ के० उ० मु०, प्रमण्डल, रांची	16-7-83
<ol><li>शुभ नारायण मिश्रा</li></ol>	. मोतिहारी रेंज, के० उ० शु० प्रमण्डल, लहेरियासराय	29-11-83
9. अवध नारायण भा	. के० उ० गु० प्रमण्डल, जमगोदपुर	29-11-83
<ol> <li>देशमण्ड सस्यानन्द जौन</li> </ol>	. के० उ० शु० प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर	29-11-83
। 1. वसंत कुमार सिन्हा,	सीमा गुल्क प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर	8-12-83
। 2. प्रभान्सुलाल बोस .	. हाजीपुर सीमा शुल्क, सीमा शुल्क प्रमण्डल, मुजप्फरपुर	1-12-83
2.ग श्रसीत कुमार बनर्जी	. सीमा शुल्क प्रमण्डलीय कार्यालय मोतिहारी	20-2-84
। उ. उमा शंकर प्रसाद.	. सीमा मुल्क मुख्यालय, पटना	31-5-84
। 4. सिन्धु कुमार सिन्हा	. के० उ० शु०, (मु०) पटना	22-2-84
. इ. सुरजीत सिंह .	. सीमा शुल्क चौकी, रक्सील	2-5-84
6. जे०पी० घोष .	. देवघर रेंज, के० उ० शु०, प्रमण्डल, धनबाद	16-5-84
7. लेखराज .	. सीमा शुरुक मुख्यालयं, पटना	2-5-84
8. एस० एन० गुप्ता .	. के० उ० मु० मुं०, पटना	7-5-84
9. के०बी० एन० सिंह	. प्रमण्डलीय कार्यालय, के० उ० शु० प्रमण्डल, पटना	2-5-84
<ol> <li>सरोज मोहन प्रसाद</li> </ol>	. प्रमण्डलीय कार्यालय, के० <b>७० शु० प्रमण्डल, पटना</b>	7-5-84
<ol> <li>शंभू शरण सिन्हा .</li> </ol>	. के० <b>च० गु० मुख्</b> यालय, पटना	16-6-84
2. कामेण्वर प्रसाद सिन्हा	. प्रमण्डलीय कार्यालय, के० छ० गु०, प्रमण्ड, पटना	12-7-84
<ol> <li>रेवती रमणं चौधरी</li> </ol>	. सिकटा सीमा शुल्क शु० प्रमण्डल, मोतिहारी	26-7-84
4. रामनिहोरा सिन्हा	. प्रमण्डलीय कार्यालय, सी० गु० प्रमण्डल, फारविसगंज	18-8-84
<ol> <li>एम० सी० घोषाल .</li> </ol>	. प्रमण्डलीय कार्यालय, के० उ० शु० प्रमण्डल, मुजफ्करपुर	18-8-84
6. <b>भी</b> ० एस० पी० सि <b>न्हा</b>	. कें ० ड ० सु० मुख्यालय, पटना	6-9-84
7. भ्रनिल भूषण चटर्जी	. झाझा रेंज, केन्द्रीय उत्पाद, पटना	6-9-84
8. राकेश्वर प्रसाद सिन्हा	. के० उ० शु० प्रमण्डल, लहेरियासराय	8-10-84
9. रेवती रमण सिन्हा नं० 2	. के० उ० मुरुयालय, पटना	5-10-84
0. एम० सी० साह	. पूर्णिया सीमा गुल्क, सीमा गुल्क प्रमण्डल, फारवसिगंज	1-12-84
1. बी०के०भान .	. प्रमण्डलीय कार्यालय, के० उ० गु०, प्रमण्डल रांची	22-11-84
<ol> <li>गोस्वामी राजेन्द्र गिरि .</li> </ol>	. के० उ० मु० मुख्यालय, पटना	11-12-84
	- •	(भ्रपराह्न)
<ol> <li>मनोज मोहन चक्रवर्ती</li> </ol>	. प्रमण्डलीय कार्यालय, सीमा शुल्क प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर	3-1-85
4. रामप्रीत सिन्हा	. के० उ० शु०, प्रमण्डलीय कार्यालय, जमशेदपुर	7-1-85
5. जनक किशोर सिन्हा	. सासाराम रेंज, के० उ० गु० प्रमण्डल, गया	22-1-85
6. के॰ जी० विश्वास .	. सीमा शुल्क हाउस, रक्सौल	11-1-85
	•	श्रपराह्न
7. द्वारिका प्रसाद नं० 2	. के० उत्पाद गुल्क, जमगेदपुर	13-2-85
8. रचुनाथ चौधरी	. बिहार-शरीफ रेंज, के० उ० शु० प्रमण्डल, पटना	8-2-85
9. भ्रानन्द रजक	. के० उ० मुरुयालय, पटना	5-2-85
<ol> <li>इलविन मिचयारी .</li> </ol>	. बेतिया-II रेंज, के० उ० गु० शुल्क, प्रमण्डल, लहेरियासराय	23-3-85
1. सुरंजन सुरीन .	. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रमण्डलीय कार्यालय, लहेरियासराय	25-2-85
- जु. 2. जितेन्द्र नारायण .	. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क (मु०), पटना	2-8-85
3. सी०पी०सिन्हा	. कें ७० शु॰ कार्यालय, जमगेदपुर	5-8-85
4. सिद्धेण्यर महाराज	. के॰ छ॰ गु॰ मु॰, पटना	2-8-85
.इ. पीटर लेजरस	. बरीना, के० उ० मु० प्र०, पटना	2-8-85

(1) (2)	(3)	(,4)
सर्वश्री		-
46. मो० माइनुद्दीन .	. के० उ० शु० प्र० कार्यालय, मुजफ्फरपुर	12-8-85
47. जगदीश प्र० सिन्हा नं० 2	. के० उ० गुँ० प्रमण्डलीय कार्यालय, जमग्रेदपुर	9-8-85
48. जालेश्वर प्रसाद े.	. उप समाहर्ता का कार्यालय केन्द्रीय उत्पाद शुरूक, जमगेदपुर	6-8-85
4.9. एस० वी० प्रसाद	के० उ० पु० प्रमण्डलीय कार्यालय, पटना	26-8-85
50. गोपालजी साह	. केन्द्रीय उत्पाद गुल्क प्रमण्डलीय कार्यालय, गया	23-8-85
51. एम० एन० झां.	. के ७ ७ शु  मुख्यालय, पटना	22-10-85
52. गणेश प्रसाद सिन्हा.	. मुजफ्फरपुर-II रेंज, के० उ० शु० प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर	4-11-85
53. राम प्रकाश सिंह <sup>ं</sup> .	. सीमा शुल्क मधुबनी, सीमा शुल्क प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर	6-11-85
54. महेश प्रसाद .	. के ० उ० मु० प्रमण्डलीय कार्यालय, गया	12-12-85
5. कन्हैया प्रसाद .	. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, पटना	29-11-85
5 <sup>६.</sup> विजय रतन सिंह .	. केन्द्रीय उत्पाद मुल्क प्रमण्डलीय कार्यालय, जमगेदपुर	3-2-86
57. भ्रखिलेक्ष्वर महाराज	भारत पेट्रोलियम कारपोरेशन, बरौनी, के० उ० शु० प्रमण्डल, पटना	1-1-86
58. ए० बी० चऋवर्ती.	. के० ७० गु० प्रमण्डलीय कार्यालय, रांची	1-1-86
59, के०सी०दत्ता .	. चक्रघरपुर, के० उ० शु० प्रमण्डल, जमगोदपुर	6-2-86
<ol> <li>राजेश्वर प्रसाद सिंह नं० 1</li> </ol>	. प्रमण्डलीय कार्यालय, सीमा शुल्क प्रमण्डल, मोतिहारी	10-2-86
61. उमाकांत पाठक	खगड़िया, सीमा शुल्क, सीमा शुल्क प्रमण्डल, फारविसगंज	3-2-86
3.2. के०एन०शर्मा .	. सीमा गुल्क मुख्यालय, पटना	10-2-86
33. एस० एन० पी० <b>वर्मा</b>	. के० उ० मु० प्रमण्डलीय कार्यालय, जमशेदपुर	10-2-86
34. लीलानन्द <b>चौ</b> धरी .	. समस्तीपुर, सीमा शुल्क, सीमा शुल्क प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर	11-2-86
65. <b>घार</b> ०पी० राणा .	. सीमा गुल्क मुख्यालय, पटना	25-2-86
66. सुदामा प्रसाद ति <mark>वारी</mark>	. के० उ० गु० प्रमण्डलीय कार्यालय, रांची	10-2-86
87. दशरथ नारायण <b>व</b> र्मा	मधुबनी सीमा शुल्क, सीमा शुल्क प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर	7-2-86
38. राय जोगिन्दर प्रक्षाद	. कें ७० शु० मुख्यालय, पटना	14-4-86
39. नाथुन रजक	. गोपालगंज, के० उ० गु० प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर	28-4-86
70. परमेश्वर पासवान	बिहार शरीफ रेंज, के० उ० गु० प्रमण्डल, पटना	13-5-86
71. बद्री नारायण प्रसाव	. के० उ० घु० प्रमण्डलीय कार्यालय, मुजफ्फरपुर	29-7-86
72. गुलाब राम .	. के० उ० गु०, बांकीपुर-II रेंज, के० उ० शु० प्रमण्डल, पटना	11-6-86
73. कमला रिबद्दास .	. सीमा शुल्क प्रमण्डलीय कार्यालय, मुजफ्करपुर	2-6-86
74. महेन्द्र प्रसाद .	के० उ० शु० प्रमण्डलीय कार्यालय, गया	4-7-86
75. एस० एम० डब्स्यू० हैवर	. केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय, पटना	26-6-86
76. लक्ष्मण सिंह .	. ग्रारा, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क प्रमण्डल, गया	14-7-86
77. विश्वनाथ प्रसाद	सीमा शुस्क , प्रमण्डलीय कार्यालय, फारविसगंज	28-7-86
78ः राम एकबाल सिंह् .	. सीमा गुल्क, सीतामंदी प्रमण्डल, मुजफ्फरपुर	11-8-86
79. जोना सोरेन .	सीमा शुल्क प्रमण्डलीय कार्यालय, मुजफ्फरपुर	25-9-86

केशय प्रसाद मिश्र उप समाहर्ता (कार्मिक एवं स्थापना) केन्द्रीय उत्पाद तथा सीमा शल्क

ं कलकत्ता, दिनांक 3 दिसम्बर 1986

विषय : ग्रंधीक्षक ग्रुप ''बी'' में पदोन्नति, स्थानान्तरण एवं पदस्थापना ।

## पदोन्नति :

स्थापना भावेश सं० 295/86—केन्द्रीय उत्पाद शुल्क समाहर्तालय, कलकत्ता-1/II/बोलपुर के सम्मिलित संवर्ग के

निम्निसिखित केन्द्रीय उत्पाद गुरूक निरीक्षकों को पदोन्नित के उपरान्त इसके द्वारा अनिन्तिम रूप से केन्द्रीय उत्पाद गुरूक मधीक्षक, ग्रुप "बी" में नियुक्त किया जाता है, जिनका समयमान वेतन कपया 2000-60-2300-द रो०-75-3200-100-3500/- के साथ नियमानुसार सामान्य मान्य भक्ता उच्च पद (I) (प्राधीक्षक, के० उ० गुरूक, ग्रुप "बी") का कार्यभार

	ो लागू होगा । अन्य मावेश	भान तक
उनकी पद स्थापना <b>रि</b>	नेम्न प्रकार होगी :	
ऋ०सं० नाम	वर्तमान	पदस्थापना
सर्वेश्री		1
ा संबोध चन्द्र सरकार	लालगोलासीमाशस्क निव	करण गर्क

 गणेश चन्द्र सरकार लालगोलासीमाशुल्क निवारण एकक कृष्णनगर सीमाशुल्क प्रमण्डल

 राखाल राज रायचौधरी ग्रान्तरिक लेखा परीक्षा केन्द्रीय उत्पाद मुल्क, कलकत्ता-1 कपर लिखित पदोन्नति अधिकारियों को चेतावनी दी जाती है कि ग्रेड "बी" में उनकी नियुक्ति पूर्णतः अस्थायी है और सीधी भर्ती का अन्य अधिकारियों के लिए निर्धारित पद के अनुरूप पुनरीक्षण/परिवर्तन योग्य है जिसके आवंटन का निर्णय सरकार अन्तिम रूप से ले सकती है।

वूसरे शब्दों में धनन्तिम रूप से पवोस्नति श्रिधिकारी को गृष्ट मंत्रालय के श्रादेश सं० 9/11/55 एस० धार० पी० एस० दिनांक 22-12-59 के निदेशानुसार सीधी भर्ती के धिकारी के साथ रोस्टर्स में लाया जायेगा (जब वे उपलब्ध होंगे) ग्रीर जब वे स्थापना के लिए ग्रिधिक होंगे तब उन्हें वापस लौटा दिया जायेगा ।

उनकी परोन्नति श्री गौर कुमार दे, निरीक्षक (एस० जी०) द्वारा दायर की गई 1984 की रिट याचिका सी० श्रार० सं० 8496 (डब्ल्यू) के श्रन्तिम निर्णय के श्रनुसार होगी श्रीर श्रवमानना श्रावेदन के श्रादेशानुसार एक पद रिक्त रखा गया है।

यह पदोन्नति श्री एस० झार० दल शर्मा, निरीक्षक श्रीर भन्य द्वारा भारक्षण पर फाईल की गयी रिट याचिका के भन्तिम निर्णय पर भी निर्भर करेगी ।

#### स्थानान्तरण एवं पवस्थापना :

लिखित स्थानान्तरण एवं पदस्थापना अन्य आदेश आने तक इस के द्वारा तत्काल लागू की जाती है :--

ऋ०सं० श्रधिकारी का नाम	वर्तमान पदस्थापना	पदोन्नति/स्थानान्तरण के बाद पदस्थापना
सर्वश्री		
1. गणेश चन्द सरकार	लालगोला सीमागुल्क निवारण एकक, कृष्णनगर सीमाशुल्क प्रम०	बोलपुर समाहर्तालय
2. राखाल राज रायचौधरी	. श्रान्तरिक लेखापरीक्षा के० उ० शुल्क, कलकत्ता−1	बोलपुर समाहर्तालय
3. एन० सी० घोष .	. बोलपुर समाहर्तालय	केन्दीय उत्पाद शुस्क कलकत्ता "एफ" प्रमण्डल, कलकत्ता—1
4. बी० सरकार	बोलपुर समाहर्तालय	केन्द्रीय उत्पाद शुल्क कलकता-11 समाहर्तालय

पदोशित/स्थानान्तरित श्रिधकारी द्वारा श्रधिकक, ग्रुप ''बी'', केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि के साथ कार्यभार स्थानान्तरण प्रमाण-पत्न की प्रति उप समाहर्ता (का० व स्था०), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कलकत्ता-1/1/बोलपुर को प्रेषित किया जाए ।

गृह मंत्रालय कार्यालय ज्ञापन सं० ई०/7/80/स्था०/पार्ट-1 दिनांक 26-9-81 अनुसार अपने वेतन नियतन के सम्बन्ध में पदोन्नति अधिकारी पदोन्नति तिथि से एक माह के अन्दर अपना आशय प्रकट करेंगे ।

स्थानीय व्यवस्था करके मधिकारी को शीघ्र कार्यमुक्त करें।

विनांक 31 विसम्बर 1986

विषय :---- प्रधीक्षक ग्रुप "बी" में पदोन्नति, स्थानान्तरण एवं पदस्थापना

पदोन्नति :

स्थापना भावेश सं० 315/86--केन्द्रीय उत्पाद मुस्क समाह्यालय, कलकत्ता-1/11/बोलपुर के सम्मिलित संवर्ग के निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पाद शुल्क निरीक्षकों को पदोन्नति के उपरांत इसके द्वारा अनन्तिम रूप से केन्द्रीय उत्पाद शुल्क अधीक्षक, प्रुप "बी" में नियुक्त किया जाता है जिनका समयमान केतन रुपया 2000-60-2300—व रो०-75-3200-100-3500— के साथ नियमानुसार सामान्य मान्य भसा उच्च पद (II) से अधीक्षक, के० उ० शुल्क, (प्रुप "बी") का कार्य-भार ग्रहण करने की तारीख से लागू होगा । अन्य आदेश आने तक उनकी पदस्थापना निम्न प्रकार होगी ।

क० सं	० नाम	वर्तमान	पदस्थापना
1	2	3	
स	र्वेश्री		
1. <b>का</b>	लीपद बनर्जी	मिदनापुर के० उ० शुस्क कशकत्ता-11 समा०	प्रम०,
2. रर्व	न्द्रि माथ इस्टर	कलकत्ता "एफ" प्रम०, के कल०-1 समा०	ত ড গুম্ক,

1 2	3	ऊपर लिखित पदोन्नित भ्रधिकारियों को चेतावनी दी जाती
3. लक्ष्मण चन्द्र सांतरा	कलकत्ता ''ई'' प्रम०, के० उ०, गुल्क,	है कि ग्रेड ''बी'' में उनकी नियुक्ति पूर्णत: ग्रस्थायी है और सीघी
4. चिन्ता हरण मण्डल	कल−1 समा० कलकत्ता "ई" प्रम०, के० उ० शुल्क, कल−1 समा०	भर्ती या श्रन्य श्रिधिकारियों के लिए निर्धारित पद के झनुरूप पुनरीक्षण/परिवर्तन योग्य है जिसके झावंटन का निर्णय सरकार
5. <b>दामोद</b> र सा <b>हा</b>	कलकत्ता "जी" प्रम०, के० उ० शुल्क, कल०—1 समा०	अन्तिम रूप से लेस <mark>कती है</mark> ।

दूसरे शब्दों में श्रनन्तिम रूप से पदोन्नति श्रधिकारी को गृह मंत्रालय के श्रादेश सं० 9/11/55 एस० झार० पी० एस० दिनांक 22-12- 59 के निदेशानुसार सीधी भर्ती के श्रधिकारी के साथ रोस्टर्स में लाया जाएगा (जब वे उपलब्ध होंगे) श्रौर जब वे स्थापना के लिए श्रधिक होंगे तब उन्हें वापस लौटा दिया जाएगा ।

उनकी पदोन्नति श्री गौर कुमार दें, निरीक्षक (एस० जी०) हारा दायर की गई 1984 की रिट याचिका सी० झार० सं० 8496 (डब्ल्यू) के झन्तिम निर्णय के झनुसार होगी और श्रवमानना आवेदन के श्रादेशानुसार एक पद रिक्त रखा गया है।

यह पदोन्नति श्री एस० झार० दत्त शर्मा, निरीक्षक श्रौर भ्रन्य द्वारा श्रारक्षण पर फाईल की गयी रिट याचिका के भ्रन्तिम निर्णय पर भी निर्भर करेगी ।

### स्थानान्तरण एवं पदस्थापना :

निम्नलिखित स्थानान्तरण एवं पदस्थापना अन्य आदेश आने तक इसके द्वारा तत्काल लागू की जाती है :--

ऋ० सं० श्रधिकारी कानाम	वर्तमान पदस्थापना	पदोन्नति/स्थानान्तरण के बाद पदस्थापना
सर्वश्री		
1. कालीपद बनर्जी .	मिदनापुर, के० ५० शुल्क कलकत्ता–11 समा०	हावड़ा दक्षिण प्रम० सेवा निवृत्ति से हुई रिक्ति के लिए
<ol> <li>रवीन्द नाथ हल्दर .</li> </ol>	कलकत्ता "एफ" प्रम०, के० उ० मुत्क, कल-1	श्रासनसोल प्रमण्डल, श्री पी० एम० राय के बदले।
,	समा०	
<ol> <li>लक्ष्मण चन्द सांतरा .</li> </ol>	कलकत्ता ''इ'' प्रम०, के० उ० शुल्क, कल-1	बोलपुर समाहर्तालय, श्री भोजराज चक्रवर्ती के बदले ।
	समा०	
<ol> <li>चिताहरण मण्डल</li> </ol>	कलकत्ता '' <b>इ</b> '' प्रम०, के० उ० शुल्क, कलक <del>शा</del> –1	भासनसोल प्रमण्डल, श्री एन० जी० राय के बदले।
	समा०	
<ol> <li>दामोदर साहा</li> </ol>	कलकत्ता ''जी'' प्रमण्डल के० उ० शुल्क, कल-1	बरहमपुर प्रमण्डल, श्री एन० सी० गंगुली के बदले ।
•	समा०	

पदोन्नति/स्थानान्तरित भिधकारी द्वारा भिधिकार, ग्रुप "बी", केन्द्रीय उत्पाद शुल्क का कार्यभार ग्रहण करने की तिथि के बाद कार्यभार स्थानान्तरण प्रमाण-पन्न की प्रति उप समाहर्सा (का० व स्था०), केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, कलकसा-1/11/बोलपुर को प्रेषित किया जाए।

गृह मंत्रालय कार्यालय ज्ञापन सं० ई०/7/80/स्था०/पार्ट1 विनांक 26-9-81 अनुसार अपने वेतन नियतन के सम्बन्ध
में पदोन्नति अधिकारी पदोन्नति तिथि से एक माह के अन्वर
अपना आगय प्रकट करेंगे ।

स्थानीय व्यवस्था करके भ्राधिकारी को शीझ रूर्णस्कत करें ।

> सी० भुजंगस्यामी प्रधान समाहर्ता सीमा मुल्क एवं केन्द्रीय उत्पाद मुल्क : कलकत्ता

रेल मंत्रालय (रेलवे नोई)
नई दिल्ली, दिनांक जनवरी 1987
सार्वजनिक ध्रधिसूचना

सं० 86/मार० ई०/161/6—"पश्चिम रेलवे" के निम्न-लिखित खण्ड पर स्थित रेल लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं के सूचनार्थ एतद्द्वारा यह म्रधिसूचित किया किया जाता है कि इन लाइनों की शिरोपरि कर्षण तारों को निम्नलिखित खण्ड के सामने विनिधिष्ट तारीख को या उसके बाद से 25,000 वोल्ट ए० सी० से ऊर्जायुक्त किया जायेगा। उक्त तारीख से शिरोपरि कर्षण तारों को हर समय ऊर्जायुक्त समझा जाए भौर किसी भी धनधिकत क्यक्ति को उक्त शिरोपरि तारों के निकट नहीं माना चाहिए मीर न ही कोई काम करना चाहिए ।

खण्ड

तारीख

बयाना से हिंडौन सिटी (सम्मिलित) 24-11-86 (कि॰ मी॰ 1170/13-14 से 1133/7-8 तक)

सं० 86/मार० ई०/161/6—"मध्य रेलवे" के निम्नलिखित खण्ड पर स्थित रेल लाइनों और परिसरों के सभी उपयोगकर्ताओं के सूचनार्थ एतद्द्वारा यह प्रधिसूचित किया जाता है कि इन लाइनों की शिरोपरि कर्षण क्षारों को निम्नलिखित खण्ड के सामने विनिर्विष्ट तारीख को या उसके बाब से 25,000 वोल्ट ए० सी० से ऊर्जायुक्त किया जायेगा । उक्त तारीख से शिरोपरि कृषण तारों को हर समय ऊर्जायुक्त समझा जाये और किसी भ्रनधिकृत व्यक्ति को उक्त शिरोपरि तारों के निकट नहीं माना चाहिए और नहीं कोई काम करना चाहिए ।

खण्ड

तारीख

ग्वालियर से डबरा (सम्मिलित) 26-12-1986 (कि॰ मी॰ 1223/41-42 से 1180/25-26)

सं० 86/प्रार० ई०/161/6—"पश्चिम रेलवे" के निम्नलिखित खण्डों पर स्थित रेल लाइनों भौर परिसरों के सभी
उपयोगकर्ताओं के सूचनार्थ एतद्क्वारा यह प्रधिसूचित किया
जाता है कि इन लाइनों की शिरोपरि कर्षण तारों को निम्नलिखित
खण्ड के सामने विनिर्दिष्ट तारीख को या उसके बाद से
25,000 बोल्ट ए० सी० से ऊर्जायुक्त किया जायेगा । उस तारीख
से शिरोपरि कर्षण तारों को हर समय ऊर्जायुक्त समझा जाए
भौर किसी भी भन्धिकृत व्यक्ति को उक्त शिरोपरि तारों के
निकट नहीं भाना चाहिए और नहीं कोई काम करना चाहिए।

खण्ड

तारी ख

- (I) गंगापुर सिटी /एफ० पी० से सवाई माघोपुर/ 15-1-87 एस० एस० पी० (1190/700 कि० मी० से 1032/070 कि० मी० तक)
- (II) रतलाम/एफपी० से बेशवानिया/एस० एस० 15-1-87 पी० (655/790 कि० मी० से 687/441 कि० मी० तक)

एस० एम० वैश सचिव, रेलवे बोर्ड

## केन्द्रीय जल झायोग

नई विल्ली-110066, दिनांक 6 जनधरी 1987

सं० ए-19012/1193/86-ई० पांच मध्यक्ष, केन्द्रीय जल मायोग श्री टाटा नागेश्वर राव, किनष्ठ मियन्ता को मितिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर (इंजीनियरिंग) के ग्रेड में 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 इपए के वेतनमान में 16-9-86 की मपराह्य से

एक वर्ष की श्रवधि के लिए श्रयवा पद के नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, पूर्ण श्रस्थायी तथा तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19012/1208/86-स्थापना--पांच विभागीय पर्वोक्रित समिति (समूह-ख) की सिफारिशों पर, ब्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ब्रायोग, श्री जी० लक्ष्मणा, कनिष्ठ ब्रिसयन्ता को केन्द्रीय जल ब्रायोग में ब्रितिरिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपए के वेतन-मान में 18-4-85 की पूर्वाह्म से ग्रन्य ब्रादेशों तक नियमित ब्राधार पर नियुक्त करते हैं।

(2) उपरोक्त श्रधिकारी केन्द्रीय जल श्रायोग में श्रति-रिक्त सहायक निवेशक/सहायक इंजीनियर के ग्रेड में उपरोक्त तारीख से दो वर्ष की भवधि के लिए परिवीक्षा पर होंगे ।

> मुंशी राम सिंघल भवर सचिव (समन्वय) केन्द्रीय जल मायोन

## केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड

फरीदाबाद, दिनांक 7 जनवरी 1987

सं० 3-758/86-मु० जल भू० (स्था०)--श्री टी० एन० सौंधी किनष्ठ तकनीकी सहायक (रसायन) को दिनांक 29-10-86 (पूर्वाह्न) से ग्रगले ग्रादेश तक केन्द्रीय भूमिजल बोर्ड में सहायक रसायनं के पद पर जी० सी० एस० समूह ख (राजपन्नित) संशोधित वेतनमान रुपए 2000-60-2300-द० रो०-75-3200-100-3500 में ग्रस्थायी तौर पर नियुक्त किया जाता है उनका मुख्यालय उत्तर मध्य क्षेत्र भोपाल होगा ।

बी० पी० सी० सिन्हा मुख्य जलविज्ञानी एवं सदस्य

उद्योग मंत्रालय कम्पनी के कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 एवं श्रारः एनः कपूर एण्ड कम्पनी प्राः लिः के विषय में

. बम्बई, दिनांक जनवरी 1987

सं० 699/5028/560(5)—कस्पनी श्रधिनियम, 1956 की घारा 560 की उपधारा(5) के अनुसरण से एतदहारा सूचना की जाती है कि आर० एन० कपूर एण्ड कस्पनी प्रा० लिसिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विचटित हो गयी हैं।

> ह० म्रपठनीय/– कम्पनियों का सहायक रजिस्ट्रार, महाराष्ट्र, बम्बई

कस्पनी ग्रंधिनियम 1956 श्रीर केमिक्स दूरस एण्ड कैनिंग प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पाण्डिचेरी-11, दिनांक 9 जनवरी 1987

सं 0 149/560(3)/86 कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा(3) के अनुसरण में एसब्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर केमिक्स कृत्स एण्ड कीनिंग प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रति- कूल कारण दर्शित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा भौर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी ।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 श्रौर सेलव गणपति चिट फण्ड एण्ड फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

पाण्डिचेरी-11, दिनांक जनवरी 1987

सं 116/560(3)/86—कम्पनी श्रिधिनियम, 1956, की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतदद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर सेलव गणपित चिट फण्ड एण्ड फाइनान्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगी और उक्त कम्पनी विधटित कर दी जाएगी।

बी० कोटेश्वर राव कम्पनी रजिस्ट्रार, पाण्डिचेरी प्ररूप बाई. डी. एन. एस. -----

मायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के मधीन सुचना

#### कारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, पटना

पटना, विनांक 12 जनवरी 1987

निदेश सं० 3/1423/म्रर्जन/86-87--- झतः मुझे, दुर्गा प्रसाद

भायकार विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इत्तरे इसके प्रकार 'एकब विधिनियम' कहा थ्या हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थायर संस्पत्ति विश्वका उचित बाबार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

मौर जिसकी सं० थाना सं० 9 तोजी नं० 5769 खाता नं० 445, 446/410 प्लाट नं० 1780, 1781, 1782, 1775 बार्ड सं० 33 है तथा जो सिकल सं० 247 मौजा शिखपुरा, पटना में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्जित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय पटना में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 20 नई, 1986

की क्लॉक्ट् सम्पत्ति में उचित नाजार मृत्य से कम के व्यवधान इतिकास के लिए अन्यरित की नई हैं और मृत्रे यह निवनास करने का कारण है कि क्षान्त्रोंक्त संपरित का उचित बाबार मृत्य, अवले दस्यमान प्रतिकास थे, इंते दस्यमान प्रतिकत्त का नन्तह प्रतिकात से विधिक हैं बीर बन्तरक (जन्तरकों) और कन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एते अन्तरक में बिए स्व पाया भवा प्रतिकास निम्निकासित उन्देश्य से उचत अन्तरक निवित्त में बास्तविक कम से अभित नहीं किया नया है अन्तरक

- (क) अन्तरण वं हुई जिल्ली बाव को सावत उक्त वाध-नियंत्र की वधीन कर को के बन्तर्रक के सामित्य के कमी करने या उत्तर्ध कमन में मुणिया के चित् बीप/भा
- (क) एसी किसी बाव वा किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय वायकर जिधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा वी सिम्प,

बत: बब, उक्त बिधिनियम की धारा 269-व क बन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) के अधीन, निस्निविश्वत व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) मो॰ यूनुस वत्व स्व॰ जनाब मो॰ यूनुस साहेब निवासी ग्राम सिकराहता, थाना तराडी परगना पीरू डाकखाना सिकरहटा कला जिला भोजप्रुर, वर्तमान पता पूर्वी दीवाकर पथ (बौरीग कनाल रोड, थाना बुद्धा कालोनी, पटना ।

(भ्रन्तरक)

(2) दी टाटा भ्रायरन एण्ड स्टील कम्पनी लिमिटेड जमशेदपुर।

(प्रन्तरिती)

की नह सूचना चारी करके पूर्वीवत सम्पत्ति में वर्षन के किए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्तर सम्पत्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोड़ों भी ज़ाक्षेत्र :---

- (क) इस मूचना के राजपन में प्रकारन की रारीच से 4.5 दिन की अविभ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कुशारा;
- (क) इस सूचना के रावपण में प्रकाशन की तार्धिक वें 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्थित में हित-बब्ध किसी अन्य अधिकत बुवारा अधीहरताक्षरी के पास सिवित कें किए वा सकीने।

ल्क्डोकरण:--इतमें प्रयुक्त सन्तों और पदी का, आहे हक्छ विधित्यमं, के स्थाय 20-क में परिशायिक हीं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिवा गया है।

#### धनुसूची

सम्पूर्ण अमीन जो मौजा मेखपुर, थाना मास्त्रीनगर पटना में स्थित है, जिसकी रक्बा 7105 वर्ग फीट है जो पूर्ण रूप से वसिका सं० 3673 दिनांक 20-5-86, में बर्जित है एवं जिसका निबंधन जिला धवर निबंध पदाधिन कारी पटना के द्वारा सम्पन्न हुमा है।

> दुर्गा प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, पटनां

तारीख :12-1-1987

## प्रस्प बाई.टी.एन.एस------

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अभीन स्भाग

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजॅन रेंज-1, मद्रास

मद्रास, विनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० 2/मई 1986—श्रतः मुझे, आर० जानकीरमन,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्यात् 'उक्त अधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्योत्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुट से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० डोर सं० 102 है तथा जो कोटल मर्चेंट स्ट्रीट मद्रास-1 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ती ग्राधिकारी के कार्यीलय मद्रास (उत्तर) दस्तावेज सं० 1670/86 में रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 15 सई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के खिलत बाकार मूक्य से कम के स्वस्थान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का जिलत बाजार मूक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (जन्तरकों) बार बंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित उद्बद्धि से उक्त अंतरण निवित्त में नास्तीवक रूप से कथित नहीं किया गवा है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, सायकर अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दायित्व में कमी अरने या उससे वजने में सृविधा के लिए; और/या
- (ण) ऐसी किसी बाय वा किसी धून या बग्न आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था खिनाने में स्विधा वे जिस्हा;

सतः तथ, उक्त वीधीनयम की धारा 269-स के कन्सरण जी, वी, उक्त विधीनयम की धारा 269-स की अपधारा (1) की नधीन, निम्निसिवित व्यक्तियों, नधीत्:--- (1) श्री कें शकुल हमीव।

(प्रन्तरक)

(2) मैं० जेई टेक्स० स्नुन्गि कम्पनी ।

(ग्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्बन्धि के कर्चन के संबंध में कोई भी वाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजवन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की बनीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तस्वीस से 30 दिव की अवधि, को भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियाँ में से किसी व्यक्ति हुए।
- (स) इस स्वता के राजपत्र में प्रकाशन की तारीय से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दित-ववृध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विविक्त में किए जा सकोंने।

स्पड

#### धगुलकी

भूमि भीर मकान नं०---डोर सं० 102, कोटल मर्चेंट स्ट्रीट, मण्णांड, मद्वास-600001 । क्स्तावेज सं० 1670/86)

> भार० जानकीरमन सक्षमं प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-1 महास

कारीख : 9-1-1987

प्ररूप'आह". टी. एन. एस'.-----

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, बेंगलूर

बेंगलूर, दिनांक 12 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० घार०~62/50116/86~87—म्नतः सुमे, भार० भारद्वाज

अग्रेकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा ?69-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित जाजार मृत्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं भौर जिसकी संं है तथा जो श्रृष्टावरिवले मंगलूर सिटी में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय मंगलूर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख

18 अप्रैल 1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रियमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, इसके ख्रियमान प्रतिफल से, एसे ख्रियमान प्रतिफल का
पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
प्रास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अंध, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- (1) 1 श्री यू० रंगनाथ किणी, प्लाट नं० 106, टाहसेमान चेम्बस, प्रेंडरघाट रोड सिकन्दरा-बाद-500003 ।
  - श्री यू० विट्टलिंगि, जी० एम०, टी० ए० एस० कम्पनी लिमिटेड, जमशेवपुरः।

- श्री यू० दामोदर किणी-2, पस्ता लेन कोलाबा, बस्बई-400005 ।
- श्री यू० रान्ताराम किणी, 2-बी, स्ट्रीट-17, सेक्टर-4, भीलें मध्य प्रदेण।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) श्रीमती जुबंदा मुनिर
  - (2) श्रीमती बि. मुमताज और
  - (3) श्रीमती बि. आरिणा बान्, एस. एल. मेनियास रोड, मंगलूर-575001

(श्रम्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक में 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रय्वत शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-कः में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनसची

(दस्तावेज सं० 98 तारीख 18-4-1986 ) बह प्रचल संपत्ति को खेती बाडी की तहीं है और

वह श्रचल संपत्ति, जो खेती बाड़ी की नहीं है, श्रौर मंगलूर शहर उपमंडल में मंगलूर शहर कान्प्रेशन के मिले गिरीज वार्ड की श्रटावर गांव (मंगलूर तालुका) श्रौर जो है :---

भार० एस० नं० टी० एस० नं० नाप टिप्पणी 214-बी-1 57-बी-1 ए०-सी० 0-01 पूरा एस० डी० नं०

215-वी-1 58-ए-1 0-22 पूरा एस० डी०नं०

छूता हुम्रा घौर जो, एक ब्लाक है जिसमें घर इमारत है जिसकी दरवाजा नं 18-2-43 व 43म म्रौर जिसमें बाहर मकान, कुंमा, गाँच, पेड़ भौर जिसकी म्रौर सब म्रिधिकार व मंगलूर के मिध्कार है।

> ग्रार० भारद्वाज सक्षम प्राधिकारी सहाषक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, बेंगलूर

ता**रीख** : 12—1—1987

मो हर:

3-446GI/86

प्रकृष बाही, ही, एस. एस. \*\*\*\*\*\*

## व्ययक्तर विधिनियम 1961 (1961 का 43) की भारा 269-प् (1) के वधीन व्ययन

#### पार्थ रहकार

कार्यातव, बहाबक बायकर बायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, बेंगलूर

बॅगलूर, विनांक 12 जनवरी 1987

निदेश सं० सी० भार० 62/50118/86-87--- अतः म्हो, भार० भारद्वाज

बायकर बांधनिक्य, 1961 (1961 का 43) (विषये इंबर्ध इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भीर जिसकी सं० 91 है तथा जो कस्बा बाजारिविलेज में मंगलूर सिटी में स्थित है (घौर इससे उपाबद मनुसूची भौरपूर्ण रूप वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता घिषकारी के कार्यालय मंगलूर में रजिस्ट्रीण घिषिनियक्स 1908 (1908 का 16) के मधीन तारीख 22 घर्षल 1986

को पर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए बंसरित की गई है और मृक्षे यह विद्यास करने का कारण है कि स्थायर गम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का नंग्रह प्रतिज्ञत से अधिक है और जंतरक (अंतरकों) और (जन्तरिशिक्ष) के बीच एंडे बन्तरच के लिए तय वाबा मया प्रतिफास, निम्निलिखित उद्योग से उच्त अस्तरण सिकित अस्त्रिक कुए से करिशन नहीं किया बना है:---

- (क) जन्तरण तं हुई किली बाय की बाबत, उच्च नियम के अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व में कड़ी करने वा उससे वचने के सुविभा के निष् चड़ि/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन- कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम कौ भारा 269-ग के अनुसरण भौ, भौ, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन जिस्मीलिखन व्यक्तियाँ वर्षांत :---

- (1) 1. श्री उल्लाल वसन्त राष 116, ए० कै० स्वामीनगर, किलपाक मन्नास-600010
  - 2. श्री किशोर उल्लाल; राणा प्रताम नगर, नागपुर-35 ।
  - श्री जतिन उल्लाल, 116, ए० के० स्वामी-नगर, किलपाक, महास-600010

(म-तरक)

- (2) 1. ब्लीकडीचा ची० थी० ए० होस्डर, जनावहैं ए० एम० मोहम्मद हाजी, मुहातोडी गांव, कासरगोडे सालुक, केरल स्टेट।
  - 2. श्री पी० ए० रामलाबी, श्रीरामपेट, कस्बा गांव, कासरगोड तालुक, केरल स्टेट। (भन्तरिती)

को यह सुचना चारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिए कार्यवाहियां सुक करता हुई।

#### जकत सम्पत्ति के बर्जन के संबंध में कोड़ भी बाक्षप :---

- (क) इस स्चनक के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 बिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्चना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंकत व्यक्तियों में किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्किक्य:---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पक्षों का, को उक्त कीधनियम के अध्याय 20-क में पीरभाषित है, वहीं कर्ष होया को उस अध्याय में विद्या पदा है।

#### धनुबुची

(दस्तावेज सं० 118 ता० 21-4-86)

वह चल संपत्ति जो खेतीबाड़ी की नहीं है भीर नं० 91, कस्बा बाजार गांव, मंगलूर तालका पट्टा नं० 1380 है भीर नं० 13 मार्किट वार्ड मंगलूर शहर कारप्रेशन मंगलूर शहर उप मंडल में है:—

स्वयां नं कर वार्ड नं क्लाक नं मि IV 11 प्रार एस व नं मिप सें कड़ सेंट 601/जें सी व 187-IC गार्ड न 0-20(या 8929

601/जे० सी० 187-IC गार्डन 0-20(या 8929 स्के०फीट)

इमारत साथ जिसकी मंगसूर शहर कारप्रेशन दरवाजा नं 13-4-543 व 13-4-545 किसमें मंजला इमारत है, बाहर मकान- कुंधा भौर उसके साथ सब भ्रिकारी व ममूल के भ्रिधिकार ग्रादि।

> भार० भारद्वाक सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बेंगलूर

तारीष : 12-1-1987

#### शक्य बाह्य हो . एवं . एक

श्राधकर जीधीनयम, 1961 (1961 **सा 43) की** भारा 269-च (1) **में सभीन शृंचक** भारत संरक्षार

कार्यांक्य, सहायक वायकर नावृक्त (निर्दाक्षण) प्रजैन रेंज-7, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 2 जनवरी, 1987

निदेश सं० के०-9/86-87-अतः मुझे एथ० आर॰ वास

ग्रिकर जिथितियम 1961 (1961 का 43) (जिले इसमें
सके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कह्य गया हैं), की धाय
69-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
ग्रिक हैं कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका जीवर्ष बाचार न्या
,00,000/- रहः से अधिक हैं
और जिसकी सं० 7/150-ए हैं तथा जो स्वरूप नगर
कानपुर में स्थित हैं (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित हैं) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी कार्यालम
कानपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 12 मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उणित बाणार मून्य से कम के क्रममान प्रतिफंल के लिए अंतरित की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उणित बाणार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उणित बाणार मून्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का उण्डेत विश्वास का विश्वास के विश्वास से विश्वास की सिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उत्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्त-पिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त औध-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन या क्या बास्तियों की, विन्हें भारतीय बायकर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) या उन्त निधिनयन, या धन-कर विधिनयम, या धन-कर विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया वाना वाहिए था, कियाने वे वृत्तिका में लिए;

सत. बव, उक्त विकित्यन की भारा 269-न की, क्र्यूबर्थ थें, थें, उक्त विभिन्नन की भारा 269-व की उपभारा (1) के नभीन, निम्नलिकित व्यक्तियों, जर्यात् ३── (1) श्रीमती जितिन्द्र कौर पत्नी श्री सुरजीत सिह तथा भन्य 120/809 रजजीत नगर कानपुर।

(ग्रन्तरक)

(2) मै॰ शिवा बिल्डसं साधना बिल्डसं
7/188 स्वरूप नगर कानपुर द्वारा श्रीमती
रीना संतवानी पत्नी श्री मनोहर लाल ससवानी
निवासी 7/188 स्वरूप नगर कानपुर
सवा श्रन्य।

(घन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

### उन्ह सम्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह—

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारींच वें 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानीन से 30 दिन की नविध, वो जी व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सपत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधेहस्ताक्षरी के पास निस्ति में किए सा सकेंगे।

स्वाधिकरणः — इसमें प्रवृक्त कर्मा और पदी का, को उन्तर वीधिनियम के वश्वाय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं वर्ष होना को उस अध्याय में दिवा गया है।

## अनुसूची

मकान नं० 7/158 ए स्वरूप नगर कानपुर तथा क्षेत्र पोरशन 7/158 स्वरूप नगर कानपुर ।

एक० धार० दात सक्षम प्राधिकारी सहायक मायकर मायक्त (निरिक्षण) श्रुजैन रेंज, कानपुर

**बारीच** : 2-1-1988

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

आसकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायंक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज कामपुर

कानपुर, दिनांक 2 जनवरी 1997

निवेश सं० एम० डी० 22/86~87——ग्रतः मुझे, ए**च**० ग्रार**्वा**स,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षमं प्राधिकारी को यह विश्वास करने भूत कारण है कि स्थावर सम्मित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० 65 राजपुर रोड़ है तथा जो देहरादून में स्थित है (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय देहरादून में रिजस्ट्री-करण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2 मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उिचत बाजार मूल्यं से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्यं, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे स्वयमान प्रतिफल क पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिर्त (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाटा गय। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित वास्तिषक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्ह भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री हरीकिशन कौल कीलम व भ्रवतार क्रुंडण कौल कीलम पुत्र गण श्री तिलोकी नाथ कौल कीलम निवासी शिवपुरा राम मुंशी वाग श्री नगर (कश्मीर)।

(ग्रन्तरक)

- (2) श्री कृष्ण कुमार ग्रग्नवाल पुन्न श्री रनजीत सिंह नि० 24 नेशविला रोड़ वेहरादून कर्ता संयुक्त परिचार पत्नी श्री मती राज कुमारी मि० ग्ररूण कुमार (पुन्न) मि० हेमेन्द्र कुमार ग्रग्नवाल (पुन्न)वर्तमान नि० 65/14 राजपुर रोड़ वेहरादून ।
- (3) सर्दव

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) (वह व्यक्ति जिसके बारे के

(4) (वह व्यक्ति जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हिसबढ़ है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजेपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकेंगे।

स्थाक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

### अनुसूची

संपत्ति सं० 65 राजपुर रोड धेहरादून वर्तमान नि० 65/14 राजपुर रोड वेहरादून ।

एच० भार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज कानपुर

तारीख: 2-1-1987

## ः अक्षमः आर्थः वी . एन : एकः. ----- ः

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### े मारत संद्रव्याप

भार्याजय , - सञ्चासक - भायकर : मार्युक्तः (निद्येकाण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 2 जनवरी 1987

निर्देश सं॰ एमडी॰ 24/86-87--धतः मुझे, एच० मार० वास

बायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (धिक्य इसमें इक्क पश्चात् 'उक्त अभिनियम' कहा गया है, की धारा 269-च के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

और जिसकी सं० है तथा जो गांव भ्रम्बारी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्सा श्रधकारी के भ्रायांलय देहरादून में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्राधीन तारीख 26-6-86

को पूर्वोक्त सम्मित्त के उचित बाबार मृज्य से कन के स्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुख्ये यह विषवास करने धरन का आरण है कि यथापृषाँक्त संपत्ति का उचित बाबार मृज्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का वन्त्रह प्रतिशत सं अधिक है और अंतरक (बंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तथ पावा गवा प्रति-क स निम्नसिवित उद्श्वेय से उच्ह अंतरण विचित्त में बाक्सविक प्य स अधिक मही जिल्हा क्या है ॥---

- (क्ट) जन्तरभ सं कृष्ट किसी जाय की वास्ता, सकत विविध्य में अभीत कर दोने के जन्तरक ने दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आध या किसी अन या अन्य आस्तियों की, जिन्ही भारतीय बाब-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का27) के प्रयोधनार्थ अंतरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, स्थिपने में सविधा के किए;

्क्षतः विश्व , उस्त अधिनियम कौ धारा 269-न वै अयुस्रण मों, मों, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निस्निलि**वित अधिन्तरों**. अधीन किल्ली (1) भी घहमद सईद कान श्री मसूद श्रहमद खान श्री मकबूल श्रमहद खान श्री महबूब श्रहमद खान सभी पुन्न गण श्री श्रबदुल रसीद खान नि॰ गांव श्रम्बारी पचवा देहरादून।

THEFT INTER

(भ्रन्तरक)

(2) मेसर्स जयप्रकाश एसोसिएटस प्रा० लि० मे० जयप्रकाश एसोसिएटस कान्स्ट्रैकशन लि० दोनों स्थित नं 63 बंसत लोक कम्युनिटी सेम्टर बंसत बिहार नई विल्ली।

(मन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्णन के संबंध में कोई भी बाक्षण :----

- (क) इस स्थान के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की बाबि ना तत्सन्वन्धी अविश्वामी एक स्चाना की तामील से 30 बिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में वे किसी क्यक्ति ब्यारा,
- (भ) इस ब्याना जै रायपूत्र में श्रकायन की शारीस अ 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पन्ति में हिनजंद-किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अभिनित्रम दे अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा, जो उस सम्बाद में दिना पदा ही।

#### बन्स्ची

खेतीहर भूमि 18-20 एकंड गांव झम्बारी पचवा वेष्ट्रराष्ट्रन ।

> एच० भार० दास सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरिक्षण) भजेंन रेंज कानपुर

तारीख: 2-1-87

प्रकृषे कार्यः, दीः एनः, एकः एकः

नायजर नीधीनयम, 1961 (1961 का 43) जी धारा 269-म (1) के नधीन सुचना

भारत सरकार

कार्याचय, त्रहायक भायकार मायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज, लुधियाना

सुधियाना, दिनां क 9 जनवरी 1987

निदेश सं० डेराबस्ती/1/86-87--श्रतः मुझे एम० एन० ए० घोधरी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उकत विधिनियम' कहा नया हैं), की भारा 269-च के बधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारन हैं कारण हैं कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी सं० भूमि 30 विघा 11 बिसवा है तथा जो गांव दयालपुरा सोढिया तथा गांवशाला (तहसील राजपुरा) फैक्टरी बिल्डिंग सहित में स्थित हैं (और इससे उपाबद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं ) रिजस्ट्रीकर्ता रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय डेरा बस्ती जिला पटियाला में रिजस्ट्री हरण अधिनियम 1908 1908 का 16) के अधीन तारीख मई 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उषित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास कर कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उषित बाजार मूल्य, उसके क्श्यमान प्रतिकल से, एसे क्श्यमान प्रतिकल का पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (बन्तरकार) और अन्तरिती (अन्तरितियार) के बीच एते अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्निलियत उद्देष्य से उक्त बन्तरण बिविक में बाल्यिक रूप से कियान नहीं किया गया है क

- (क) बन्तरण, वे सुद्दै किन्दी बाव की बावत, उक्त विभिन्नियम के जभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसके वक्ते में सुविभा के सिए; जॉर/या
- (क) एसे किसी आय या किसी भन या अस्य आस्तिकां कां, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, १९३३ (1922 का 11) या जक्त आधिनियम, या भन-कर अधिनियम, १९५७ (1957 का ३३० के प्रयोजनार्थ अंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया का वा किया जाना चाहिए था, जिपाने में सुविधा वी किया

कतः जयः, उत्तरं विधिनयमं की धारा 269-य वै जनुसरण तो, तो, उत्तरं विधिनियमं की धारा 269-य की उपधारा (1) के अभीतः, निम्नसिधितं व्यक्तियों, अधीत् ह— (1) प्राईम पेपर बोर्ड मिल प्राईवेट लिमिटेड, रिजस्टर्ड प्राफिस गांव मुगिया डाक खाना दयासपुरा सोढिया तहसील राजपुरा द्वारा मंनेजिंग डायरेक्टर श्रीमती अंजना धर्मा पटिन श्री दयाकृष्ण शर्मा तथा जोग्नाईट मैनेजिंग डायरेक्टर श्री दयाकृष्ण शर्मा दोनों निवासी मकान नं० 337 सैक्टर 21 ए वंडीगढ।

(ग्रन्तरक)

(2) भचान पल्प एण्ड पेपर इडस्ट्रीज प्रायवेट लिमिटेड संगरुर द्वारा ग्रिधकृत डायरेक्टर श्री वी० पी० मद्यान पुत्रश्री ओ० पी० मद्यान निवासी रेलवे रोड संगहर ।

(भ्रन्तरिती)

को नह स्वना नारी करके प्रॉक्त सम्मत्ति के नर्वन व लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

स्वत राज्यति के वर्षन के राज्यत्थ में कोई थी कार्या है—

- (क) इस स्वता के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 4.4 बिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वत की तासील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी जबिक बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त व्यक्तिके में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारील सं 4 के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अधोहस्ताक्षरी के पार निवित्त में कि हो वा सकीने।

स्वकाकरणः — इतमें प्रयुक्त सन्यों और पदों का, वो उत्तर अधिनयम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विदा नया है।

#### अनुसूची

भूमि 30 विघा 11 निसवा फैक्टरी निल्डिंग सिह्त जो कि गांव दयालपूर सीडिया में स्थित तथा गांव शत (तहसील राजपुरा ) जिला पटियाला में स्थित है (ग्रायात वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी डेरा बस्ती के विलेख संख्या 293 माह मई 1986 के तहत दर्ज है)

> एम० एन ए० **व**ीक्ष**री** सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

विशांक : 911--87

## प्रकृष आहें हो तुन एवं ...----

श्रायकर श्रीभनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के श्रीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधिमाना लुधियाना, दिनांक 9 जनवरी 1987

सं० क्षेरा बस्सी/2/86-87—श्रतः मुझे, एम० एन० ए० भौधरी,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सब्दे पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यहविष्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या भूमि 10 विद्या 17 बिसवा है तथा जो गांव दयालपुरा सोढ़ीया, तहसील राजपुरा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधिकारी के कार्यालय डेरा बस्सी जिला पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रिधीन, तारीख मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित वाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफास के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफाल से, एसे दश्यमान प्रतिफाल के पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफाल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तियक रूप में किथत नहीं किया गया है:---

- (क) जन्तरण से हुई किसी शाय की बाबता, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के जन्सरक के इक्टिंग में कभी करने या उससे अधन ए उड़िंग के लिए; और/या
- क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धरकर अधिनियम, या धरकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया एया था या किया जाना चाहिए था. छिपाने में सचिका की सिए;

नतः वयः, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरणः में, भें, उन्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिनित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री ज्ञान चन्द जोशी
पुत श्री भगवान दास जोशी,
 (2) श्री दीपक जोशी पुत श्री भीम सिंह जोशी,
हिस्सेदार मैसर्ज सीमेंट फैनरिक (इण्डिया),
विका श्राफिस बी-188,इण्डिस्ट्रियल एरिया,
चण्डीगढ़।

(अन्तरक)

 मधान पल्प एण्ड पेपर इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, संगरूर द्वारा इसके प्रधिकृत डायरेक्टर श्री बी० पी० मधान पुत्र श्री श्रो० पी० मधान, निवासी झोम निवास, रेलवे रोड, संगरूर।

(श्रन्तरिती)

कार्यवाहियां शरूक करता हुं।

उक्त संपत्ति के कर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति :
- (क) इस त्थाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीका ते 45 दिन के भीतर उक्स स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्थब्दीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों जौर पदों का, जो उक्क जिथिनियम, के बध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

#### अनुसूची

भूमि 10 विघा 17 बिसवा जो कि गांव दयालपुरा सोढ़ीया तहसील राजपुरा जिला पटियाला में स्थित हैं (ग्रर्थात् वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी, डेरा बस्सी के विलेख संख्या 294 माह मई, 1986 के तहत दर्ज़ है)।

> एम० एन० ए० चौधरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजैन रेंज, लुधियामा

तारीख: 9-1-1987।

म्मोहर ;

प्ररूप बार्च .टी .एन .एस . . . . . . . . . .

बावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269 म (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० चण्डी/10/87-87---श्रत: मुझे, एम० एन० ए० चौधरी,

बावकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसने इंडको परवात् 'अन्त् नीधनियम' कहा नया ही, की भारा 269 च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विद्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उषित बाजाए मुक्ब 1,00,000 ∕- रु. से अधिक **ह**ै

भौर जिसकी संख्या ग्रनेक्सि नं० 1010 है तथा जो प्लाट संख्या 5 डी, सैक्टर 27 बी चण्डीगढ़ पर बना है में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जून, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उपित् वाबार मून्य से कम् के व्यवस्थ प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यंवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उाचित वाबार ब्रूब्य, उबके अथवान प्रतिकत से, एसे अथयान प्रतिकत् का पम्ब्रह प्रतिस्रत से अभिक है और अंवरक (अंतरकारें) और अब-रिती (अन्तरितियों) के बीच एंसे बंतरण के लिए तय पाया गवा प्रतिफल निम्नलिखित उद्दोश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कॅथित नहीं किया गया हैं:---

- (क) बुरार्क वे हुई कियी बाव की बावत, उसर बाधिनियम के बधीन कर दोने के बंधरक दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के फिए; और/या
- (क्र) ए'री किरो नाव या किसी भन या जन्य जास्तियों करे, जिन्ही भारतीय बावकर मीधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त विधिनियम, या पन-कार व्यक्तियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया नमाधादाकियाचानाचाहिए था., विश्वाने में न्षिया वे मिए;

इस्त: इन्द, उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अनसरण , मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-व की उपभाष (1) के विभोत, निक्तिसि**चित व्यक्तियों, वर्षोद** है—-

1 (1) श्री ग्रानन्द स्वरूप तरेहन पुन्न श्री हर बिलास,

and the constraint of the second of the seco

- (2) श्रीमती सुदेण रानी पत्नी श्री झानन्द स्वरूप
- (3) श्री श्ररूण तरेहन पुत्र श्री श्रानन्द स्वरूप द्वारा उनकी जनरल घटानी श्री श्रानन्द स्वरूप तरेहन
- (4) श्रीमती मधू तरेहन परनी श्री ग्रामोक तरेहन,
- (5) मिस शीवानी (नाबालिंग),
- (6) मास्टर करण (नाबालिंग), पुक्री/पुक्ष श्री ग्रागोक तरेहन द्वारा उनकी माता तथा नेचूरल गाडियन श्रीमती मधू तरेहन सभी निवासी मकान नं 510 सैक्टर 8 ही चण्डीगढ़।

(म्रन्तरक)

2. श्री महेन्द्र पाल सिंह पुत्र श्री इन्द्र सिंह निवासी मकान नं० 1054 सैक्टर 27 बी, चण्डीगढ ।

(ध्रन्तरिती)

को यह सूचना पारी करके पूर्विक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्वता के रावपण में प्रकाशन की तारीय सं 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर ब्चनाकी तामील से 30 दिन की वर्षाय, जो भी ब्रुविध बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इत स्वना के रावपन में प्रकाशन की तारीब से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवव्ध कियी जन्म स्पनित बुवारा, जभोहस्ताक्षरी के पाद निवित्त के किये वा बकेंचे।

स्पेक्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हुँ, वही वर्ष होगा, यो उस वृथ्याय में विधा चना 💕 😉

द्मनैक्सि नं० 1010 जो कि प्लाट संख्या 5 जी, सैक्टर 27 बी चण्डीगढ़ पर स्थित है (भ्रयति वह जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ला प्रधिकारी चण्डीगढ़ के निलेख संख्या 461 माह जून 1986 के तहत दर्ज है)।

> एम० एन० ए० चौधरी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), मर्जन रज, लुधियाना

तारीख: 9-1-1987

मोत्रर :

प्रारूप जार्च की एवं एक व अवस्थान व्यवस्था

आयकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) को अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर जायूक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 9 जनवरी 1987

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/ईई/37 एरर/5-86/3058/एक्यू 1--म्रतः मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वेशत, 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के नभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या — है तथा जो फ्लैट नं० 107, सिद्धार्था 96, नेहरू फ्लेम में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से निणत है), सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रधि-नियम, 1961 के श्रधीन तारीख मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिष्क्षल को लिए अन्तरित की गई और मूझो यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से एसे दरयमान प्रतिफल का धन्द्रह प्रतिवात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और जन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय धाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण मिश्विस में वास्तिबक रूप में कथिस नहीं कथा गया है द

- (क) बन्तरम से हुई किसी बाय की बायत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य के कभी करने या उससे वचने में सुनिधा के लिए; और/बा
- (क) एसी किसी आय या किसी भन वा अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, का भन-कर अधिनियम, किया 1957 (1957 का 27) के प्रशासनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा सा किया बाना भाहिए था, खिपान में मुनिधा की लिए:

अतः शव, उक्त अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरक में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिकों. अर्थात् :--4—446GI/86

श्री प्राप्त एनक साहनी,
 श्रोमती शांति साहनी,
 मंजीव साहनी,
 डी--9, कालिन्दी कालोनी,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स रमेण चन्द्र कपूर श्रीर सन्स एच० मू० एफ० मैसर्स हरि कपूर श्रीर सन्स एच० यू० एफ० डब्ल्यू-59, गैंटर कैलाण-1, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती).

को वह सूचना बारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के जिए कार्यस्माहियां भूक करता श्र्मा

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी बाक्रेप ध---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में त्रकाशन की तारीख वें 45 दिन की जनभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो जी अवधि बाद में समाप्त होती हों, के भीतर पूर्वोंक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बहुभ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वोगे।

स्पटिकरण:---इसमें प्रयुक्त खन्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभावित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वन्स्चा

फ्लैट नं 107, सिद्धार्थ, 96 नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली। तादादी 554 वर्ग फीट। प्रथम खण्ड स्थिर।

> एस० सी० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज**, दि**ल्ली,

नारीख: 9-1-1987

## प्रकल कार्यः ही . एव . एस . ------

## नाशकर कथिनियम, 1961 (1961 का 43) की पाडा भारा 269-म (1) में वर्षीन बुजरा

#### THE RESERVE

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण, ग्रर्जन-रेंज, 1 दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 अनवरी 1986

निदेश[सं श्राई ० ए० सी ० / एक्यू / 1 / 5 - 86 / 37 ईई / 3086 -- म्रत: मुझे, एस० सी० गुप्ता,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भाग 269 स के नभीन समग्र प्राधिकारों को यह विस्थाद करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधिक वाजार नृष्य 1,00,000/- रह से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी संख्या — है तथा जो फ्लैट नं० 133 देविका टावर, 6, नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के ग्रिधीन, तारीख मई, 1986

को पूर्वोक्त संपत्ति के खीनत बाजार मून्य से कम के व्यवधान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्के वह विश्वास करने का कारण है कि यजापूर्वोक्त सम्पत्ति का जीवत बाजार मून्य, उसके दश्यमान प्रतिफल थे, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के जिए सथ बाया गया प्रतिफल, जिल्लाकित उद्देशका से जन्म अन्तर्क लिखत में वास्तविक कप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण वं हुई कियों नाय की वायब, धनक निर्मित्रम ने स्थीय कुत को नी संशासक के वास्तित वं कारी करने वा क्यमें स्थापन के स्थिता के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, चिन्हें भारतीय बाद-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अन्त अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ बन्तरिती ब्वारा प्रकट मुद्दी किया नवा धा वा किया वाला चाहिए वा, कियाने में व्यक्तिया के लिए;

मतः कवः उक्त अभिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अभिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1) के अभीन, निम्मणिखित व्यक्तियों, अभीत्ः—

- मैसर्स प्रगति कंस्ट्रक्शन कम्पनी देविका टावॅर, चौथा खण्ड, गीतला हाउस, 73-74, नेहरू पलेस, नई दिल्ली। (श्रन्तरक)
- 2. श्री मतीण कुमार गुप्ता, एफ०-10, ईस्ट श्राफ कैलाण, नई दिल्ली।

(भ्रम्तरिती)

को यह मुजना जारी करके पूर्विक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हुं।

## जनत इंपरित के नर्पन के बंपंप में कोई ही नामीप ह---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की हारीं से 45 दिन की बन्धि वा तत्संबंधी व्यक्तियों नर सूचना की तामील से 30 दिन की बन्धि, थो भी वन्धि वाद में सनाया होती हो, के भीतर पूर्वों का व्यक्तियों में वे किसी व्यक्ति वृंबाहा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक के 45 दिन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकड़ी के पास निस्ति में किए जा मकोंगे।

स्यक्तीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दी और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभावित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिवा गया हैं।

## मनुसूची

फ्लैट न्ं० 133, देविका टावर, 5 नेहरू प्लेस, नई दिल्ली क्षेत्र 628 वर्ग फीट।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम श्रधिकारी. सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

सारीच: 6-1-1987

प्ररूप आई. टी. एनं. एस ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली-110002, दिनांक 8 जनवरी, 1987

सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/1/37 ईई/5-86/3119---ग्रतः मुझे, श्री एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो भण्डारी हाउस, 91, नेहरू पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपा- बद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से अणित है), कार्यालय श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्राायकर श्रिधिनियम, के श्रधीन, तारीख मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नतिशित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिकित वास्तिक हए से कथित नहीं तिकया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आयं की बाबत, उक्त अभिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों कर्ते, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वाग प्रकट नहीं किया गया था यां किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अत: अर्घ, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीन्:---

 श्री इटनेर क्राफ्ट लिमिटेड, ए-16, नारायना श्रीद्योगिक क्षेत्र, फेस-2, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 मिसर्स वीना एस० जैन, 4798/23, दरिया गंज, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबस्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा सेकोंगे।

स्पष्टोकरण :----दसमें प्रयुक्त शब्दों और पदां का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

#### सन्सूची

बेसमेंट नं. 4, बैसमेंट फ्लोर. तादादी 670 वर्ग फीट, भण्डारी हाजसभ्र 91, नेहहु फ्लेस, नई दिल्ली।

> एस० सी० गुप्ता, मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-1, दिल्ली

तारीखा: 13-1-1987 ...

प्ररूप आई.टी.एन.एस्.-----

बाधकर विधिनियम : 1961 (1961 का 43) की भारत १८० में (१) के अभीत स्वना

#### मध्यम् करकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्स (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी, 1987

सं० प्राई० ए.० मी०/एक्यू ~1/5-86/ 3120—प्रतः मुझ, श्री एम० मी० गुप्ता,

बावकर विभिनित्तम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-क के बभीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति. जिसका स्थित वाचार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो भण्डारी हाउस, 91, नेहरू पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप ये वर्णित है), सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 के श्रिधीन तारीख मई, 1986।

को पूर्वोक्स सम्पत्ति को जिन्त नाकार मृत्य ने कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विद्यास करने का कारण है कि प्रधापनिक्ष संपत्ति का उणित आधार क्रम का कारण है कि प्रधापनिक्ष संपत्ति का उणित आधार क्रम जिन्न का प्रतिफल सं, एस अध्यमान प्रतिफल का क्रम प्रतिफल का जिन्न का स्माप्तिक प्रतिक्रम सं अधिक है और नंतरक (बंतरका) और नंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तब पाना गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित वास्तिक क्रम से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) नम्बहुम से हुई सिक्षी काम की बानव उनक अभिहित्यन के बचीन कर दोने में अन्तरक में अभिह्य में सुनी महाने वा उनके नमने में विनिधा के निष्; बोहर्रना
- (का) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हीं भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भड: इस, उक्त अधिनियम की भारा 269-4 के अनुरूरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अ अधीन मिन्निवित स्पक्तियों, अर्थाव के स्थान मैससं इन्टर काफ्ट लिनिटेड ,
 ए-16, नारायणा भौद्योगिक क्षेत्र, फेस-2,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरक)

मिस्टर सुभाष सी जैन,
 4798/23, दिरया गंज, भारत राम रोड,
 नई दिल्ली।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हो।

. उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन क तारीख से 45 विन की नविन या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितयद्वध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्थव्हीकरणः ---इसमें प्रय्क्त शब्दों और पदों का, जी उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

### <del>ष</del>्रमुस्

बेसमेंट नं० 2, बेस मेंट फ्लोर, तादादी 725 वर्ग फीट, भण्डारी हाउस, 91, नेहरू ब्लेस, नई दिल्ली।

> एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली

दिनांक: 8-1-1987

ر \_ \_\_ \_ مسور \_ <del>\_\_</del>\_ \_ \_

ाक्प आई.टी.एन.एस.-----

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## कार्यालय, सहायक बायकर बावुक्त (निर्देशक)

भ्रजीन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी, 1987

सं अप्रदि ए सी । एक्यू / 37ईई/एक्यू - 1/5-86/3142:--श्रत: मुझे, एस० सी । गुप्ता,

आयकर अधिनिषम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-स के बधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो फ्लैट नं० 404, नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में विज्त है), सहायक श्रायकर ग्रायकर श्रिक्तण), श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर ग्रिक्षिणमा, 2961 के अधीन तारीख मई, 1986

का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है जौर मुम्हें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तर्कों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिश्तित उद्देश्य से उक्त अंतरण सिचित में नाम्तिक रूप से किंशत नहीं किया गया है अन्तर

- (क) अंतरण से हुई कियी बाद की बाबत, जिथिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक को दावित्य में कमी करने या उसके महाने में सुविका के सिह; बॉर/या
- (च) एंसी किसी आय या किसी धन वा अन्य जास्तियों को, जिन्हें भारतीय जावकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, सा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गर्था गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विका के किया;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मंं, में, उक्त अधिनियम की की धारा 269-भ की उपधार (1) के अधीन,, निम्निसिस्त व्यक्तियां, अर्थात :---  मैंसर्स गुलमोहर एस्टेट प्रा० लिमि० 415, देविका टावरम,
 नेहरू पलेस, नई दिल्ली।

<u>ARGENTALE CONTRACTOR OF THE C</u>

(ग्रन्तरकः)

 मैसर्स इन्टरवेव फेसंस प्रा० लि० सी-63, हिमालय हाउस, नई दिल्ली।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्विक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शरू करता हुएं।

#### बक्त कम्पति के अर्थन के संबंध में कोई भी जाओंच :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुशरा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उपत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पद्धीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैंट नं० 404, 38, नेहरू फ्लेस, नई दिल्ली । क्षेत्र 360 वर्ग फीट।

> एस्० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर घायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेज-1,दिल्ल

दिनांक: 8-1-1987

प्राच्या काहरे. हो. एम्. एस.

# नावकर बीपनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) थे जभीर स्थान

#### मारक शहराटक

कार्यालय, सहायक बायकर वायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज-2, नई दिल्ली नई दिल्ली, दिनांक 8 जनवरी, 1987 सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू-1/37ईई/5-86/3143:— श्रत: मुझे, एस० सी० गुप्ता,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें श्रांके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा क्या हैं), की बादा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, विसका उचिछ याबार मृन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संख्या है तथा जो पलट नं 405, 38, नेहरू पलेस, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है), महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1961 के श्रधीन तारीख मई, 1986

को पूर्वोक्षत सम्पत्ति के उपित बाबार मृत्य से कम में द्रश्यमान प्रतिभल के सिए वन्तरित की गई हैं और मृश्वे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिभल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (बन्तरकों) भौर बन्तरिती (बन्तरिन्यों) के बीच एसे अन्तरण के लिए ता पाया गया प्रतिभल, निम्नलिखित वष्ट्रस्य से उपल बन्तरण निवित्त में बास्तिक रूप ने कड़ीवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उकत अधिनियम के अधीन कर दोने के बन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/या
- (ण) एसी किसी बाब या किसी वृत या अध्य वास्तिसें को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्तर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, या जनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरियी बुधारा प्रकट वृहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था िका में स्विषा के किए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिसित व्यक्तियों, अर्थात् :-- मैसर्स गुलमोहर एस्टेट प्रा० लिमि०
 415, देविका टाघरस, 6, नेहरू पलेस.,
 नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

 इन्टर वेब फैसन प्रा० लि० सी-63, हिमालय हाउप, नई दिल्ली-1100001।

(भ्रन्तरिती)

को बहु ब्याना बारी कारके प्राक्ति समित के अर्थन के बिक् कार्यवाहियां कारता हुई।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीच है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाप्त की तासील में 20 दिन की अवधि, जो भी काधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्णकर काल्तियों में संकिता क्यों क्स स्वाप्त
- (क) इस सूचना के राजधन में प्रकाशन की तारीय में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी कन्य स्थिति द्वारा अधोहन्ताक्षरी के पाव सिवित में किए था सकेंगे।

स्वयक्ति रणः - इ.स.म. प्रयुक्त कव्यो जीर पर्यो का, वा जनस् विधिनियस, कं कथ्याय 20-कं में परिभाजित ह्°, वृद्दी वर्थ होगा, को उस बध्याय में विभा नश्का ह°।

#### **ग्रन्**सूची

फ्लैंट नं 405, 38, नेहरू फ्लेय, **नई** दिल्ली क्षे**ल** 360 वर्ग फीट।

> एस० सी० गुप्ता, मक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण श्रर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 8-1-1987

प्रकल काही , टी. एन. एस. ------

बाधकर अधिजियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के जधीन मुख्या

#### भारत सरकार

## कार्याज्य, सहायक आवकार भाववस् (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 6 जनवरी, 1987

मं० प्राई० ए० सी०/एक्यू/2-86/37 ईई/3311:---श्रत: मुझे, एस० सी० गुप्ता,

भागकर मधिनियम, 1961 (,961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विक्वास करने का कारक हैं , का अधार पायित किया उचित वाजार शुक्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मंख्या है तथा जो सी०-9/6, बसन्त बिहार, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप में वर्णित है), के कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज 1 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 के ग्रेधीन तारीख मई, 1986

को पूर्वोवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के क्रयमान अपिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं कि युक्षापुर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके क्रयमान प्रतिफल से, ऐसे क्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया क्या प्रतिफल, निम्नसिवित उद्योग्य से उक्त अन्तरण निविव के बास्तिकल कम में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुन निक्ती साथ की बायवा, उपच बीचनिक्स के बंधीन कर वाने के बंदहरू की बाविस्क में कामी बारने का उनने क्लाने में स्वीवचा के निवा: बरि/शा
- (का) ऐसी किसी आय या किसी धन या अस्य जास्तियों कां, चिन्हीं भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (१९ ए का ११) ११ एका अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) की अधिक गंदा अंतरिकती, दशारा प्रधार अही किया गंदा था या किया जाता जाहिए घा, कियाने में सुविधा की किया

क्तः वस, उक्त विधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, विक्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् .—

1. श्री श्रार० के० गुप्ता, एक्स क्यूटर' निवामी 20 ईस्ट पार्क क्षेत्र, करोल वाग, नई दिल्ली।

(अन्तरक)

 श्री परमजीत सिंह सुपुत स्वर्गीय श्रजीत सिंह, निवासी-15/1, गुडगांव रोड, पो० श्रो० मारूति, हरियाणा।

(श्रन्तरिती)

का वह ब्या बारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्धन के निध् कार्यमाहियां सुक्ष करता है।

उन्द स्थाति के जर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र :----

- (क) दव त्वना के राजपण में प्रकाशन की तारीश सं
  45 विन की जगीभ या उत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
  ब्चना की तामील से 30 दिन की सर्वीभ, भो भी
  अवधि वाल में सजाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर
  व्यक्तिकों में से हिंक्सी व्यक्ति दुवाक;
- (थ) इस सुधना के राजपण में प्रकाशन को तारीं से 45 बिन के शीतर सकत स्थावर सम्पत्ति में हित-सूध किसी क्यूनित स्थारा. वधोहस्ताकरी के पास सिवित में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयानत शब्दों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के कश्याण २०-क में परिश्राधित ही, वहीं वर्ध होगा, की उन्हें कश्याय थीं विकास वाहीं।

#### अनुस्यी

सी०-9/6, बसन्त बिहार, क्षेत्र 420 वर्ग गज।

एस० सी० गुप्ता, सक्षम प्राधिकारी, महायक स्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), [श्रुर्जन रेंज-1, नई दिल्ली

दिनांक: 6-1-1986

मोहरः

प्ररूप आई. टी. एन, एस.—

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई विल्ली, दिनांक 12 जनवरी, 1987

सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/5-86/29:---श्रतः मुझे, श्रशोक कक्कडु,

अायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिकं हैं

स्रीर जिल्की संख्या है तथा जो पलैट नं० 509, 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुभूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), सहायक श्रायकर श्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज 2 नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर स्रिशिनयम, 1961 के स्रिधीन तारीख मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्पित के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्यमान प्रितिफल के लिए अन्तिरिती की गई है और मुफे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित का उचित बाजार मृत्य, उसके उदयमान प्रितिफल से एसे ख्यमान प्रितिफल के पन्द्रह प्रितिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से किथा नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के जन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/शा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए:

ातः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिंखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

रिवन्द्रा प्रापटोस प्रा० लिमिटेड
 तिलक मार्ग,
 र्विल्ली।

(अन्तरक)

श्री मनरेन्द्र सिंह नम्बला
सुपुत्र रणबीर सिंह नम्बला,
श्रीर मिसर्स प्रभजीत नम्बला
सुपुत्री एस० राम छाबड़ा,
83/42, पंजाबी बाग, नई दिल्ली-110035 ।
(श्रनरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वों कत संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त विक्तयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 विश्व के भीतर उक्त स्थावर संपर्तित में हितबद्दभ किसी अन्य व्यक्ति व्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:----इसमें प्रयूक्त शब्दों और पर्वों का, ओ उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया ही।

#### ग्रनुसूची

फ्लैट नं० 509, 2, तिलक मार्ग, ग्रुप हाउमिंग स्कीम, स्रीज होल्ड, 1500 वर्ग फीट।

> श्रशोक कक्कड़, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, नर्ष्ड बिल्ली

दिनांक: 12-1-1987

#### प्रकथ बाह् .डॉ. एन .एस . -----

बायकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-च (1) के अभीन सूचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी, 1987

सं० भ्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/5-86/30:— श्रत मुझे, श्रशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,09,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो फ्लैंट तं० 311, तिसरा खण्ड 2, तिलक मार्ग, में स्थित है (श्रीर इपसे उपा- बद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप में विणत है), श्रायकर श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्री- करण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख मई, 1988

को पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई हैं और मृभ्ते यह विद्वास करने का कारण है

कि यथा प्रविक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरिती (अंतरितियों) के भीय अंतरिती (अंतरितियों) के भीय ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण निष्तित में शस्तिवृक्ष रूप से कियत पही किया गया हैं:---

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी अरने या उससे अवले में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या फिसी धन या अन्य आस्तियों क्ये, जिस्टे भारतीय काश्वाहर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के जिए;

अतः अब, एक्स अभिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उकत अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— 1. श्री एयाम मनमोहन गुक्ला सुपुत्र पण्डित दान मोहन गोपाल गुक्ला श्रार०-3, ग्रैटर कैलाश-1, नई दिल्ली।

(भन्तरक)

2. गोल्डन फीर्सिरस लिमिटेड। बी-81, प्रथम खण्ड, डिफेंस कालोनी, नई दिल्ली-110024।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के जिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन की अविध या तत्संबंधीं व्यक्तियों पर सूचना की ताम्लि से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए या सकोंगे।

स्पट्टीकरण: ----ध्समें प्रयुक्त शब्दों और पत्नों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, दहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

#### अवस्थी

फ्लैट नं० 311, तीयरा खण्ड 2, तिलक मार्ग, नई दिल्ली 1 नादादी 1500 वर्ग फीट ग्रुप हाउसिंग काम्पलैक्स

> श्रणोक कक्कड़, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 12-1-1987

मोद्घर :

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-1,नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 अनवरी, 1987

सं० भाई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/5-86/31:--मतः मुझे, भशोक कक्कड,

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके परवात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

भौर जिसकी संख्या है तथा जो पलैंट नं० 608, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित) है आयकर श्रिधकारी के कार्यालय, ग्रजन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, ग्रायकर 1961 के श्रिधीन तारीख मई, 1986

को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के हश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्परित का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यभान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, रिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आयं की बाबत अक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सूविभा के सिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या किसी धन या अत्य आस्तियों को, जिन्ही भाररतीय अथ-कर अधिनियम, 1922 (1922) का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

वर्षत्र अब उक्त विधिनियम की धारा 269-व के बनुबरण में, में, उक्त विधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के विधीन: विश्वसिवित व्यक्तिकों, क्रवांत क्र--

- श्री राजेश मल्होत्ना, एण्ड राकेश मल्होत्ना, ग्रार० एम० मल्होत्ना, बी-3/2(जी० एफ०), बसन्त बिहार, नई दिल्ली-110057।
- (भ्रन्तरक)
- मिर्सस रगनी चौपड़ा
  पत्नी सुनील चौपड़ा,
  बी-3/2 (जी० एफ०) बसन्त बिहार,
  नई दिल्ली।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी काक्षेप :---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकर्गे।

स्पष्डीकरणः --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### मन सची

पलैट नं० 606 तादाद 1500 वर्ग फीट छटवा खण्ड भूप हाउसिंग काम्पलैक्स, 2 तिलक मार्ग, नई दिल्ली-1, लीज होल्ड ।

> भगोक कक्कड़, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण), भ्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 12-1-1987

प्ररूप आहें. टी., एत., एस.,------

#### भारत सरकार

## कार्यासय, सहायक भायकर नायुक्त (निर्दोक्त)

प्रजन रेंज-2, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी, 1987

सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37ईई/5-86/32:— मतः मुझे, म्रशोक कक्कड़,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवाद 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाबार मृश्य 1,00,000/- रा. से शाधिक है

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो जे-21,साउथ एक्स टेंगन पार्ट-1, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रिधकारी के कार्यालय, श्रर्जन रेंज-2, नई दिल्ली में भारतीय श्रायकर

मधिनियम, 1961 के प्रधीन तारीख मई, 1986 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के प्रथमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृष्य, अध्ये क्यांचान प्रतिपन है, एवं क्यांचान प्रविक्त का प्रवित्त की प्रवित्त की अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिका) और अंतरिका (अन्तरिका) के बीच एसे जंतरिका के वित्तर वित्तरिका विद्याल की वित्तरिका कि वित्तरिका की प्रवित्तर की प्रवित्तर की प्रवित्तर की कारण की वित्तरिका की प्रवित्तर की प्रवित्त की प्रवित्तर की प्रवित्तर की प्रवित्तर की

- (७) सक्षरण संहूर्य भिन्नी भागकी बानक, उत्तर, अर्थिनियम के अपीन कर दोने के जन्तरक के वार्थित्व में कभी करने वा जबसे वचने में सुनिया के किए; बाह्य का
- (क) ऐसी किसी नाथ या किसी धन या बन्य आस्तियों वन्त्र किसी बन्य 1957 (1957 का 27) के प्रशेषकार्थ बंदिती वृंदारा प्रकट नहीं किया की, विश्व शारतीय अस्कर वांचीन्त्रम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या वया या विश्व जावा वाहिए वा कियाने में स्वित्य में किए,

बत् भार, बच्च ब्रोधीनवम की धारा 269-न के अनुसरक को, मी. उक्त अधिवियम की धारा 269-व की जयभारा (1) को अधीन, निम्ननिक्षित व्यक्तिकों, अधार क  पण्डित हीरा लाल सुपुत बालक राम पू-4, भीन पार्क, एक्सटेंशन, नई दिल्ली।

(बन्सरक)

पाल एण्ड पाल बिल्डिरस लिमिटेड,
 र्गात विल्डिग, कनाट सर्केस,
 नई दिल्ली।

(मन्तरिती)

को यह स्वना कारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिल् कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त बुम्परित के वर्षन के ब्रम्बन्ध में कोई भी बाक्षेत्र ह—-

- (क) इस स्वारा के रावपत में प्रकाशन की तारीब है 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ स्वारा की तामील से 30 दिन की सर्वाप, सो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त स्यक्तियों में से फिसी व्यक्ति द्वारा:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्यक्ति में हित. बहुध किसी बन्य व्यक्ति ब्वार, अभोहस्ताक्षरी र पास विकास वें किस का बन्दें ।

स्पष्टिकरण :---इसमें प्रयुक्त शक्यों और पद्यों का, वो उक्त विश्वित नियम के अध्याय 20-क में परिभाष्ट्रित हैं। हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में द्रशा नया है ।

## जन्सूची

जे-21, राजिय एक्सटेंशन भाग-1, नई दिल्ली फी-होल्ड। शशोक कक्कड़, सक्षम श्रीधकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण), श्रजैन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनाक: 12-1-1987

प्रकृत जा**र**्य द्वी<sub>ले</sub> पुत्र<sub>ति पुत्र<sub>ति सन्त्रान्त्रवरण्य</sub></sub>

बायकह विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के व्यीत स्थान

#### बार्ड बरकार

## कार्यावय , सहायक जामकर जावृक्त (रिनरीक्षण)

मर्जन रेंज-2, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 जनवरी 1987 सं० श्राई० ए० सी०/एक्यू/2/37/जी/5-86/9:-- प्रत मुझे, ग्रागोक कक्कड,

आवकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें ग्रह्मात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य

1,00,000/- रः. से अधिक **ह**ै भौर जिसकी संख्या है तथा जो एल-16, एम० •ी० एस० ई−2, नई दिल्ली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है ) रजिस्द्रीकर्ता प्रधिकारी 🗸 के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्टीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1986 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के परयमान बिए अन्तिरत गद्द है की मभ्डे यह विष्यास करने का कारण कि यथा पूर्वेक्ति सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से, एसे क्यमान प्रतिफल के पन्प्रह प्रतिकात से अधिक है नौर नंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितियों) यो बीच एसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिसित **उद्दोर**य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथिए नहीं किया गया है:---

- (क) नन्तरम सं हुई किसी नाम को बाबत, उक्त बिश्वित्वम के अधीन कर पीते के संस्थाक की बाजिस्स को आको कार्य ता पात्रमें सामान को अधिका की को लिए जीर/धाः
- (य) इसी विश्वी बाब वा किसी वन वा तस्य बास्तिक। यो, विन्हें भारतीय बाबकर अभिनियम, 1922 (1922 को 11) या उन्त अधिनियम, का वन्ने प्रिक्तिक प्रिक्तिक (1927 को 27) में प्रकोषनीर्भ बंतरिती द्वारा प्रकाट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, ख्रिपाने में सुविष्ण वी किया

जतः जवः, उक्त जीधीनयमं की भारा 269~व को, अनुसरण कों, मीं, उक्त अधिनियमं की भारा 269-मं की उपभारा (1) दें अभीत, निम्नजितिक व्यक्तिकों, वर्षात् क्र~~  बाल किशन (एच० यू० एफ०), कक्ता बाल किशन सुपुत्र हरगोपाल निवासी—ई—56, ग्रैंटर कैलाश एंकलेंरोग, भाग-2, नई दिल्ली।

(म्रन्तरक)

2. मैसर्स एसैम्बलीय आफ रोड आफ नार्थ इण्डिया रिजस्टर्ड आगोक, 18, रोयल स्ट्रीट, कलकत्ता द्वारा डा० पी० सी० समयुल (अन्तरिती)

को मह सूचना जारी करके पृथीयत सम्यक्ति के अर्जन के ति कार्यवाहियां शरू करता हुं।

**उन्हार स्वयत्ति में नर्शन के सम्ब**न्ध में कोई' भी आक्षण :--

- (क) इस सुमना के राजपून में प्रकाशन की तारीथ । 45 दिन की जबींथ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों ए जूमना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति हो । व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वार;
- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 4 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबब् किसी अन्य व्यक्ति स्वाय अभोहस्ताक्षरी के या सिवित में किए का सकींगे।

स्पत्किरणः ----इसमां प्रयुक्त सन्तों जोर पद्धों का, जो उत्तर वीधनिवय, के अध्याय 20-क में परिभाषित् गया है।

#### मनुसूची

प्रापर्टी नं॰ एल-16, एन॰ डी॰ एस॰ ई॰-2, नई दिल्ली। तादावी 494 वर्ग गज फी होल्ड।

> श्रगोक कक्कड़, सक्षम श्रधिकरी सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण) श्रजेंन रेंज-2, नई दिल्ली

दिनांक: 12-1-1987

बक्क बार्च - ही , युव , एक . ----

## नावकर न्युचिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन नूपना

भारत सरकार

## कार्यातम्, सहायक वायकर नायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज∏, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1987

सं ए सी-67/म्रार-II/कल/86-87:- यतः मृक्षे, एस एन तिवारी,

कायकर सिधनियमं, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इसमें प्रकार प्रकार प्रकार क्षिनियमं कहा गया हैं), की भारा 269-व को अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाबार भूष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

स्रीर जिल्की संख्या 33 ए एवं 33 बी है, तथा जो राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता में स्थित है और इससे उपाबद्ध स्रनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप मे वर्णित है, )रजिस्ट्रीकत्ती स्रधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, स्राई० ए० II, स्रजन रेज—II, कलकत्ता में भारतीय र्जिस्ट्रीकरण स्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 14 मई, 1986

(1908 का 16) के अधान, ताराख 14 मर, 1986 को पूर्वीयत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दरममान प्रतिकत्त को जिए अन्तरिक्ष की नए अन्तरिक्ष की नए अन्तरिक्ष की निए अन्तरिक्ष की गई हैं और मुक्ते यह विश्वास अदने का आरण हैं कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दरममान प्रतिकत मं, ऐसे दन्यमान प्रतिकत की प्रत्यक हैं और अंतरिक (मंतरिकों) और जतरिती (अन्तरिकों) की बीच एसे अन्तर्थ को लिए तम पाया गया प्रतिकत निम्नलिखित उद्दोष्ट्य सी उदत्त अन्तर्थ लिखित मीं बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया हैं:——

- (क) नृत्तरण सं हुई निश्वी नाम की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिष्टु; जीड़/था
- (क) एसी किसी नाम या किसी भन या जन्म नास्तियों को जिन्हें भारतीय नामकर निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अभिनियम, 47 भन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिसी व्यारा प्रकट नहीं किया नवा का या किसा नाना लाहिए था, जियाने में सुविधा के लिए;

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मंं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) को अधीन, निम्नलिखित ब्यक्तियों, अर्थात् :---  श्रीमती भनुसूया चयाटार्जी, भनिता देवी,
 33 बी, राजा सन्तोष रोड, कलकसा।

(भन्तरक)

 शिवांस ग्रुप प्राइवेट लिमिटेड 1 मिकुरिया टेरास, कलकत्ता।

(मन्तरिती)

- (1) मैसर्स काउन स्टील को श्राइवेट लिमिटेड।
- (2) सत साई सामाज।
- (3) म्रालिपुर नागरिक समिति । (वह व्यक्ति, जिसके मिधिभोग में सम्पत्ति है)।

कार यह सूचना बारी करके पूर्वीनस तम्प्रीश के अर्थन के शिक्ष कार्यवाहियां सूच्य करता हो।

उक्त सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाओप :---

- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारील श 45 दिन की अविध या तत्संबंधी क्यिक्तमों पर कृषना की तामील से 30 दिन की बद्धि, भी ती स्विध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रविक्ष जिन्हों में किसी व्यक्ति हुदारा;
- (क) तुक अपना के राज्यक वी वक्षाक्त की वारीय के 45 बिन के भीत्र अक्त स्थावर सम्मत्ति में हिए- वृक्ष कियी कम्म न्यांतित वृक्षारा, वभोहस्ताक्षरी के पाड विविद्य में किए जा वक्षों ।

लक्कीकरण :---इसमें प्रमुक्त कक्षी और पर्यों का, को उपन कि विक नियम के बच्चाय 20-क में पडिशास्त हैं, पहीं वर्ष हांगा, जो उस अध्याय में विसा गया है।

## वनसूची

33 ए एवं 33 बी, राजा सन्तोष रोड, कलकत्ता, कलकत्ता में भ्रव्यवस्थित 2 बिधा 2 काठा 10 छटांक 32 वर्ग फिट सम्पत्ति जो सक्षम प्राधिकारी के पास डीड संख्या 37 ईई/ एक्यू०रे-—III/21/कल/86-87 के श्रनुसार 14-5-86 तारीख में रजिस्ट्री हुमा।

> एस० एन० तिवारी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायक श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज-प्री, कलकत्ता

तारीख: 6-1-1987

प्ररूप आई. टी. एन. एस.--

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज-II, कॅलकत्ता कलकत्ता दिनांक 7 जनवरी 1987

सं० ए० सी०-68/ब्रार-II/कल/86-87:-- यत मुझे, एस० एन० तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/ रु. से अधिक है

भौर जिसकी संख्या 99 सी० प्लाट संख्या है जो निउन्धालिपुर कलकत्ता में स्थित है भौर इससे उपाबब अनुसूची में भौर पूर्ण रूप से बॉणत है रिजस्ट्रीकर्त्ता अधिकारी के कार्यालय एस० आर० ए० कलकत्ता में भारतीय रिजस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-5-1986।

को पूर्वों क्स सम्पित्त के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिलित में वास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमें या उससे बचने में सूबिधा के लिए; और/शा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, मा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः अब, उक्त अधिनियमं की भारा 269-गं के, अनुसरणं की, मी, उक्त अधिनियमं को भारा 269-मं की उपभारा (1) के अधीन, निम्निसिस्त व्यक्तियों, अधीत् हे——

श्रीमती रेबा मजूमदार
 11/1 लोक एल० प्लेस
 कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

 शिश भगरवाल एवं भ्रन्याय
 80 बी विवेकानन्द रोड कलक्ला।

(मन्तरिती)

को यह स्वना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्ना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (ख) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरो।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदौं का, जो उच्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## भनुसूची

प्लाट संख्य 99 सी-ब्लाक-भार नि 3 मालिपुर कलकसा में भ्रव्यवस्थित 4.66 काठा जमीन जो बीड संख्या 7759 के भ्रनुसार 30-5-86 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> एस० एन० तिवारी सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भागुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-11,कलकत्ता

विनां भ: 2-1-1987

मोहरः

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम,, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यासय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्राजंन रेंज-II, कलकत्ता कलकत्ता, दिमांक 7 जनवरी 1987

सं० ए० सी०-69/ग्रार- /कल/86-87:-- यतः मुझेँ, एस० एन० तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक ही

भौर जिसकी संख्या 10 है जो बर्दवान रोड, कलकत्ता में स्थित है भीर इससे उपाबद्ध भ्रनुसुची में भीर पूर्ण रूप से विजिस्ट्रीकर्सी प्रधिकारी के कार्यीलय में रिजिस्ट्रीकरण भिधिनियमरण 1908 (1908 का 16) के भिधीन तारीख 26-5-1986

को पूर्विक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से ऐसे इश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण ते हुई किसी आय की बाबत उपल अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी अग्य या किसी धन या अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, गा कर अधिनियम, गा कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्दिरी व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा से लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- एलेनबारी प्रापर्टी लिमिटेड
 ए रियल स्ट्रीट,
 कलकत्ता-16।

(ब्रह्मरक)

 ब्रिटानिया इण्डस्ट्रियल लिमिटेड 5/1 ए हांगर फोर्ड स्ट्रीट कलकत्ता।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हों।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस स्पना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वाररा अधोहस्ताक्षरी के पास तिस्ति में किए जा सकों।

स्पष्डीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का जो जक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनुसूची

10 बदबान रोड, कलकत्ता में अवस्थित बनता हुआ मकान का 4 तल्ला में प्लाट 'ए' एवं ग्राउण्ड फ्लोर में एक कार पार्किंग स्पेस जो डीड संख्या 37 ईई/6/ग्रार--II कल/86-87 के ग्रनुसार 26-5-1986 से रजिस्ट्री हुआ।

> एस० एन० तिवारी सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर त्रयुक्त (निरीक्षण) म्रजन रेंज-II, कलकक्ता

तारीख: 7-1-1987

प्ररूप बाइं. टी. एन. एसं. ------

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के बाधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज-II, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1987

मं॰ ए॰ सी॰-70/म्रार-II/कल/86-87:- यृत: मुझे, एस॰ एन॰ तिवारी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें प्रजात 'ज़क्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी मंख्या 10/1/ई है जो डी॰ एइच रोड कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विजित है) रिजिल्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री रण ग्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन तारीख 12 मई 1986

को पूर्वीवत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्रयमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है और मूफ्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य. असके रहयमान प्रतिफल से, ऐसे रहयमान प्रतिफल का अपन्त का किए से अपन्तर्भ (अन्तर्का) और अन्तर्भ (अन्तर्का) और अन्तर्भ (अन्तर्का) और अन्तर्भ का प्रतिकान, कि बीच ऐसे अन्तर्भ के लिए तय किक्रया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तर्भ किया गया है :---

- (क) अंतरण से हुई किसी बाब की बाबस, उच्च अधि-कियम के अधीन कर दोने के अंतरक के शायित्व में क्सी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/मा
- (ल) एसी किसी आय या किसी भन या अन्य शास्तियाँ ज्यों जिन्हों भारतीय जाणकर शाधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, या थन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए भा, छिपाने में सृषिभा के निएं;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उफ्त अधिनियम की धारा 269-ग को उपधारा (1) के अधीन, निम्निखिति व्यक्तियों, अर्थात्:— ग्रीनिवच होल्डिंगस (प्रा०) लिमिटेंड
 2 लाल बाजार स्ट्रीट,
 कलकसा-1।

(मन्तरक)

2. द्वारका प्रसाद गानेरिवाल एवं ग्रन्थाय 14/1 कलाकार स्ट्रीट कलकता।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभोहस्ताक्षरी के पास निमित में किए जा सकेंगे।

स्थव्हीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो अक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, ब्रहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिशा गया है।

#### अन्सूची

10/1/5 डि ए इच रोड कलकत्ता में श्रवस्थित 2640 वर्ग फिट आयतन का सम्पत्ति जो सक्षम प्राधिकारी द्वारा डीड संख्या 37 \$f/242/श्रार-IJ/कल/85-86 के श्रनुसार <math>12-5-1986 तारीख में रिजस्ट्री हुग्रा।

एस० एन० तिवारी सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त निरीक्षण) सर्जन रेंज-II, कलकसा

तारीख: 7-1-1987

## प्रकार वार्ष के जीते हुने हुने हुने का

कार्यकर व्यक्तिसम्भ , 1961 (1961 का 43) की पारा

?69-७ (1) **के क्थीन स्**चना

#### भारत सरकार -

## क्रवांस्य, शहाबक सामकार नायुक्त (विज्ञीक्रक)

भ्रजीन रेंज-II, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 7 जनवरी, 1987

सं० ए सी०-71/म्रार-1 I/कल/86-87:-- यत: मुझे, एस० एन० तिथारी,

नावकार विभिन्नियम्, 1961 (1961 का 43) (जिल्ले इसको इसको परवात् 'उक्त विभिनियम' कहा गया ही), की भारा 269-क के वभीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण ही कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाचार मुख्य 1,00000/-रु. से अधिक ही

भ्रौर जिसकी संख्या प्लाट 122 बी० 1 सीबी० है जो से हिम्म सल्ट लेक सिटि कलकत्ता में स्थित है भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रमुमूची में भ्रौर पूर्ण रूप से विणत है रिजस्ट्रीकर्ता भ्रिधकारी के कार्यांचय सक्षम प्राधिकारी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 2-5-1986

को पृथोंक असंपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गद्द

है और जुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्वोंक्त सम्मिक्त का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल खे रिसे दृश्यमान प्रतिफल को वंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतर्क का वंद्रह प्रतिशत से वीच एसे अंवर्क को सिए तथा पासा गया प्रतिकत्त , निम्नसिवित उद्वेद्य में हक्त मंतरण सिवित में वास्तिवक्त क्या से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आय की बाबस, जक्त अधिनियम के अधीन कर देखें के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, बिन्हें भारतीय कायकर विधिनयम, 1922 1922 का 15) या उत्त अधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना बाहिए था, स्थिन में न्विधा से नियं।

तः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण ों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) हे अधीना, निम्नसिसिस व्यक्तियों, अर्थात् :—— 6—446GI/86  ग्रसीम कुमार पाल के-2/3 एम० एस० फलाटस,
 13 श्रार० के० पुरम, नई दिल्ली।

(श्रन्तरक)

श्रीमती चमेली देवी कुल्यिया
 4 हांसपुक्रुर फास्ट लेन कल-7

(भ्रन्तरिती)

को यह स्थान बारी करके पूर्वोक्त बन्पत्ति के वर्षन के जिल्क कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीश है 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों दर सूचना की सामील से 30 दिन की अवधि, जो भी शर्वाध याद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थक्ति दुवारा;
- (स) इस सूचमा क राजपण में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबहथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विधिष्ट में किए वा सकोंगे।

स्पष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त जिथिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा थो उस अध्याय में दिया स्याही

#### अनुसूची

प्लाट संख्या 122 ब्लाक सी० बी० संक्टर-9 सन्त लेक सिटि में प्रक्यवस्थित 45407 काठा सम्पत्ति जो सक्षम प्राधि० द्वारा डीड संख्या 37 ईई/217/प्रार-II/85-86 के प्रनुसार 2-5-1986 में रजिस्ट्री हुग्रा।

एस० एन० तिवारी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-II, कलकत्ता

ता**रीख**ः 7-1-87

मोहर 🕄

## प्रकृष् वाद््री. शुन्युप्तसः -------

# नायकर निभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीत सूचना

## भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (गिरीक्षण)

मर्जन रेंज कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 8 जनवरी 1987

सं० सी० ए-201/86-87/एस एल-1264/प्राई० ए० सी०/एक्यू/प्रार-1/कल/--यत मुझे, प्राई० के० गोयल, जायकर अधिनयम, 1961 (1961 का 43) (चिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त अधिनयम' कहा गया हैं), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का जारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका स्रचित बाचार मृख्य 1.00,000/- रा. में अधिक हैं और जिसकी संख्या 35/1 है तथा जो जवाहरलाल नेहरू रोड कलकत्ता में स्थित हैं (और इससे उपायक मनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फार्यालय सक्षम प्राधिकारी, ग्राई० ए० सी० प्रजंन रंज-I, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के के प्रधीन, तारीख 16-5-1986। का प्रांक्स सम्पत्ति के उचित वाजार मन्य से कम के क्यामान

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के स्वयंभाव बितकल के लिए बन्तिरत की गई है और कृष्णे यह विक्वास करने. का कारण है कि यथा पूर्वोक्ट सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके स्वयंभाव प्रतिफल से, एसे स्वयंभाव प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिकृत से अधिक है और अंतरिती (जंतरितियाँ) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ याया गया प्रतिफल, निम्मिनिश्व उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निम्मिनिश्व में वास्तिक रूप से अन्तरण सिकत में वास्तिक रूप से अधिक रूप

- (ग्प) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबता, उपत अधिनियम के अधीन कर वोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे उपने में सुविधा के लिए; और/बा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी भने या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, या भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाओं अन्ति रिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गया वाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

बतः ।श्व, उक्त व्यथिनियम की धारा 269-न के वन्तरण भैं. मैं अक्त स्थितियम की धारा 269-च की उपभाग (1) इंडिपी: सिम्मिनियन स्थितियों, ज्यांति प्रमार 1. श्री ठाकुर दास उत्तम चन्दनी

(श्रन्तरक).

2. श्री राज करण दुगार

(अन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के बर्धन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ते 45 विन की अविध या तत्सेवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, से भीतर पूर्वोक्त स्यवित्यों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (क) इक ब्रावन के राजपत्र में प्रकावन की तारीक सें 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हिए-बहुध किसी नम्य व्यक्ति इतारा सभोष्ट्रस्ताधारी से शस सिकित में किए या सकतें।

स्प्वतिकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जक अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होणा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## वनस्पी

35/1, जवाहर लाल नेहरू रोड, नटराज को० ग्रापरेटिव हार्जीसंग सोसायडटी लि० 2, एइच, कैलाश बिल्डिंग, दूसरा तल्ला, दक्षिण पूर्व प्लाट कलकत्ता-71 ये सम्पत्ति जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक ग्रायकर श्रायकत निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता के पास संख्या सी० ए 201 के श्रनुसार 16-5-86 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> म्राई० के० गोयल सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

विनांक: 8-1-1987

मोहरः 🖖

## मन्त्र वार्षः औं हरः हर

बायकर वीधीनयंत्र, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के वधीन ब्यान

## हारत बहुष्यह कार्याचन, सहायक नायकर नायुक्त (निर्दोक्तन)

श्रर्जन रेंज-I, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 8 जनवरी, 1987

सं० सी० ए 199/86-87/एस० एल 1265/प्राई. ए सी/ए सी क्यू प्रार-1/कल: - यतः मुझे, प्राई० के० गायेन, कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुपये से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 12 बि है तथा जो रासेल स्ट्रीट, कलकत्ता 77 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रानुसूची में और, पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता प्रधिकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, श्राई० ए० सि श्रर्जन रेंज-1, कलकत्ता में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-9-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के रूर्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के नीच एसे बन्तरक के लिए तय पाया प्या प्रतिफल, निम्निलिखित उच्दिएय से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त मधिनिवस के अभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्य में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए और/या
- (क) एंडी किसी बाव या किसी धन वा अन्य बास्तियों की बिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अब-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अप्रोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना बाहिए था, कियाने में सुनिभा वे लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निसिंखत व्यक्तियों अधीतः— 1. श्री महाबीर प्रसाद ग्रगरवाल

(भ्रन्तरक)

2. श्री शशि ढागा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुखना जारी करके पूर्वों कत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां सुक करता हुई ।

#### उन्त बस्परित के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बार्लंड 🚁

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की जबिध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी स्थिक्त इंशारा:
- (का) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहरताक्षरी के पान निवत में किए का सकने।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में गरिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है:

## अन् सूची

12 बि रासेल स्ट्रीट, कलकत्ता-71 में भ्रव्यवस्थित १वां तल्ला में 2000 वर्ग फिट भ्रायतल का पलैट संख्या 9 बि जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रजेंन रेंज-1, कलकत्ता के पास संख्या सि० ए 199 के भ्रनुसार 9-5-86 में रजिस्ट्री हुआ।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी . सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज-1 कलकत्ता

तारीख: 8-1-1987

मोहर 🤌

## प्रकर शार्ष हो । एव , एव , क्लान्जन्यक

आयकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीव स्वेता

#### भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) प्रजीन रेज-I, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 8 जनवरी 1987

सं० सी० ए० 160/86-87/एस० एल/1266/ब्राई० ए
सी०/ए० सी० क्यू आर-1/कल:--यत मुझे श्राई० के० गायेन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उस्त कधिनियम' कहा गया हैं), की भारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह निश्वास करने का
कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार भूस्य
1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी संख्या 89 है तथा जो सेक्सपियर सरिण
कलकत्ता स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्त्ता ब्रिधकारी के कार्यालय
गाई० ए० सि श्रर्जन रेंज में III कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन
तारीख 14-5-1986।

को धूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृत्रे ग्रह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार भूक्य. उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरल के प्रिए एव पावा बना प्रतिक्त का पंत्रह प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अंतरकों) और अंतोरती (बंतरितियों) के बीच एसे अंतरल के प्रिए एव पावा बना प्रतिक्त की विकास के विद्या प्रतिकत के विकास के विकास के विकास के विकास के का किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के वायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी बाय या किसी धन या बन्य असिसयों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा अवह अधिनियम, वा धनकर विधिनियम, वा धनकर विधिनियम, १९५७ (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तरियी द्वारा प्रकट नहीं किया रिया था या किया जाना चाहिए था, छिपानं में भृतिका के विद्युः

अतः अब, उत्तर अधिनियम की धारा 269-ग के, अन्सरण भे, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपधार (1) के अधीन, निम्नीलिखित व्यक्तियों, अर्थास् :---

- श्रीमती श्रारित होसालि एवं सरमा बार नौल्लि। (श्रन्तरक)
- 2. प्रगति एस्टेटस प्राइवेट लिमिटेड।

(अन्सरिती)

**भी मू स्था जारी करने पूर्वीकर सम्मृतिह से वर्षत से किए** कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

## उक्त सम्मन्ति के नर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आखोप:--

- (क) इस सूचना के राजंपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामिल से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हित्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के गस मिचित में किए जा सक्यो।

#### अनुसूची

89 सेक्सपियर सरिण कलकत्ता में भ्रवस्थित 1753 वर्ग मीटर भ्रायतन का सम्पत्ति जो सक्षम प्राधिकारी (सहायक श्रायकर भ्रायुक्त निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज–3 कलकत्ता के पास नं० 37ईई/ए० सी क्यू भ्रार–III/कल/86–87 के भ्रनुसार 14–5–1986 तारीख में रजिस्ट्री हुआ।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज I कलकत्ता

तारीख: 8-1-1987

प्रकष बार्ष, टी. एन. गुल. -----

भावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के अंधीन स्थाना

## भाइत शरकार कार्यालय, शहायक आयकर बायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज-1II, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 6 जनवरी 1987

सं० 107/ए० सी० क्यू श्रार-III/कल/86-87:---यतः मुझे श्राई० के० गायेन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसक पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 176 है तथा जो मस्त्र बोस रोड में स्थित है और इससे उपाबद्ध श्रनुमूची में और पूर्ण रूप से विणित है रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रिधकारी के कार्यालय स० श्रा श्रा० निरीक्षण श्रर्जन रेज-3 में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 14-5-1986।

(1908 का 16) के प्रधीन तारीख 14-5-1986। को पूर्वोक्त सम्परित के उचित बाजार मूल्य से कम के दरयज्ञान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह दिश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूल्य, उआके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्मह प्रतिशत से अधिक हैं और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (बंतरितिकों) के बीच ऐसे बंतरण के लिए तय पाया च्या प्रतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय वायकार विधिनयम, 1922 (1922 का 11) या अन्त विधिनयम, या धन-कार विधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रवोचनार्थ बन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया वा वा विवा बाना वाहिए था, कियाने में सुविधा के सिक्ट;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन. निम्निसित व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. मै० मदगुल उद्योग।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स जैन कर्माणयल कारपोरेशन।

'(म्रन्तरिती)

को बहु सुचना बारी करके पूर्वोक्त संपरित के अर्थन के किए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस स्वन के राजपन में प्रकाशन की तारीच चे 45 दिन की जनिथ ना तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामीत से 30 दिन की ननिथ, जो भी अमिथ याद में समाप्त हाती हो, जो भीतर प्रॉक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित्बक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अजाहस्ताकरी के शक जिल्हा में किए जा सकरें।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रणुक्त शब्दों और पदों का, जो ज़बत विधिनियम, के बध्याय 20-क में परिभावित है वहीं अर्थ होना को उस वश्याय में विका गया है।

#### मन्सूची

प्लाट नं० 1 बी क्षेत्र 1600 वर्ग फुट और कार पार्किग स्पेस।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3 कलकत्ता

दिनांक: 6-1-1987

**द्रम**् शार्ष<sub>तः</sub> श्रीः एनः एवः

## शाक्ष्य विनियस : 1961 (1961 का 43) की . तारा 269-म (1) के सभीन स्वता

#### बार्क्ड संस्कृत्र

क्तार्यक्रक म् सङ्घाक वायकर वाव्यक (निरोक्तक)

श्रर्जन रेज-III, कलकत्ता कलकत्ता दिनांक 6 जनवरी 1987 सं० 2408/ए० सी० क्यू श्रार-III/कल/86-87:---यत मुझे श्राई० के० गायेन

इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संस्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

और जिसकी संख्या 176 है तथा जो गरत बोस रोड कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाब के भ्रमुंसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय स० भ्रा० भ्रा० निरीक्षण भ्रजन रेंज-3 कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण भ्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 14- -1986।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान भित्रपत्त के लिए अम्बर्गित की यह है और मुन्ने वह विश्वास करू का कारण है कि बचापुर्वोक्त सम्बत्ति का उचित बाजार मन्य उन्ने है उन्ने मान प्रतिकल को पंत्रह प्रतिशत्त से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया। प्रतिकल कि सम्बन्धिक उन्हें के से उच्च बच्चरक कि बिह्त के वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (कः) बन्तरक से हुर्द किसी बाब की बाबस, ठअस विणितियम के जभीन कार दोने के बन्तरक के व्यक्तित्व के कबी क्सूने वा उत्तते वचने में सुविधा के लिए; और/या
- (भ) एंची किसी बाय या किसी धन या अन्य जास्तियों कारे, जिन्हें भारतीय बायकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) वा अन्य अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) अ प्रभाजनार्थ अन्तिरियम, 1957 (जब्द नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में शुनियों जे बिच;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधिन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थाट :---

1. मदजुल उद्योग

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स सारीगी सप्लाई एजेन्सी।

(भ्रन्तरिती)

का वह सूचना चारी करके न्यॉक्स संयक्ति को अधन के जिल् कार्यवाहियां करता हूं।

## क्का कुर्यास्य में वर्षात् के संस्थान् में नार्थ ही नार्धाया--

- (क) एवं सुष्या के राज्यम में प्रकास कि सं 45 दिन की अनोध या सप्तांबंधी प्रावितयों पर सृष्या को ठागील से 30 दिन की अवधि को भी स्वीय नार में स्वाप्त होती हो, से बीचर प्रावित स्वीयस्थी में से दिनी स्वीयस प्रकार:
- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की हारीश से 45 दिन के भीतर सकत स्थानर सपरित में शितवर्थ किसी जन्म स्थानत बुबारा, सभोहस्थाकरों के बार सिसित में किस वा सर्केंगे।

स्थितिकरणः ----इसमी प्रमुक्त शब्दों और पद्यां का, आ उत्तर अभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित की अधि अधि होता जा उस अध्याय में विका पत्रा है।

जगरा ची

प्लाट नं० 4 ए क्षेत्रं 1800 **य**० फुट

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3,कलकत्ता

दिनांक: 6-1-1987

मोहन्र :

स्थाप कार्ष, १.व. ११म व्हार . .....

बारणकार जिथिनियम, 1961 (1961 का 43) की शारा 269-क (1) के बधीन स्वना

भारत सरकार

## कार्याजय, सहायक बायकडु बायुक्त (निर्दाक्षक)

भ्रजीन रेंज-3, कलक<del>रा</del>।

कलकत्ता-3, दिनांक 6 जनवरी, 1987

निदेश सं० 2409/ग्रर्जन रेंज-III/कल०/86-87—ग्रतः मुझे श्राई० कें० गायेन

अप्रयक्तर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इत्यों इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की वादा 269-व के अधीन सक्तम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारज है कि स्थायर सम्पत्ति, विश्वका उचित बाबार मृस्य 1,00,000/- उ. ते अधिक हैं

शौर जिसकी सं० 2 है, तथा जो लालवामार स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (शौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय स० आ० आयुक्त निरीक्षण, श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रिधितयम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-5-1986 को पूर्वोक्त संपीत के उपित बाजार मूल्य से कन के ज्यावान शितकत संपीत के उपित बाजार मूल्य से कन के ज्यावान शितकत से लिए वंतरित की गई है और मूर्य यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त प्रयत्ति का उपित बाजार मूल्य, उसके ज्यावान प्रतिकत से, एसे सम्बाब प्रविकत प्रवास प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरका) और जन्ति सी (अंतरितियाँ) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत का निकास का कारण है किया एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत का निकास का कारण है किया एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत का से कारित का विषय एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत का से कारित का स्था है उन्त

- (क) जन्तरण से हुई किसी जाय की बाबत, उक्त अधिनियम चै बधीय कर बोने के बन्तरक के कावित्व में कमी करवे या उचने वचने में भृतिया के टिलए; थॉर/या
- (श) एको किमी बाब वा किमों धन वा बन्य वास्तियों को विन्हों भारतीय बाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) वा सकत अधिनियम वा भ्यकर व्यविश्वय, 1957 (1957 का 27) से बचोचमार्थ जनतरिती व्यारा अकट नहीं किया वका या किया वाना चाहिए था, कियाने में स्थित से सिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपभारा (1)

के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु 🦫 –

1. मैंसर्स टोडी टी० कं० लि०

(ग्रन्तरक)

2. केसरिया इन्टरप्राइजेस ।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

- संबंद सम्परित को वर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बार्का 🖭

- (क) वस बचना के राज्यन में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की मनिथ ना तस्सम्बन्धी क्योंन्त्यों पर बुचना की तामील से 30 दिन की मनिम, जो नी सदिय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तिश्वों में से किसी व्यक्ति ब्यारा;
- (क) इस स्था में राज्यम में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सांपरित में हितबद्ध किसी अभ्य स्थावत ब्वास अधोहस्ताक्षरी के शक् जिला में किए का सकेनें।

स्पष्टीकारण :---इसमी प्रयुक्त कम्बी भीर पर्वा का, आं उन्हर विश्विषय, के वश्याय 20-क मी परिभाषित ही, बहुत वर्ष होगा, को अस कश्याय मी दिया गर हैं।

## **अन्स्ची**

कोठी नं० 507, से 511 । कुल क्षत्र ० 2139.29 व० फु०।

> माई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर म्नायक्त (निरीक्षण) ृ मर्जन रेज-३, कलकत्ता

दिनांक 6-1-1987 मोहर : प्रस्कः बाद्दः दी . एव . एत . ------

# नायकर मधिनियम, 1061 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता-3, दिनांक 6 जनवरी, 1987

निदेश सं० 2410 /एक्य्०ग्रार-III/कल०/86-87—ग्रतः मुझे ग्राई० के० गायेन,

जायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रसके पश्चाल 'उन्त मिथिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ए के अधीन सक्षय प्राधिकारी को यह विषयस करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूक्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं 1/1 है, तथा जो लोयार रम्जन, स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधाकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर श्रायकत (िरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-5-1986

को पृथिक्त सम्बक्ति को अधित काकार भूल्य से क्षम को दक्यमान इतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दरयमान प्रतिफल से, एसे दरयमान प्रतिफलः के पन्द्रह प्रतिकत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित अद्वादेश्याःसे उक्तः अन्तरण लिखितः में वास्तिविक कृष मे किथात ्ही किया गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी आध की बाबस, उक्त अभिगियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा वे किए; ब्रॉर/बा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरती व्वार प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के निए;

कत्तः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरक में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, किम्मिलित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. मैमर्स टीयेज टूल्म एन्ड कन्स्ट्रक्शन्स, (६०) प्रा० लि.। (भ्रन्तरक)
- 2. नील कान्त मार्केमटाइल लि०

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पृबोक्त सम्पत्ति के अर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त संपत्ति को कर्जन को संबंध मी कांद्र भी आक्षेत्र :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील सं 30 दिन को अविध, को भी अविध नाइ में समाप्त होती हो. के भीतर प्रवेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इनारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति क्वारा अधोहस्साक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनिया, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं वर्ष होगा को उस अध्याय में दिया वया है।

## बन्तूची-

प्लाट नं० जी० एस० एवं जी० एन०। क्षेत्रफल: 3502 व० फुट ।

> न्नाई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता ।

दिनांक 6-1-1987 मोहर : ग्**रूप मार्थ . ट\ . एम् । एस** . ००००० ००००० ०००००

भागकर विधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के वधीन क्षना

#### पाउत सम्बद्ध

क्षार्यालय, सहायक आयकर बायक्स (निरक्षिण)

श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 6 जनवरी 1987

निदेश सं० 2411/एक्यू-रेंज-<sup>III</sup>/कल०/86-87------प्रतः मुझे भ्राई० के० गायेन

नायकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया है')., की धारा 269-न को सधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूला 1,00,000 रु. से अधिक है

मौर जिसकी सं 11 क है, तथा जो पाम एवेन्यू, कलकत्ता में स्थित है (और इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में घौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय सहायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), प्रजंन रेंज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक 14-5-86 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दश्यमान गतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुभे यह विश्वाम करने का कारण है कि बजाम्बॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि बजाम्बॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि बजाम्बॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि बजाम्बॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि बजाम्बॉक्त सम्पत्ति का उचित बाजार करने का कारण है कि बजाम्बॉक्त सम्पत्ति का उचित वाजार करने का कारण है कि वाकारण के किए स्थ पाया गया प्रति का विकार के वाकारण का निकार विकार के वाकारण का निकार का निकारण का निकार का निका

- (क) जन्तरण में हुई किसी बाय की बाबस, उक्त बिधिनवज के बधीन कर दोने के बन्तरक के बाजित्स में कनी करने या उससे ज्याने में सुविधा के लिए; बरि/बा
- (स) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियाँ को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) दें उपता अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती इवारा प्रकट नहीं किये गया था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में विश्वा औं किया

1: मैसर्स के॰ एन॰ प्रापर्टीज (प्रा॰) लि॰।

(म्रन्तरक)

2. बीमा एम० कम्पनी घौर ग्रन्य।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के जिए कार्यवाहिया करता

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी शक्षेप :--

- (क) इस स्वना के राजपन में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन की अगिध या तत्सबंधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकों ने।

स्पष्टीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, भो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## मन्त्यी

प्लाट नं 6 सी /6ठा, तस्ला, । क्षेत्र थफल : 1843 व ० फु॰ ।

> श्राई० के० गायेन, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रयंत्र रेंज-3, कलकत्ता-

विनांक 6-1-1987 · मोहर: शरूप आई.टो.एन.एस.---- -

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकसा, दिलांक 6 जनवरी, 1987

ियेश सं० 2412/एक्यू रेंज-III/कल०/86-87---- ग्रतः मुझे ग्राई० के० गायेन

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सिके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को वह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्मत्ति, चिसका उचित वाचार बल्च 1,00,000/- रु. से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं 176 है, तथा जो शरस बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (िरीक्षण), ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908(1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 14-5-86 को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करन का कारण है कि वशाप्योंकत सम्पत्ति का उचित वाचार करन का कारण है कि वशाप्योंकत सम्पत्ति का उचित वाचार प्रतिफल में असे असे अधिक है और अंतरित की गई प्रतिकात से अधिक है और अंतरिक (अंतरिकों) और अंतरित वाचार करन राज्या के जिए तब पाचा ज्या प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :----

- (क) बंतरण से हुए किसी नाम की गायतः, उन्नतः अर्थन-निवस के सभीन कर दोने के बंतरक के दासिस्य में कमी करने वा उत्तरी बचने में तृतिया के किए; और/वा
- (थ) एसी किसी जाव या किसी अन वा बन्न शास्तिकों की जिन्हों भारतीय बायकर विभिनित्रम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विभिनित्रम, या अन-कर विभिनित्रम, या अन-कर विभिनित्रम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अंतरिती इवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया बाना वाहिए था. कियाने से वृधिया के निए।

बत: अब, उस्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण ब. मी. उस्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारत (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अधीत :--- 1. मदगुल उद्योग ।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स श्री महाबीर पेपर मार्ट।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्स सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भो वाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के हाचपन में प्रकारन की तारीय में 45 बिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पड़ें सूचना की तामीस से 30 दिन की जबीध, जो भी जबीध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्योक्ट व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति दुशारा;
- (था) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीय बं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किस्ति के किस् था स्केंचे ।

त्वकाकरणः---इसमें प्रयुक्त कवा केंद्र पर्यो का, के उपन अधिनियम के कथाय 20-क में परिशाचित हूँ, वहीं अर्थ होंगा को उस कथाय में दिव प्या हुँ॥

## जन्सू ची

प्लाट नं े 3 ग। क्षेत्रफल: 2250 व० फू०।

> ग्नाई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-3, कलकत्ता

विनांक 6-1-1987 मोहर: प्रकथ् बार्च .टी .एन .एस . ------

## भाषकष्ट सीमीनवर्त, 1961 (1961 का 43) की बाह्य 269-म (1) के समीन जुलान

#### वार्ष परवर्

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज-3, कलकसा

कलकत्ता, विनांक 7 जनवरी 1987

निदेश सं० 2413/एक्यू रेंज-III/कल०/86-87-श्रतः मुझे, श्राई० के० गायेन,

कामकर सिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त सिभिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-व के स्थीन सक्तम प्राणिकारी की, यह विश्वास करने का कारक हैं कि स्थानर सम्पत्ति, विक्रका उचित्र वाधार मूक्य वाजार मूल्य 1,00,000/- रहा से अधिक हैं

भौर जिसकी सं 176 है, तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (भौर इससे उपाब्द्ध अनुसूची में भौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक श्रायकर आयुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज 3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनंक 14-5-1986

का वृत्याकत सामारत के लिए वाकार मृत्य से कन के स्वयान शिवाफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विकास करने का कारण है कि यथापूर्णोक्त सम्मत्ति का उपित वाजार बुक्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से, एसे स्वयमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अभिक है और अंतरक (संतरकों) और अंतरिती (अन्तरितिकों) के बीच एसे अन्तरण के निए त्य पामा गया प्रतिफल गिम्नसिकित सब्देश्य से उसत अन्तरम सिकित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है ह—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए;
  और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय नाम-कर विधिनयम, 1922 (1922 का 11) वा उक्त विधिनयम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अवाजना जन्ति रती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना जाहिए था छिपाने में स्विधा के विध्;

जत: जस, उक्त जिभिनियम की भारा 269-ग के अन्तरण में, में, उक्त जिभिनियम की भारा 269-व की उपभारा (1) के जभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थीसुं ं— 1. मद्गुल उद्योग ।

(मन्तरक)

2. मैसर्स सारोगी सप्लाई एजेन्सी।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## बनक सम्पत्ति के कर्षन की सम्बन्ध में कोई भी बार्क्य 🌬 🖚

- (क) इड , ज्या के राजपण में प्रकावन की तारीख वें 45 दिन की संविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पद त्या की तामील से 30 दिश की अवधि, वो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इवारा;
- (क) १६५ स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिख-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति व्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्नीकरणः ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त विधिनियम, के बच्चाय 20-क में परिभाषिक ही, वहीं अर्थ होगा, ओ उस अध्याय में विधा गया ही।

प्लाटनं. 4 बी।

क्षेत्रफल: 2400 श्रीर एक गैरेज।

श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

विनांक 7-1-1987 मोहर: प्ररूप भार्च.टी.एम.एस.-----

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व्र (1) के अधीन सुचना

#### भारत तरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रजीन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता,दिनांक 7 जनवरी 1987

निदेश सं० 2414/एक्यू० रेंज-III/कल०/86-87-भ्रतः मुक्ते, भ्राई० के० गायेन,

भागकर कांभनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसर्वे परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ल के कधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य

1,00,000/- रु. से अधिक हैं
और जिसकी सं० 216 है, तथा जो शरद बोस रोड, कलकत्ता
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध भ्रमुसूची में भीर जो पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय सहायक
आयकर भ्राक्युत (निरीक्षण), भ्रजीन रेंज-3, कलकत्ता में
रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन
दिनांक 14-5-1986

को पूर्णिक्स सम्पत्ति के उणित बाजार मूला से कम के द्वयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मुझे यह विद्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उणित बाजार मूल्य, उसके द्वयमान प्रतिफल से, ऐसे द्वयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्त-रिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उपविदेश से उक्त अन्तरण जिल्लित में धास्तिक रूप से कथिस नहीं किया गया है :--

- (क) जंतरण से हुई किसी जाव की बाबत, उक्त अभिनियम के अभीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने वा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

जतः अवं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मी, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—— 1. मैसर्स लायन्स डाउन प्रापर्टीज, लि०।

(भ्रन्तरक)

2. गनपति इन्डिया प्रा० लि०।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को कर्जन को सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी सं 45 दिन की अवधि या उत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त विभिन्नियम के बच्चाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं वर्ध होगा जो उस बच्चाय में दिशा श्वा हैं।

#### अनु सुची

सम्पत्ति 1, 2, 3 मीर 4 मीर 2 कार मार्किट स्पेंस, क्षेत्र--3748 व फुट।

> न्नाई० कें० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक: 7-1-1987

शास्त्रय बार्च .टी .एन .एास . . . . . . . . . . .

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) की स्थीन स्वना

#### भारत परकार

कार्यालय, सहायक भायकर नायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज-3, कल क्सा

कलकत्ता, विनांक 7 जनवरी 1987

जाबकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार सूल्य 1,00,000/- कि. से स्धिक है

ग्रौर जिसकी सं० 114 हैं, तथा जो पाम एवेन्यु, कलकत्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय सहायक प्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 14-5-1986

को पूर्वों क्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम के छ्रयमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और

मुक्ते यह विषयास करने का कारण है कि यथा
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रति-कव से एेसे दृश्यमान प्रतिष्मस का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितयों) के बीच एसे अंत-रण के लिए तय पाया गया प्रतिष्क्ष, निम्नीनिश्चित उद्देश्य से उक्त अंतरण निश्चित में वास्तिविक रूप से किथित नहीं किया गया है कि

- (क) अन्तरण ते हुंई फिली नाय की नावत, उभत जिथितियम के लंधीन कर वेने के जन्तरक के वायित्व में कमी करने या उत्तससे बचने में सुविधा के सिए; जीर/का
- (क) एसी किसी नाय का किसी धन या जन्म आस्तियाँ नये, जिन्हा भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किना जाना चाहिए था किपाने में स्विधा के लिए;

अंतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग को अनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) को अधीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ः— 1. के० एन० प्रापर्टीज प्रा० लि०।

(श्रन्तरक)

2. केशव कर्माणयल कम्पनी लि०।

(भ्रन्तरिती)

ा यह सूचना भारी करके प्वॉक्त सम्पत्ति भी वर्षन के सिक्ष कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ते 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियाँ पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी बन्य व्यक्ति ध्वारा अभाष्ट्रस्तः भूरी क वास सिसित में किए का सकेंत्रे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो जक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, मही अर्थ स्पेगा जो उस अध्याय में दिया पद्या है।

## वन्स्ची

सम्पत्ति प्लाट नं० 3 डी। क्षेत्र फल: 1927 व ० फूट।

> ग्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-३, कलकत्ता

दिनांक: 7-1-1987

भोरू •

प्रस्प आई.टी.एन.एस.-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अधीन सुचना

#### भारत सर**कार** -

कार्यालय, गहायक जायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन-रेंज 3, कलकताः

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1987

अगयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

भाषात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन पक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बालार मृत्य

1,00 000/- रु. से आधिक हैं

भौर जिसकी सं० 612 है, तथा जो णरद बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक धायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के इष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विष्धास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (प्रतर्कों) और बंतरिती प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दोहेय से उक्त अन्तरण लिखित में

- (क) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के बंतरक के दायित्य में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; आर/या
- (स) ऐसी किसी जाय या किसी अन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, बा अनकर अधिनियम, बा अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के अमाजनार्थ अन्तिरिती युवारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में गुविधा के लिए।

अतः अव, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिसित व्यक्तियों, अर्थीत् :-- 1. श्रीमती गायत्नी देवी सर्राफ भीर भ्रन्य

(भ्रन्तरक)

 श्रीमती शारदा देवी छापारिया श्रौर ग्रन्य । (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उनत संपत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी बाक्षेप ह---

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस है 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुवारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र मों प्रकाशन की तारिक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बख्ध किसी बन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिक्ति में किए का सकोंगे।

ल्यक्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त विभिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, यही वर्ध होगा जो उस अध्याय में दिया गवा ही।

प्लाट नं० 11

क्षेत्रफल: 1780 वर फुट श्रौर गैरज 180 वर फुट।

ग्राई० के० गायेन मक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-3, कलकत्ता

विनांक 7-1-1987 मोहर:

AN OF THE RESIDENCE OF THE PROPERTY OF THE PRO प्रकप वार्च की एन एस -----

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धार: 269 घ (1) के अधीन स्चना

#### High Carrie

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1987

मुझे श्राई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्ण्यात 'उक्त अधिनियम'कहा गया हैं), की भारा 269-इन के अधीन सभाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसना स्विध भाषात श्रुत्य 1,00,000 / - रु. से अधिक हैं।

श्रीर जिसकी सं० 216 है, तथा जो शरत बोस रोड, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में भ्रौर जी पूर्ण रूप से वर्णित है ) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय सहायक भ्रायकर श्रायक्त (िरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-5-1986

की पूर्वीक्स संपरित के उचित सागार मुख्य से कम औं दश्यमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गर्द है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपरित का उचित बाजार मूस्य, उसके धरमभान प्रतिकास से ऐसे बरमभाग प्रतिकल का पन्नह विरायत से लोधक है और अन्तरक (अन्तरका) और अन्तरिती (सम्बंदिरियों) के दीय ऐपे इक्टम के सिए तम गया गया प्रतिफल, निम्नसिक्त उपदेश्य से उक्त अन्तरण लिखिता में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) बन्तरम सं हुई किसी जाय करी बाबस्, भरिपरियम हो सधीम कर तीन की सन्तरक औ वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सविधा केलिए. और/या
- (क) एंसी किसी नाय वा किसी धन वा वस्यः अमिस्तको को, जिन्ही भारतीय जाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त मधिनियम या धन-कर व्यक्षिनियम 1957 (1957 का 27) की प्रयोजनार्थ जन्तरिती पुषारा प्रकट नहीं किया गया था या किया काथा चाहिए बर, क्रियाने में स्विधा औ हिस्पः

बत्र वय, सक्त स्रीभीवयम की भाग 269-य की सम्बद्ध में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभारा (1) क अधान, निम्नलिखित व्यक्तियों ह अवदि प्र---

ा. लैन्स डाउन प्रापर्टीज, लि०।

(ग्रन्तरक)

2. तिरुपति इन्डिया प्रा० लि० ।

(भ्रन्तरिती)

को ग्रह सच्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता 📺।

उक्त संपत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस स्थन। के राष्ट्रपत्र में प्रकाशत की तारीब से 45 दिन की अवधि या तर्माती भ्यक्तिकाँ पश स्थना की तामील से 30 दिन की मदिए, या भी बचीच बाद में समाप्त हाती हो, के भीतर प्रवेक्ड व्यक्तियों हों में किसी कावित बुवारा;
- (क) इस स्वान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस दें 45 विन को भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बबुध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताअरी 🧒 पास लिखित में थिए जः सकैगं।

स्पव्यक्तिरण:----वसमे प्रयुक्त सन्दों और पदा का, जो सक्त अधिनियम के अध्याय 20 क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, भी उस अध्याव में दिवा गया

स्पेस नं० ६, ७ क्षेत्र०: 2976 वर फूट ।

> श्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता

दिनांक : 7-1-1987

प्ररूप आहें. टी.एनं.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रार्जन रेंज-3, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1987

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी क यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित याजार मृल्य 1,00,000// रु. से अधिक है

धौर जिसकी सं० 131 ए हैं, तथा जो रास बिहारी एमोनी, कलकत्ता में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक 14-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गर्इ है और मृक्षे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिक्षत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पारा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वदेश से उक्त अन्तरण जिखित बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) जन्तरण से हुइ किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के जन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिधा के बिइ; और/झा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या अन्य जास्तियों की, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

शराः सय- उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अनुसरण में. में, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (1) कें अभीन, निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थास् ८००० सुनिल कुमार दत्त एवं ग्रन्थ ।

(भ्रन्तरक)

 सानिबम ट्रेडिंग कम्पनी प्राईवेट लिमिटेंड । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन को संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य विक्त द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्थव्यीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वो का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

बेसमेंट फ्लोर प्रथम फ्लोर दूपरी मंजिल एवं तीसरी मंजिल, एरिया, 1757 वर्ग मीटर, प्रेमिसेस का क्षेत्रफल 131 ए, रास बिहारी एमोनी, कलकत्ता ।

> ग्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी स**हायक** श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-III, कलकत्ता

दिनांक 7-1-1987 मोहर : अक्रप आर्थः, टी एन**. एव**. -----

कार्यकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च 11) के अधीन सल्या

WITH WEST

## कालीक्षयः, बद्वायक कामकार मामुक्त (निर्दाक्षक)

श्रर्जन रेज-३, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनाक 7 जनवरी 1987

निदेश सं०  $2419/\sigma$ क्यू रेज- /कल०/86-87--ग्रन. मुझे, ग्राई० के० भायेन,

नायकर विभिनियम, 1961 (1961 का 43) (विसे इसमें इस के वहनात् उपस अधिनियम कहा गया हैं). की भारा 263-ए के अधीन सर्कान प्राधिकारी को यह निश्वास करने का कारण है कि स्थापर संपत्ति, जिसका उचित भाषार मृष्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं 1 है, तथा जो एलेम्बी रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इसने उताबढ़ अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण कर के वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 14-5-1986

को पूर्विक्त सम्पत्ति के उणित बाजार मूल्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूफे यह विश्वास करने का कार्य है कि संधानको अने लेक्सिल का प्रविक्त अनुप्रार मृत्य, उसके द्रायमान प्रतिफल से एसे द्रायमान प्रतिफल के स्वह प्रतिफल से क्षाय सन्तरक (बन्तरकों) और सम्बद्धि (बन्तरितियाँ) के बीच एसे अन्तरक के निए तब सम्बद्धि परित्र से, निस्तिविक्त उद्दर्ध से सक्त सन्तर्भ के निए तब सम्बद्धि परित्र से सम्बद्धि के सम्बद्धित से सम्बद्धि के सम्बद्धित के समित्र के स

- (क) अंतरण से हुई किसी आम की मामत, उक्त अधितमा के अधीन कर दोने के बन्सरक के यदिवरण अ कमी करणे या उससे ज्याने तमें स्वित्य के भित्त और व्या
- (क) एसी किसी नाम या किसी पन या नन्य नास्तियां भी जिन्हें भारतीय नामकर निभिन्नम, 1922 (1922 का 11) या जानत निभिन्नम, या अन् निभिन्नम, या अन् निभिन्नम, या अन् निभिन्नम, 1957 (1957 का 27) वी अवाजनार्थ निम्ना निम्ना स्वाप्ति द्वारा प्रकट नहीं किया गणा भा ता विभाग ना ना निम्ना काना ना निम्ना पर्या का स्वाप्ति का ना ना निम्ना काना ना ना निम्ना काना ना निम्ना ना निम्ना काना ना निम्ना ना निम्ना काना ना निम्ना काना ना निम्ना काना ना निम्ना ना निम्ना काना ना नि

- महैय कुमार भर्मा।
- (झन्तरक)

  2. जनप्रिय फाडनेंस एवं डन्डस्ट्रीयल इन्वेस्टमेंट (इंडिया)
  ित्रिटेड ।

(ग्रन्तरिती)

को वह सूचना जारी करके पूर्वोक्ष सम्पृत्ति के वर्षन के सिक् कार्यनाहियां करता हु।

उत्तर संपत्ति के अर्थन के संबंध में कांड़ भी बाक्रेय :---

- (क) इस सूचना के रावपन में प्रकावन की तारीय वें 45 दिन की जबीध या तत्सवंधी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की वविष, वो वीं वविष मां संगाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किटी व्यक्ति हुनारा,
- (क) इस स्चना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उकत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारां वधोहस्ताकारी के पास चित्रकृष किए वा सकते।

स्यक्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त सम्बं और पर्यो का, श्री स्वयह विधिनयम के अध्याय 20-क में परिशाधिक है, वहीं अर्थ होया जो उस संध्याय जें दिशा गया है।

#### रमसंची

ंकण्ड पत्रीर,पेमिसेस एरिया, 1, एलेम्बि <mark>रोड, कलकत्ता ।</mark>

ग्राई० के० **गायेन** मक्षम प्राधिकारी यहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जनरेज-3, कलकक्ता

दिनांक : 7-1-1987

## प्रकथ आई. ही. एन. एस. -----

श्रायकर व्याधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

## **कार्यानय,** स**हायक जायकर आगुक्त (निर्राक्षण)** ग्रर्जन रेंज-3, कलकत्ता कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1987

निदेण सं ० 2420/एक्यू रेज-III/कल ०/86-87—स्त्रतः मुझे, श्राई० के० गायेन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मृत्य 1..09.000/- रा. से अधिक है

1.. 00,000/- रा. में अधिक हैं ग्रीर जिसकी गं 198 ए हैं. तथा जो एयामा प्रगाद मुखर्जी रोष्ठ, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उदाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण कर से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 14-5-1986 को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए उन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने के कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित अन्तरस करने के कारण है कि यथापूर्विक्त सम्पत्ति का उचित अन्तरस मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पदह प्रतिचात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलियन उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप में किथत नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (") एसी किसी आय या किसी धन या अन्यं आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-धनकर अधिनियम, वा धन-धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना धरीहरू था, छिपान को स्विध के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-६ की उपधारा (1) के अधीन, निरनेतिसित व्यक्तियों, अर्थातः :-- 1. म:जोनाथ वैनर्जी एवं श्रन्य ।

(भ्रन्रक)

2. कन्माल्टेन्टस कम्वाइन प्रोडक्ट्म।

(भ्रन्तरिती)

## को वह स्वना वारी करके पूर्वोक्त बन्गरित के वर्बन के विष् कार्यवाहियां करता हूं।

#### उक्त अंपरित के बर्जन के संबंध में कां वा भी काक्षेप :----

- (क) इस सूचना की राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर मुचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि के बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपत्र मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थावर संपत्ति मों हिस्बब्ध किसी अत्य व्यक्तित द्वारा अथोहस्ताक्षरी के पास सिक्ति मों किए या सकीगे।

स्पट्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त राज्यों और पदों का, जो जक्त कोर्यानसम, के अध्यास 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उस अध्यास में दिया समा है।

#### मन सची

जमीन 6 कट्ठा 6 छटांक, प्रेमिसेंस एरिया 198 ए, श्यामा प्रगाद मुखर्जी रोष्ट, कलकत्ता ।

> ग्रार्ट० के० गायेन मक्षम प्राधिकारी गहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्भन रेभे-1<sup>1</sup>I, कलकत्ता

दिनांक: 7-1-1987

## प्रस्प बाह्", टी. एष्. एष. ल्लान

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, सहायक यायकर मायक्त (निरीक्षण) महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेज-3,

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1987

कायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-क के अधीन सक्तम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावन सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी सं० 71 है, तथा जो विधित राम बिहारी बसु रोड, कलकत्ता में स्थित हैं (श्रोर इसने उधाबद्ध श्रतुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप में विधित हैं) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, कलकत्ता में रिजिस्ट्रीकरण श्रीधित्यम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 14-5-1986

को प्रांक्त सपरित के जिल्ल वासार भून्य से कम के क्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई हैं और मूम्में यह विश्वास करने क्या कारण हैं कि स्थाप्योंकित अन्योंका का अनित बाजार कृष्य उसके द्रावमान प्रतिफल सं, एमें व्ययमान प्रतिफल का पन्ति प्रति पन्ति प्रति पन्ति हैं और अन्तरिकों और अन्तरिती (अन्तरिक्षिणों) के बीच एक अन्तरित (अन्तरिकों) और प्राया ग्वा प्रतिक्रम, निम्नीनिक्त जब्दिक्स से उक्त करूप्ण विविद्य में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण मं हुए किली साथ की पांचतः, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के क्षिपरच में कभी करन या उससे क्याने में सुविधा के लिए; और/या
- (७) ऐसी किसी बाब या किथी अन या अन्य बास्तियां को, जिल्हों भारतीय प्राय गर की पनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, या अनकर अधिनियम, ग्रिक्ट की प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता बाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

ब्बः बद, क्यस विशिव्यय की धारा 209-त की अवस्रका में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-त की उपभारा (1) में क्यील, निम्नी लिखत व्यक्तिकों संभत् इ— बागरी स्टेट्स प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्देरक)

2. लोधा प्रमिसेम प्राइवेट लिमिटेड ।

(अन्तरिती)

को सह स्थान थारी करके प्यामित संपत्ति के वर्षन के निष् कार्यवाहियां शुरू करता हो।

जनत सःमरित के अर्थन के सर्थभ में आई भी बाक्सेप :----

- (क) इस ध्वना के राजपण में प्रकाशन की तारील वें 4.5 दिन की अविधियर तत्स्य स्वन्धी व्यक्तियाँ पर ध्वना की तामील से 30 दिन की व्यक्ति, को भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के शीतर पूर्वोक्त व्यक्तियाँ में से फिस्मी व्यक्ति द्वारा,
- (भ) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की लारीच से 45 दिन के भीतर उचत स्थाधर सम्मतित में हितबद्ध किसी अन्य स्थाधर, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास जिल्लास में किस् का सकेंगे।

रपष्टीकरणः -- इसमे प्रयुक्त शब्दो और पर्दों का, जा उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, तही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन्मणी

71, विभिन्न राथ बिहारी बयु रोड, कलकत्ता । জ্পাত एरिया 35000 वर्ग फुट ।

> श्राई० के० भाषेत्र सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-३, कलकत्ता

दिनांक : 7-1-1987

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन स्चना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज 3,

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी, 1987

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम' कहा गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका अधित वाजार भून्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रौर जिसकी संज पी-17 ए है, तथा जो श्राणुताय चौधुरी एमेनी, कलकता में स्थित है (श्रौर इसने उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजर्स्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय, सक्षम प्राधिकारी, कलकत्ता में रिजर्स्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनाक 14-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान अतिफल के लिए अंतरित की एदं हैं और मृझं यह विद्शास करने का कारण है कि यश्रापूर्वोक्त मंपिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल सं, एोस दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिद्यति से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अंतरण संहुद्धे चिक्तां आयं का बावतः, अक्त अभिनियमं के अधीन कर दनं क अंतरक के द्वाधिक में कमी करने या उससे वजनं र मृश्विधा के लिए, और/या
- (श) एसी किसी आय या किसी यन या अन्य आस्त्या को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) या उक्त अधिनियम, पा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 को 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गमा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

कतः कतः, उक्त अधिनयम की यास १५०० के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनयम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के कभीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

माल्लिकन बिल्डर्स लिमिटेड ।

(अन्तरक)

2. महादेश प्रभाद पोद्दार एवं ग्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करक प्रयोवत सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वाध्येष : -

- (क) इस रूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वे कित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीक्ष सं 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्बंति मां हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेने।

स्पञ्चीकरण:---इसमे प्रयंक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त की ध-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय में दिया सर्व क्षे

## अन्स्खी

यृतिट तम्बर 5 सी छयतल्याः, 2400 वर्गे फुट, प्रेमिसेस का तम्बर पी-17 ए, अराणुतोप चौध्री, चौध्री एमेनिर्ट, कलकत्ता ।

> श्राई० के० भायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-111, कलकत्ता

दिनोक : 7-1-87

प्रस्य बाह', टी. एव. एव. ----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) व अधीन स्वता

#### मारत सरकार

## कार्यात्रय, सहस्यक वायकर बावक्त (निर्देशक)

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज-3

कलकता, विनांक 7 जनवरी 1987

निदेश सं० 2423/एक्यू० रेंत्र-III/कल०/86-87—म्रतः मुझे ग्राई० के० गायेनं,

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसमें स्वार्क वस्तास् 'उस्त अधिनियम' कहा गया हों), की बारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हो कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-रा. से अधिक ही

ग्रौर जिसकी सं० 24/1 है, तथा जो वाणिज्य सरकुलर रोड, कलकत्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 14-5-1986

को प्रांक्ति सम्पत्ति के उचित बाबार मृज्य से कम के क्यमान प्रिक्ति को लिए अंतरित की गई हैं और मुक्के यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोकत सम्पत्ति को उचित बाजार भूत्य, उसके द्वाराम प्रतिकल से, एम नम तन प्रतिकल का चन्द्र प्रतिक्रत से अधिक हैं तौर बंत है (वें रक्तों) और बंतरिक्ष (बन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गमा ववा प्रतिक्रत निम्निविधित उद्देश्य से उक्त बंतरण जिला में पास्तिक क्य से कांचर की कांचरण के सिक्त का जिला का

- (क) अन्तरण स हइ किसा आय का बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दन के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन था अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957, का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269 ग के अनुसरण में, मैं, उनत अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

श्री देवन्नत बोस, एवं ग्रन्य ।

(ग्रन्तरक)

 ग्रथ्यर कन्स्ट्रक्शन्स एवं कन्सल्टेन्ट्स प्रा० लि० । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पृत्रों वत सम्पत्ति के अर्जन के जार्यवाहियां करला हूं।

उबत सम्पत्ति के अर्थन के सबंध में कार्य भी नामाप---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाइन की तारीख से 45 दिन की जबीध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की ताराल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वाररा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरेंगे।

स्पद्ध केरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों और उद्दों का, जो उबन अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हं ना को उस अध्याय में दिया

#### अनुसूची

जमीन 27 काठा 36 वर्ग फुट, प्रेमिसेस नम्बर 24/1, 'वाणिज्य सरकलर रोड. कलकत्ता ।

> ग्राई० के० गायेन संक्षम प्राधिकारी सहायंक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज- कलकत्ता

दिनांक : 7-1-8' मोहर : प्ररूप आर्द्: टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के अधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय , सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-III

यलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1987 निदेश मं, 2424/एक्यू रेज- /कल०/86-४7-- यतः मुझे, प्राई० के० गायेन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

ग्रीर जिसकी सं 2/1 है, तथा जो तोपार गार्डन स्ट्रीट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इसमें उपावद्ध श्रनुमूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विजित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय सक्षम प्राधिकारी, कलवत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रूप्रिधितयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन दिनांक 11-5-1986 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल में एसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलियत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण रां हुई किसी आये की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को., जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनूसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— मोहर:

- 1. दिन टुल्स एवं कन्सदूक्शन्स, (इंडिया) प्रा० लि०। (अन्तरक)
- सुगम मार्केटाइल्स प्राइवेट लिमिटेड।
   (ग्रन्निरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वेक्सं सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति को अर्जन के संबंध मा कांई भी आक्षंप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविश्व या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीले से 30 दिम की अविधि, जो भी अविधि बाद मं समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पंत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षोहस्ताक्षरी के गाम लिखित में किए जा संकोंगं।

स्पष्टोकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, को अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा जो उसे अध्याय में दिया गया ही।

#### अन्स्ची

प्लाट नम्बर 1-5 एन्ड 1-ए, प्रेमिगेस नम्बर 9/1, तापगर गार्डन, स्ट्रीट, कलकत्ता ।

य्राई० के० गायेन सक्षम प्राधिकारी सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज-III, कलकत्ता

दिनांक : 7-1-1987

प्ररूपः, बार्षः, री. एन्... एवः ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269 आ (1) के अधीन स्थना

#### नारत सरकाह

कार्यालय, सहायक जायकर आयुक्त (निरीक्ज)

महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज-3

कलकत्ता, दिनांक 7 जनवरी 1987

निदेश सं० 2425/एक्यू रेंग III-/कल०/86-87 म्रतः मुझे, भ्राई०के० गायेन,

आयकर अधिनियम् ,1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-त्य के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का का कारण हो कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, 1,00,000/~ रु. से अधिक हो

ग्रीर िक्सकी सं० 2/6 है, तथा जो शरत बोस रोष्ट, कलकत्ता में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप में बिणत है) रिक्ट्री हुनीं ग्रिधिकारी के कार्यालय महायक ग्रायकर प्रायुक्त निरीक्षण), ग्रर्जन रेज-3, कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन ग्रिधीन दिनांक 14-5-1986

को पूर्वेकित सम्पत्ति को अभित बाबार मृत्य से कम के स्थ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विख्यास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्थ्यमान प्रतिफल को पंत्रह प्रतिकात से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) जार अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया , गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखिता में पासाविक कप से की 24 नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, खकत अधिनियम के अभीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृतिश्रा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आफ्रिक्सें को, जिन्हों भारतीर आयकर अधिनियभ, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती दुवारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्किरण के लिए:

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुवरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (१) के अधीन, निम्निखिखित व्यक्तियों, अर्थातु :---- 1. लयान्स डाउन प्रापटींस जिल

(ग्रन्तरक)

2. भ्रम्बा उद्योग, ि०

(ग्रन्तरिती)

को यह मुबना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए अध्यवाहिया कुरु करता

## जनत सम्पत्ति के तर्जन के दोर्दंध हों कोई भी बास्टेट डा—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि नाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्च व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारो;
- (ख) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित- बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

भ्यक्षीकरण: — इसमा प्रयुव्ध क्षव्यों और पर्यों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हाँ, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया हाँ।

## **मन्**स्ची

स्पेस नं० 5, 6, 7 एन्ड 8 स्रीर 2 कार पार्किंग स्पेस । क्षेत्र०: 6474 वि० फुट।

> श्रार्ट० के० गायेन सक्षम प्रगधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंग-3, कलकत्ता-16

दिनांक: 7-1-1987

प्रकृष आहे. हो. एत. एस.-----

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 को 43) की भारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कायनिया, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज -2, बस्बई

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्ब 1986

र्देश सं० श्रार्ड- 2/3 7र्टर्ड/ 34336/85-86-------श्रतः मुझे . के० सी० गाः,

आयकर अधिवियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें असके पश्चात जिसे अधिवियम कहा गया हो), को भारा 269-क के अधीन समय प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर संपत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/रा से अधिक हो .

ग्रींर जिसकी सं. शाप नं० 7, नवरंग लार, बम्बई-52 में स्थित है (ग्रींर असे उपादह ग्रनुसूची में ( र्ण रूप से विद्यात है) ग्रीर जिसका करारनासा ग्रायकर ग्रिधिनियम, की धारा 269 के खे के ग्रीधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्याज्य बम्बई में रिजस्टी है दिना । 30-5-1986

की पूर्विक्स सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से काम के हर्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गर्ब है और मुक्ते. यह विश्वास का रंगे का कारण ही कि प्रशाप किया के लिए का उचित बाजार मूल्य, उसकी अभ्याना प्रतिफान में एस प्रण्यान प्रतिफान भी पन्स प्रतिफान भी पन्स प्रतिफान भी पन्सह प्रतिचात से मधिक ही भीर मन्तरिक (अन्तरिकों) और बन्तरितीं (अन्तरितियों) के बीच एमें अन्तरण को मिए तथ प्रमा गणा प्रतिफान, निम्निलिखित उद्देष्य से उच्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण सं हुर्ड किसी आय की ब्राव्स, उक्त आंचितियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एमी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जना चा हुए था, हिष्याने में मृत्रिकं के लिए;

अतः अबः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्मरण मों, मौं. उक्त अभिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— श्री दोदी त्रेंकटणा सुदणन ।

(भ्रन्तुरक)

2. श्रीमती कविता जी० नारंग ग्रीर

श्री मुकेश जी० सारंग।

(ऋन्तरिती)

(बह व्यक्ति निभक्ते अधिभाग में सम्पत्ति है)

का यह श्रुचना **पारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के अर्चन के किए** न्यर्गवाही शरू करता हो।

उनत राम्पील को अर्जन को सम्बन्ध में काई भी नाक्षेप 🖫

- (क) इस सुचना के राजध्य माँ प्रकाशम की राजध्य से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर मंगरित माँ हिन्छ-बद्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी से पाम विक्ति में किए जा सकींगे।

स्यव्यक्तिरकः --इसमी सम्बन्ध गब्दों सौर पर्यो का, को उपक विभिनियम के बन्धाय 20-क मी प्रिशिष्ट हो, भन्ना अब होगा, को सम कन्याय मी विश्वप्त भगा हो।

#### अन्सची

श्रनमूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-2/37ईई/3336/85-86 श्रीर जो संक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारो दिनांक, 30-5-1986 को रिजन्टई किया गया है।

> के० मी० शाह् सक्षम प्राधिकारी महायक द्यायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 18-12-1986

प्ररूप आहूर. टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनिम, 1961 (1961 का 43) की धारा) 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 18 दिसम्बर 1986

निर्देण मं० ग्राई-2/37ईई/34337/85-86—ग्रातः मूझे, के० सी० शाह.

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षमे प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/एउ से अधिक है

श्रौर जिसकी पलेट नं० 17ए नवरंग खार बम्बई-52 में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 30-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित जाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से एते दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्दिरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे उन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देष्य से उक्त अन्तरण लिखत वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरफ के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/शा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य अस्तियं कां, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर) विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाँहए था, छिमार में मिंचभा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उस्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

9-446GI/86

- श्रीमती कविताजी० नारंग श्रौर मुकेश जी० नारंग (ग्रन्तरक)
- 2. श्री दोदी वेंकटप्पा मुदर्शन।

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरिनी ।

(वह व्यक्ति जिसके ग्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यधाहियां करता हूं।

उभत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध दिन्सी अन्य यिकत द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकना।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्दों का, जो उक्त अधिनियस, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्या है।

#### अनुसूची

फ्लेट नं० 17ए जो तल मंजिल नवरंग श्रॉफ लीकिंग रोड, बार, बस्वई-400052 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि कि० सं० श्रर्ध-2/37ईई/34337/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1986 को र्ज्युस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्रोधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन <sup>र</sup>ज-2, बम्बई

दिनांक: 18-12-1986

## प्रकृष कर्रा है हों। एक् प्रकृतकार

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के बभीन सुचना

भारत गरकार

कार्यालय, यहायक आयकर आयुक्त (निरीक्रण)

ग्रर्जन रेंज-7, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर 1986

निर्देश मं० ग्रई 2/37ईई/33852/85-86—- ग्रतः मुझे, के० सी० शाह.

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें परवार 'उनत अधिनियम' कहां गया हैं), की भारा 269-स के अधीन सक्षम प्रोधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उजित आजार मूस्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

ग्रौर जिसकी सं क्याला, इन्दू हाउस, माहीम, बम्बई में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबब ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारीके कार्यालय, बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 2-5-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इश्यमान प्रतिफल के सिए अन्तरित की गर्द और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण हैं

किं यथा पूर्वेक्त संपत्ति का उचित बाजार मृख्य, उसके ध्रयमान प्रतिफल से, एसे दृष्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और बंधरक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य हे उक्त अंतरण लिकित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया क्या है

- (क) क्ष्यरण संहूर शिक्षकी साथ की बावछ, स्वयर विभिन्निक के श्वील, कार दोने के श्वाहक हैं। यायरथ में कमी करने मा उत्तते वचने में सुविचा के लिए; श्रीर/पा
- (क) ऐसी किसी नाव या किसी धन या जन्य जास्तियाँ को जिन्हों भारतीय नाय-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उत्तर अधिनियम, वा अप-कर विधिनियम, वा अप-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) की प्रयोधनार्थ जन्तिरिती ब्वारा प्रकट नहीं किया भवा वा वा किया वाना थाहिए था, किया से स्विधा के निए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुमरण मं, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के गधीन, निम्नलि**सित स्पक्ति**मों, अर्थात् :—— 1. एईएम इंजीनियरिंग कंपनी।

(श्रन्तरक)

विशाल मार्केटिंग प्रायवेट लिमिटेड।

(ग्रन्तरिती)

को बहु सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के जिए कार्यनाहियां करता हुई।

बन्द सम्पृतिः के वर्षम् के संबंध में कोई भी नाक्षेप हिन्स

- (क) इस स्थान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीण से 45 दिन की जविभि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्थान की तामील से 30 दिन की जविभ, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थानत हुवारा;
- (व) क्लं सूचमा के राजपम में प्रकाशन की तारीश से 45 दिन के भौतर उक्त स्थावर सम्मित् में हित-व्यथ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, स्थोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उत्कल अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं कर्ष होगा जो उब अध्याप में पिका गया हैं।

#### वनुसूची

गाला जो पहली मंजिल, इंदू हाउस, प्लाट नं० 1218, टी० पी० एस० 4, बीर सावरकर मार्ग, सिद्धि विनायक मंदिर के सामने, बम्बई में स्थित है।

अनुभूची जैसा कि कि० सं० अर्ड 2/37ईई/33852/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी धम्बई द्वारा दिनांक 2-5-1986 को रजिस्टुई किया गया है।

> के० सी० शाह मक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेज-2, बम्बई

दिनांक: 18-12-1986

प्ररूप आई.टी.एनं.एसं.-----

आयर्कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर 1986

निर्देश सं० म्रई 2/37ईई/33968/85-86—म्ब्रत: मुझे, के० सी० शाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269- ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारणे हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

और जिसकी सं० पलट नं० 5ए, समर पेलेस, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप सं विणत है) अंदि जिसका करारनामा आयकर अधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम श्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिगस्टी है दिनांक 9-5-1986

को पूर्वेक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के इष्ट्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके इष्ट्रयमान प्रतिफल से एसे इष्ट्रयमान प्रतिफल का पढ़ प्रतिकात से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निग्निकित उद्देश्य से उबत अन्तरण निश्चित बास्तविक रूप से कथित नहीं निक्या गया है:----

- (क) जन्तरण से हुई किसी आयं की बाबत, उक्त जिभिनियम को अभीन कर दोने के बन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उससे वृजने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) ऐसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों का, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :— 1. श्री नमीलील गोपालन, भास्करन।

(अन्तरक)

 सरदारनी परमींदर श्रहलूबालिया भ्रौर सर्वदीय सिंह जगजीत सिंह पैंटल ।

(ग्रन्तरिती)

3. श्रन्तरक ।

(वह व्यवित जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्विक्तं सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीलं से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि आद भे समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिसित में किए जा संकोंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, बही अर्थ हांगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

### **जन्**स्ची

फ्लोट नं० 5 ए, जो समरपेलेंग 61 बी, नर्गीस दक्त रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-2/37ईई/33968/85-86 ग्रांर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक-5-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० णाह् सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज -2, बम्बई

दिनांक: 18-12-86

## प्रकम कोड<sup>ी</sup>ं डॉंड प्रमाड प्रमाड-सम्बद्ध

नावकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) नहीं भारा 269-न (1) के अधीन स्थाना

#### भारत गढनाड

## कार्यालय, सहायंक भायकर मायुक्त (निर्माशक)

ग्रर्जन रें ज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/34328/85-86-- अतः मुझे, के० सी० शाह,

भायकर अधिनियम , 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'ज्ञथत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-क के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

ग्रीर जिसकी मं० ग्राफिस नं० 407, माधवा, बान्द्रा, (पु०), बम्बई-51 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधि-नियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन मक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 30-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उत्पित काचार मुख्य से कम के वनसमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है

कि सभापूर्वोक्स सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्य-मान प्रतिफल से, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्प्रह प्रतिशत से विधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्ल-सिवित उद्देश्य से उक्ट जंतरण लिखित में वास्तविक रूप वे किथित नहीं किया गया है :----

- (क) अन्तरण वं हुवं कि की भाग की बाबता, उनके अधिनियम के बधीन कर दोने के अन्तरका के खिनला में कभी करने मा उससे बचने में मृदिधा के सिएह और/मा
- (प) एसी किसी बाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अभिनित्रण 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोज-नार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया यथा धा या किया जाना चाहिए था स्थिपाने मो अधिका से सिए:

लक्षत सब्, उस्त विभिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, अं उस्त विभिन्यम की भारा 269-भ की उपभारा (1) के अभीन, निम्नलिखित व्यक्तिस्यों, अर्थात् :---

- नव भारत इन्सूलेशन एन्ड इंजीनियरिंग कंपनी।
   (श्रन्तरक)
- श्रीमती विना मीट्टल, श्रीमती पूनम गुप्ता ग्रौर श्रीमती सुनिता गुप्ता ।

(ग्रन्तरिती)

को बह बुचना वारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के वर्षन के सिष् कार्यवाहियां सुक करता हुते ॥

उक्स सम्मतिः के अर्थन के सम्बन्ध में कीई भी बाबोप हन्न

- (क) इंड सूचना के राजपण में प्रकाशन की वारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों का सूचना की तांगील से 30 दिन की वविष, को भी जबिश बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में से निसी व्यक्ति दुवारा
- (व) इस स्वना के राजपंत्र में प्रकावन की तारीब व 45 विन के बीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल्बक्ष किसी बन्य व्यक्ति पुकारा अभोहस्ताकरी के पाद अरु आ सकीये।

स्वध्यक्तिरण: ---इसमें प्रयुक्त सन्दों बीर पदी का, वो उपक विनियम के प्रभाष 20-क में परिभाषित हो वही वर्थ होगा, वो सस अभ्याय में विकः सवा हो की

#### 411

ग्राफिस नं० 407, जो चौथी मंजिल, माधवा बिल्डिंग, प्लाट मी-4, ई-ब्लाक, बान्द्रा, कूली कर्माशयल कम्पलेक्स, बान्द्रा, (पु०), बम्बई-400051 में स्थित है।

अनुसूची जैंसा कि कि० मं० अई-2/37ईई/34328/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ब्रारा दिनांक 30-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक यागकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज-2, बम्बई

दिनांक 18-12-86

मोहर 🛭

प्ररूप आहु .टी. एतं. एस . -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन स्चना

भारत सरकार

कार्यालयः, सहायक आयकर आयुक्तः (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/34354/85-86—श्रतः मुझे, कें सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसं इसमें सिकं पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया हो), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

स्रौर जिसकी सं० स्राठवी मंजिल, फ्लैंट, बांदा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इसमें उपाबद्ध स्नुसूची में श्रौर जो पूर्ण क्ष से विणित है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्टी है दिनांक 30-5-1986

हो पूर्वेक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्सरित की गई है और मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वेक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके द्रयमान प्रतिफल से एसे ध्रयमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और (अंतरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एस अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित बास्तिवक रूप से कथित नहीं निकया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आये की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या जन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सिवधा के लिए;

अतः अबं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

 श्रीमती जसोती मिरचंदानी और श्रीमती विद्या जे० मिरचन्दानी।

(भ्रन्तरक)

2. श्री मुनिल ए० हिगोरानी।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारोक्ष, से 45 दिन को अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीले से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्वारा;
- (स) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: — इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>‡</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उसे अध्याय में दिया गया है।

#### जनुसूची

श्राठवीं मंजिल पर फ्लैट तेरेस, पाकिंग, स्पेस श्रौर गैरेज के साथ, जो निवाना बील्डिंग, दांडा, पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

प्रतुसूची जैसा कि करु संरु प्रई-2/37ईई/34354/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1986 को र्राजस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह गक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 18-12-86 मोहर: प्ररूप आर्इ. टी. एन. एस.----

आयंकर अधिनियम, 1961(1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) स्त्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० अई-2/37ईई/33948/85-86—श्रतः मुझे, के० सी० शाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पर्वात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ल के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 1, ले-पापेयोन, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 कला के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 9-5-1986

को पूर्वाक्त सम्पित्त के उचित बाजार मूरा से कम के दृश्यमान प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपित्त का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तर्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से किथत नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/शा
- (ख) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिषाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के, अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम को धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्ः——

1. मैसर्स कैलाग कन्स्ट्रक्शन कम्पनी।

(ग्रन्तरक)

2. श्री कल्यान कांजी पटेल श्रीर श्रन्य ।

(भ्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

ज्वत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्ना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स बन्धी व्यक्तियों एर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकरी।

स्पष्टीकरणः - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्कत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### भम्सूची

फ्लैंट नं० 1, जो भ्राठवीं मंजिल, ले-पापेयोन, माउन्ट मेरी रोड, बान्द्रा, बम्बई-40.0050 में स्थित है।

भ्रमुसूची जैसा कि क सं० भ्रई-2/37/ईई/33948/85-86 भ्रौर जी सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बम्बई

दिनांक 18-12-1986 मोहर:

## प्रकल कार्य टी हर हर हर ह

## नायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43<u>)</u> की भारा 269-च (1) के बधीन स्चमा

#### भारत तरकार

## कार्याभय, सहायक बावकर आवृक्त (निरीक्तन)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बर्ड

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० ब्राई-2/37ईई/33876/85-86--ब्रन: मुझे, के० सी० शाह

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचातु 'उक्त अधिनियम' कहा गया है।, की भारा 269-च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विकास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

श्रौर जिस्की सं० फ्लैट नं० 34, नवरोज श्रपार्टमेंट, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थित है (श्रौर इससे उपाबंद्ध ग्रन्सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बर्ड में रजिस्ट्री है दिनांक 5-5-1986

को पूर्वेक्ति सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के एक्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल से एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिसत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और बन्तरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरच के ब्रिए तक गया गया प्रतिकेल, निम्नसिधित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिसित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) बन्तरण सं हुई किसी बाय की बावत, उक्त विधिनियभ के वभीन कर दोने के बन्तरक के दासित्व में कमी करने या उससे बचाने में शुविधा वायित्व के सिए; और/मा
- (च) ऐसी किसी अगव वा किसी धन या अन्य वाहिलाकों के जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, का धन-कर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) अहै प्रयोजनार्थ जन्तरिती वृकारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, ख्रिपार से सुविधा वे निए:

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग को अन्सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् 🥲

श्री सलीम भाषुरवाला और श्रीमती । राग तहीर शापूरवाला ।

(श्रन्तरक)

2. शापुरजी पालीनजी एन्ड को० प्रायवेट लिमिटेड । (भ्रन्तरिती)

को बहु सुचना बारी करके पूर्वोक्त कम्परिक के वर्जन के विश् कार्यवाहियां सुरू करता हूं।

## बन्ध सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध के आहे भी बाक्षेत्र रू--

- (क) इस सुचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी ध्यक्तियाँ सचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अविभ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकर व्यक्तियों में किसी व्यक्ति द्वाराः
- (स) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस ह 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्परित में हित-बद्दभ किसी अन्य व्यक्ति दुवारा, अभोहस्ताक्षरी व पास निवित में किए जा सकेंगे

स्पच्छीकरण :----इसमा प्रमुक्त शन्यों और पदों का, अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं वही अर्थ होगा, को उस अध्याय में विदा गया है।

#### वन्स्पी

फ्लैट नं० 34, जो तीसरी मंजिल, नवरोज अपार्टमेंट, 66 पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

ब्रन्सूची जैसा कि कल संल अई-2/37ईई/33876/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 5-5-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> ∙के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक 18-12-86

प्रस्थ आह<sup>5</sup>.टी एन एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ए (1) के अधीन स्चना

#### भारत संरक्षार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरोक्षण) ग्रजन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर, 1986 निदेण सं० आई-2/37ईई/34226/85-86---अतः मुझे, के० सी० शाह,

आपकार अधिनियम, 1961 (1961 का 43) जिस इसमें इसके पण्याद् 'उद्धर अधिनियम' कहा गया है, को धारा 269-म के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह निश्यास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 6, पाल्म ग्रोव श्रपार्टमेंट, बान्द्रा, बम्बई-50 में स्थिन है (श्रौर इ.से उपाबद्ध अनुसूची में ग्रौर जो पूर्ण कप से विणित है) श्रौर जिपका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 22-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रार मुभे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त रोपित का उपित बाजार मृत्य, अनक रक्षमान प्रातफल से, एरें ध्रयमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से आंच्छा है बाद बंतरक (अंतरकाँ) और अंतरिती (अंतरितियाँ) के बीच एरें अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निस्तिनिवन उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य में कथित नहीं किया गया है

- (क) अफ्तरण संदूष्ट किसी जाम की बाबत, सकत साधिनियंत्र के सभीन कार दोने के अन्तरक क दायित्व में कभी करने या उससे बच्चों में मुविधा के लिए; सौर/या
- (क) एकी विक्षी आव वा किसी अम या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 को 11) वा उक्त किधिनियम, वा धनकर विधिनियम, 1957 (1957 को 27) हे प्रयोजनार्थ अन्तरिती व्यास प्रकट सहीं विद्धा नया था पा किया जाना चाहिए था, कियाने को अधिका के किए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :---

1. कुमारी चेरीयल मेरी कुटीन्हो ।

(भ्रन्तरक)

- एरिक जासैफ मिरांडा और लूईसा मिरांडा । (अन्तरिती)
- अन्तरिती ।

( वह व्यक्ति जिसके श्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना चारी करको पूर्वोक्त सम्परित के कर्चन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत संपत्ति के वर्जन के संबंध में कोई भी बाधोप :--

- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्संबधी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की जनिध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथीवत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यागत;
- (%) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबव्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्लारा अधाहस्ताक्षरों के पास निवित्त में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, था उन्त निधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं नर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### नगसर्ची

फ्लैंट नं० 6, जो छटवीं मंजिल, पाल्म ग्रोब, ग्रपार्टमेन्ट, प्लाट नं० 162, टी० पी० एस० 4, कोरवेन्ट रोड, बान्द्रा, ब्रम्बई-400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैशा कि कि० सं० श्राई-2/37ईई/34226/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 22-5-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० शाह सक्षम पाधिकारी महायक श्रायंकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2. बस्बई

दिनांक 18-12-1986 मोहर : 

# वक्ष बाह्", टी. एन. एस . \*\*\*\*

आयकर अधिनियम, 1961 (191 का 43) की भारा 269-थ (1) के अधीन स्चना

#### माउव वरकार

# कार्यालय, सहायक जायकर जाय्क्त (विरीक्षक)

श्चर्जन रेंज-2, बम्बई

ई, दिनांक 18 दिसम्बर 1986

निदेश सं० श्रई-2/37ईई/3412/85-86--श्रत: मुझे, कें० सी० शांह

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस

कौर जिसकी सं पर्लंट न 3 एनं , श्रप्परा साययें।, बान्द्रा, बम्बई – 50 में स्थित है (श्रीप इससे उपाबंध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 30 – 5 – 1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के स्वित बाकार मृत्य से कम के स्वयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्मे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्वयमान प्रतिफल सं, एसे दश्यमान प्रतिफल के क्लाइ प्रतिकात से अधिक है और बतरक , तरकों) यार अविष्ति (वंतरितियों) है ग्रीच एसे अंतरण के लिए तय पाया क्ला प्रतिकात निम्मिक्तियाँ उप्रदेश से उसत अंतरण सिक्ति में बास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उसत अधिनिवस के अधीन कर दोने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) एसे किसी जाब या किसी धन या अन्य आस्तियों की, किसी नायकार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) औं अयोजनार्थ अन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था वा किया थाना चाहिए था. कियाने में सुविधा के लिए।

वंत: अथ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसर्थ में, में, शक्त अधिनियम की धारा 269-क की उपधारा (1) से अधीन, निम्निलिकत व्यक्तियों अर्थात् प्र---

10 —446GI/86

(1) श्री व्ही एस० द्वारापलक।

(श्रन्सरक)

(2) शीमती स्वामी जी० सेट्टी।

(भ्रन्तरिती)

को वह सूचना भारी करनी पूर्णोक्य संस्थित में सूर्यन से जिसे कार्यपादियां सूक केर्या हुएं।

## उपस् प्रान्यसि में बर्चन में बन्चन्य में कोई थी मामीर :----

- (क) इस बुज्जा के राजपून में प्रकाशन की तारीं थे 45 दिन की बनिय वा तत्त्रभ्वीत्म व्यक्तियों पर बुज्जा की तारीं वा से 30 दिन की बन्धि, को बी नविष नाव में तमाप्त होती हो, के मीतर प्रविक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्यक्ति व्यक्ति व्यक्
- (क) इस सूचना के एकपण में प्रकारण की तारीच के 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्मत्ति में हितवक्ष किसी बन्म व्यक्ति ब्वार व्यक्ति स्थाहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्वक्रीकरण ह—-इसमें प्रयुक्त कृष्यों और पदों का, जो उक्त विधिनयम के अभ्याय 20-क में परिभाषित इति, हड़ी वर्ष होगा को उस कभ्याय में दिया कृषा है।

#### अनुसूची

पलैट नं० 3 एन०, जो तीसरी मंजिल, अप्सरा को० ग्राप० हाउसिंग सोसाधटी निमिटेड, 61-भी, पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई 400050 में स्थित है।

श्चनुसूची जैसा की कः सं० श्चर्ड-2/37ईई/34312/ 85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह मक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन रेंज-2, **बम्ब**ई

नारीखा: 18-12-1986

∄ोहर:

प्ररूप आई. टी. एन. एस.----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

## भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, विनांक 18 दिसम्बर 1986

निवेश सं० भ्रई-2/37ईई/34320/85-86----- प्रतः मुझे, के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रोधिकारी को यह विख्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000//- रहे. से अधिक है

भौर जिसकी सं फलैंट नं 18 सी व व्ही व यू व पेलेस, बान्झा बम्बई 50 में स्थित है श्रीर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में शौर पूर्ण रूप से विणित है श्रीर जिसका कारनामा श्रायकर अधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दी है तारीख 30-5-1986

को पूर्वों कत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
- प्रतिफल को लिए अन्तरित की गई है और मूम्मे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वों क्स संपत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अंतरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तथ
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई िकसी आप की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करमे या उससे बचने में सूविधा के लिए; और/मा
- (ख) एंसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग कें, अनुसरण ं . मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) कें अधीन, निष्निविधित व्यक्तियों, अर्थात्:—— (1) श्रीमती राघा उधाराम लूथ्रीया

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमतो मनजीत श्रम रजीत सिंह कौर (अन्तरिती)

कां यह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यथाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कांई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूच्या के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्स बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्वेक्ति व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकरें।

स्पटिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

# अनुसुची

. फलैट नं० 18 जो पांचवीं मंजिल सी व्हीयू पेलेस को०-प्राप० हार्डीसंग सोसायटी लिमिटेड 48 पाली हिल बान्डा, बम्बई 400050 में स्थित है।

श्रनुसूची जैसा की कि० सं० श्रई-2/37ईई/34320/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1986 को रजिस्टई किया गया है।

के० सी० माह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख: 18-12-1986

प्रक्रम बाह्री हो । यन , एस , महन्यान

बायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) को भारा 269-व (1) के बधीन सूचना

#### शारत बढ्रकाड

# आयश्चिम, सहायक जामकर बागुक्त (गिद्धक्रिक)

श्रर्जन रेंज-2, बम्बई•

ं बम्बर्ट, दिनांक 18 दिसम्बर 1986

निदेश सं० प्रई-2/37ईf/33962/85-86--प्रतः मुझे, के० सी० णाह,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 169-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 1,00,000/-छ. से शिथक है

प्रौर जिसकी सं फलैट नं 602 मार्बल प्रार्घ बान्द्रा. बस्बई 50 में स्थित है श्रौर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है श्रौर जिसका करारनामा आयकर श्रिक्षित्यम की धारा 269 के ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी, के कार्यालय बस्बई में रिजस्ट्री है, तारीख 9~5-1986 को पूर्वों कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्ध्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूके यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्ध्यमान प्रतिफल के एसे द्ध्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से अधिवा है और अंतरिक (अंतरकों) और अंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण तिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है :—

- (क) अन्तरण से हुईं किसी आय की बाबस,, उक्स अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के यायित्व में कमी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; और/या
- (क्र) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अंतरिती क्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, क्विपाने में सुविधा के सिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधि निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्री नानीक राम कोडूमल कृकेजा

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती गनेशीबाई चूहरमल क्नेजा (ग्रन्तरिती)

को यह स्थान जारी करके पूर्विक्त सम्भात्त क अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन क सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना का तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुदारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब्द्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

### अनुस्ची

फलैंट नं० 602 जो छठवीं मंजिल मार्बेल श्राचें श्रीमायसेस को० श्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड 94 पाली हिल, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

श्रमुसूची जैसा की कि० सं० श्राई-2/37ईई/33962/85-86 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1986 को र्राजस्टडं किया गया है।

के० सी० शाह सक्ष प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त(निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, **बस्**बई

तारीख: 18-12-1986

प्रक्ष बाई.डी.एन्.एस.-----

बानकर वीपीनवय, 1961 (1961 का 43) की

भारत 259-म (1) में वधीन व्यक्त भारत सरकार

ापनिय, सद्दायक नावकर नाय्क्त (निरीक्तन)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर 1986

निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/34138/85-86--ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

भारतकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्रधिकारी का यह विश्वास करने का कारण ह' कि स्थावर सुन्यति, जिसका उधित बाजार मून्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भीर जिसंकी सं० फलैट नं० 201 बान्द्रा भ्रनिता बान्द्रा बम्बई 50 में स्थित है और इसमें उपाबद्ध भ्रनुसूची में भी? पूर्ण रूप से बर्णित है भीर जिसका करारनामा भ्रायकर भ्रधिनियम की धारा 269 कख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है। तारीख 9-5-1986

को प्रॉबर तम्पत्ति के जीवत बाबार मृस्य से कम के स्थ्याष्ट्र हिस्सक के लिए अंतरित को गई है और मूक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथाप्यों का मम्मील का किया वाकार मृत्या, उसके दश्यमान प्रतिफल सो, एसे दश्यमान प्रतिफल का प्रमृह प्रतिचय से अधिक है और अंतरक (अंतरका) और वंतरिती वंतरिता के बीच एसे बंतरक से लिए तम पामा नमा प्रतिक क्ष्म निम्मतिवित उद्योग से उनत बंतरण निवित में वास्तर विक क्य से किया गया है :---

- (क) अंतरण ये हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम को अधीन कर दोने के अंतरक के दायिएक के कमी करने या असले बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एंसी किसी आय या किसी ध्व गा अन्य आस्तियां को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, या धव-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ जन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- (1) श्रीमती बेला फर्नान्डीस

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुन्दरी एस० थडानी

, अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारके पृथीवत सभ्यति के सर्वन के लिए कार्यवाहियां करता हुने।

उक्त सम्परित को अर्जन को सम्बन्ध में कोई भा आवाप ५---

- (क) इस स्थान के राजपण में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन को लगींच या तरसम्बन्धी स्पित्तवों पर स्थान की तामील से 30 दिन को अवधि, जो भी अवधि साद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट स्थितवों में से किसी व्यक्तित द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में द्वित विद्या किसी मन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पास निवित्त में किए का सकेंगे।

स्थादीकारण — इसमे प्रथवत शब्दा आए नहीं का, को जनस विश्वनियम के सध्यात 20-क में परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में पिया गमा है।

# अनुसूषी

फलैंट नं० 201 जो दूमरी मंजिल, बान्द्रा म्निता प्रिमायमेस को० म्राप० सोसायटी लिमिटेड प्लाट नं० सी/ 468 पाली रोड, बान्द्रा, बम्बई-400050 में स्थित है।

प्रमुक्ती जैसा की कि० सं० प्रई-2/37ईई/34138/85-86 भ्री॰ जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 9-5-1986 को रिजस्टर्ड िया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायशर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

नारीख: 18-12-1986

स्पन् मार्च . हर्रे . एव . सूत्र . -----

भाषकत वर्षित्वम्, 1961 (1961 का 43) की धारो 269-म (1) के अभीन स्थान

#### 

# कार्यानय, सहायक बावकर बायुक्त (निरीक्त)

म्रर्जन रेंज-2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर 1986 निदेश सं० प्रई-2/37ईई/34136/85-86—ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

नावकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (विश्व इसमें इसके परचात् 'उनता अधिनियम' कहा गया हु"), की धारा 269-च के अधीय तक्षत्र प्रधिकारी की वह विश्वात करने का कारण हुँ कि स्थावर सम्मत्ति, विश्वका स्थितः बाजार मुख्य 1,00,000/- क. से अधिक हुँ

श्रीर जिसकी सं फलैट नं 204, बिकी ग्रपार्टमेंट माहीम डिबीजन प्रभादेनी, बम्बई में स्थित है श्रीर इससे उपाबढ़ ग्रनुसूची में और पूर्ण रूप से विणित है श्रीर जिसका करार-नामा ग्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्रो है तारीख 19-5-1986

को प्यांक्त सम्मत्ति के उचित याचार मृत्य वे कम के क्यमान प्रतिपक्ष के लिए अन्तरित की गई है और मृत्ये यह विश्वास करने का कारण है कि वथाप्योंक्त बंपरित का उचित थाचार मृत्य,, उसके क्यमान प्रतिफत ते, एसे क्यमान प्रतिफल के पंद्र प्रतिकृत से विभिन्न है और अंतरक (अंतरका) और अंतरिती (अन्तरितियाँ) के नीच एसे अन्तरण के सिए तय पाना गना प्रति-क्या, निम्ननिचित उद्शेष्य से उक्त बक्तरण जिल्ह में पास्य-क्यि कप से अधित नहीं किया यहा है द—

- (क) बन्धरण देशू के किसी बाव की बाज ह, उसके अभिनियम के अभीय कर को में बन्धरक की दार्थिएन में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के सिक्ष; और/व:
- (क) ऐसी किसी बाब वा किसी पन वा मन्य जात्सिकों स्थू, जिन्हों बारशीय वाय-कर विधिनयन, 1922 (1922 का 11) वा स्थल अधिनयन, वा अन-कर वृद्धिप्यन, वा अन-कर वृद्धिप्यन, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वृद्धिरियों कुनन्य प्रकट वहीं जिला नगर था वा किया वाना चाहिए था, किया में कृतिका के किया।

कतः जब, उक्त अधिनियमं की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियमं की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिखित व्यक्तिसों, अर्थात् :— (1) मेसर्स मोतीराम तो लाराम

(अन्तरक)

(2) श्री भ्रमर जी० जयसींधानी भ्रौर कुमारी सरोज जी जयसींधानी।

(श्रन्तरिती)

(3) अन्तरक।

(वह व्यक्ति जिसके गधिभाग में सम्पत्ति है)

 क्षें दश् तुमा जारी करके पृथाँक्त सम्मांत्त के अर्थन के लिए कार्यनाहिता करता हो।

उक्त संपर्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी जाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध वा तस्संबंधी व्यक्तियों वद वृक्ता की दामील से 30 दिन की जविध, को भी वविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति वृतारा;
- (स) इस स्वमा के राज्यम में प्रकादम की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवब्ध् किसी अन्य स्थावत व्यारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित में किए वा संकेंने।

स्पादिकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### वर्ष्यी

फलैंट नं 204, जो दूसरी मंजिल विकी श्रपार्टमेंट, टी पी एस 4, प्लाट नं 1225, श्रोल्ड प्रभादेवी रोड, माहीम डीविजन प्रभादेवी बम्बई में स्थित है।

श्रानुसूची जैसा की ऋ० सं० श्रार्ड-2/37ईई/34136/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राक्षिकारी बम्बई द्वारा विनांक 19-5-86 को रजिस्स्टेंड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज-2, बम्बई

दिनांक: 18-12-1986

प्ररूप लाडे.टी.एन.एस -----

कायफर किंधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (i) के अभीन सूचना

#### भारत परकार

कार्यालयः, सहायक जायकर बामुक्त (निरक्षिण)

ग्रर्जन रेंज-2, बम्बई बम्बई. दिनांक 18 दिसम्बर 1986 निदेश सं० ग्रई-2/37ईई/34325/85-86---ग्रतः मुझे, के० सी० शाह,

वायकर विधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है"); की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूस्य 1,00,000/- रहा से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 739, टी० पी० एस० 3, माहीम बम्बई, में स्थित है श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिष्ठित्यम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है नारीख 30-5-1986 को पूर्वोक्त संपर्तित के जिचत बाजार मूल्य से कम के दश्यमान प्रतिकत के किए बम्बीरिव की वहाँ हैं बार मुक्त यह किश्वाह करने का कारण है कि वर्षाप्वालय कश्रीर का श्रीव नामार पूजा, उसके ध्यमान प्रतिकत है सेर अंवरक (वंबरकार) और वंबरिद (अन्तरितयों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया प्रया श्रीतफल निम्मलिखित उत्वहेय से उक्त अन्तरण लिखित में मों वास्तविक रूप से कश्रित नहीं किया गया है :---

- (क) सम्तरण सं हुई किशी जाव की सानत, उक्त विभिन्निक के संधीन कर दोने के जन्तरण के वाजित्य में कमी करने वा उससे अपने में भृतिभा वारि/सा
- (क) एंसी किसी बाय या किसी धन वा कत्य वास्तिसी की जिन्हीं भीरतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उनत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ अन्तरिती धुनारा पकाट लक्ष्मी किया ध्या वा किया बाता वाहिए वा, किया था सारकार के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्सरण को, को, धनत अधिनियम की धररा 269-ग की उपधारा (1) को अधीन, निम्नितिकित व्यक्तिमाँ, वर्णातः :--- (1) मेसर्स स्वस्तिक बिल्डर्स

(भ्रन्तरक)

- (2) डेंबलपमेंट को० ग्राप्त० बैंक लिमिटेंड (श्रन्तरिती)
- (4) डा॰ भाईसाहब फरीद महीतावाला (वह व्यक्ति जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पति में हितबद्व हे)

को मह स्चना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियाँ धर सूचना की तासील से 30 दिन की अविधि, को भी अपि बाद में समाप्त होती हों. के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियाँ में से किसी ध्यक्ति दृशाना:
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्भित्त में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्यकरणः इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जां उन्ह आयकर अभिनियम के अध्याः १००० मा परिशाधिक है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया स्था है।

# वन्स्ची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं० 739 टी० पी० प्रा० 3, सी० एस० नं० 1121, साहीस, बस्बई में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा की कि० सं० ग्रई-2/37ईई/34325/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी ब्रम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज--2, बम्बई

नारीख : 18-12-1986

.ರಾಜಕ್ಕ ಪ್ರಗತ್ನ ಜನಿಸ್ತರಿಗೆ <del>ಇಲ್ಲಿ ಸಾಹಾಸಿಕ ಮುಂದರಿಗಳು ಗೀತಿಯಾರ</del>ವಾಗಿ

प्रस्य अहाँ .दी .एन .एम . -----

बायकर अभिनियम. 1961 (1961 का 43) की भाग

269-म (1) के क्षभीन सूचना

भारत सरकार

# फायजिस, सहायक बायकर बायक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज़'2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बैर 1986

निदेश सं० श्र $\frac{4}{3}-2/37$ ईई $\frac{1}{3}$ 4314 $\frac{1}{4}$ 86-86-श्रत: मुझे, के० सी० शाह,

अधिकर अभिनयम, 1961 (1961 आ 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर संग्राच विस्ता उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- भा. से अधिक **ह**ै

ग्रीर जिसकी सं० फलैंट नं० 7, रत्नदीप मोसायटी सान्ताकूज (प), बम्बई 54 में स्थित है ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप है विणित है ग्रीर जिसका करार-नामा श्रायकर प्रधिनियम की धारा 269 क, ख, के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 30-5-1986

को पृथोंकत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के स्थमान प्रतिकान के लिए अंतारत की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण हैं कि यथापूर्वेकित संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके स्ट्रियान प्रतिफल से, एसे स्थमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिक्षा से अधिक है और अंतरक (अन्तरकों) और उन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया अतिफल निम्हितियों उद्देश्य में उद्देश अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) शतरण म हु ं किसी आय की बाबस, उक्त अधिनयस के अधीन कर दनों के अंतरक के दायित्य मं करीं करन या उससे बचने में सुविधा के लिए; कार/नः
- (क) एसी किसी जाव या किसी पत या अन्य आस्तियों छी, जिन्हों नाश्तीय आयजार अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1937 को 27) है प्रयोजनार्थ अस्तिन्ती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, ष्टिपान में प्रियास के लिए।

क्षतः कव, उन्त अधिनियम की थारा 269-ग के अन्तरण मों, मों, उन्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) को अधीन निम्निनिषित व्यक्तियों, अर्थात्:— (1) रसीला कांतीलाल नोटारिया श्रौर कांतीलाल दुर्लभदाम नोटारिया ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री विधिन चन्द्र नटवरराल महता ग्रौर श्रीमती जयश्री विधिन चन्द्र मेहता।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके प्वेकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में काई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राज्यत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रवेकित व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा:
- (क्) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में क्रित-बद्ध किसी अन्य त्यिक्त द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास किस्तित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टिकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों वा, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, यही अर्थ होगा जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

# मन्स्यी

फ्लैंट नं० 7, जो तीसरी मंजिल क्तवीप को० म्राप० हाउसिंग सोमायटी लिमिटेड, 74, बेसेंट रोड, सान्ताऋूज(प) बम्बई-400054 में स्थित है।

अनुभूची जैसा की क० स० श्र $\hat{s}$ -2/37 $\hat{s}\hat{s}$ /34314/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी अम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

कें० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, बम्बई

तारीख: 18-12-1986

प्ररूप आई.टी.एन.एस.-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्स (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज~2, बम्बई बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० ग्रई--2/37ईई/34306/85-86--- ग्रतः मुझे के० सी० णाह

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह मिश्वात करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित धाजार मूल्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

1,00,000/- र. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 12, जुहू संगीता, सान्ताकूण
(प), अम्बई 49, में स्थित है और इससे उपायद्व अनुसूची
में और पूर्ण रूप से विणित है और जिसका करारनामा आयकर
श्रिधिनियम की धारा 269 क ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय, बम्बई में रिजस्ट्री है तारीख 29-5-1986
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्मह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती
(अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखिट उद्बेष्य से उक्त अन्तरण लिखित
वास्तिवक रूप से कथिस नहीं किया गया है:---

- (क) अंसरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे क्याने में स्विधा के लिए, और/या
- (क) एंसी किसी आय या किसी अन या अन्य आस्तियों को , विष्हें भारतीय आय-कर अधिनियम , 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , या धन-कर अधिनियम , 1957 (1957 का 27) के प्रकेशनार्थं अस्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था , खियाने में सुविधा के लिए;

ज्ञतः अक, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अन्सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्मलिसित स्थितयों, अर्थात् :--- (1) श्री दर्शन सिंह गुजराल ।

(भ्रन्तरक)

(2) टाटा प्रेस लिमिटेड।

्(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्परित के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकासन की तारांख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वान की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्क स्थावर सम्पत्ति में हित्बब्ध किसी अन्य व्यक्ति ब्नारा, अधोत्रस्ताक्षरी के पास सिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दीं और पदों का, जे उक्त अधिनियम के अध्याय 20 - क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गाया है।

#### अनुसूची

पलैट नं० 12, जो दूसरी मंजिल, जुहू संगीता श्रपार्ट-मेंट को० ग्राप० हार्जीसग सोसायटी लिमिटेड, इमारत नं० 5 ए, जुह रोड सान्ताक्ज (प), बम्बई-400049 में स्थित है श्रनुसूची जैसा की क० सं० श्रई-2/37ईई/34306/ 85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई हारा दिनांक 29-5-1986 को रजीस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज-2, बस्बई

सारी**ख**: 18-12-1986

प्रकृतः नार्षः दीः एरः एकः ----

आधकार अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) से अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्नालय, सहायक नायकर नायकर (निरीक्तक) श्रजन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० श्राई-2/37ईई/33878/85-86----श्रतः मुझे के० सी० शाह

आयकार विभिन्निया, 196. (1981 का 43) (विस्ते इसमें इसके परवात् 'उनते अधिनियम' नहा नया हैं), की भाष 269-स के अभीन मक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का वारक है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मन्य 1,00,000/- रु. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 11, श्रामा कीरन, सान्ताकुज, (प), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची,में श्रीर की पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजस्ट्री है दिनांक 5-5-1986

को प्वोक्त सम्मस्ति के उचित बाबार मृत्य के कम के ध्यममान प्रिक्त के लिए अंतरित की नहीं हैं और मुक्ते यह विश्वास करवे हरते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मस्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके ध्यमन प्रतिक्त के, एसे ज्यमान प्रतिक्त का बंबह प्रतिकृत से यथिक है और जंतरक (जंतरकों) और वंतरित। (जन्तरितियों) के बीच एसे जन्तरण के लिए तय पाया नवा शित्यल, विस्तिविद्य उद्देश्य से उच्च जन्तरण किविद्य में वास्तिक क्ष से कवित नहीं किया गया है :---

- (क) बन्तरण वे हुंद किसी बाव की वावत बच्च स्थित प्रवस में अधीन फर दोनें के बन्तरक के वादित्व में कभी अरंभ या क्रमने यानने से स्विधा के जिए शीव/धा
- (क) ए'सो किसी लाब या किसी धन या बन्य बास्तियों की किन्हें अरुतीय लाब-कर विधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अपैधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, वा धन-कर विधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ वस्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया ज्ञा था दा किया जाना चाहिए था कियाने में सविधा ने सित्रः

श्रतः त्रवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण हो, में, उक्त अधिनियम की भारा 269 श्र की उपधारा (1). के अधीन, निम्निसिश्चत क्यक्तियों, अधीत्:—→
11 —446GI/86

1. वीरेन्द देवगन श्रीर विना देवगन ।

(श्रन्तरक)

2. गुरदास के छटवानी श्रौर रूक्मनी जी० छटवानी। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ातः सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कार्य भी कार्याट 🚐

- (क) इस स्थान के राज्यन में प्रकाशन की शरोब से 45 दिन की सर्वीध या शरसम्बन्धी स्वितिस्थों पर स्वाधा की तासीन से 30 दिन की नवीध, को भी स्वधीध दान में समाध्य होती हो, के शीलर पूर्वोक्ट स्वित्वर्शी में से किसी न्यांक्त स्वारा;
- (न) इस सूचना के राजपत्र में त्रकावन की तारीच से 45 दिन के मीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हित-बंद्भ किसी अन्य न्यनित द्वास नभोहस्ताकारी हैं पात स्थितित में किए वा सकते।

स्वयाकरणः --- इसमें प्रयुक्त कन्यों नीर पर्यों का, वो उपव विश्वित्यमा, वो अध्याय 20-क में परिभावित हैं, वही नर्य होता, को उस क्ष्माय में दिका यमा है।

# नग्स्ची

प्लैंट नं 11 जो तीपरो मंजिल, श्रीर गेरेज नं 1, स्रामाकिरन को श्राप हार्जीसग सोपायटी लिमिटेड, लिकिंग रोड, एक्पटेंशन, सान्ताऋज, (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैसा कि क० सं० ग्रर्ष-2/37ईई/33878/85-86 ग्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 5-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज 2, अम्बर्ष

दिनांक 18-12-86 मोहर :

# प्रकर बाइं.टी.एन.एस.-----

# शानकार विभिन्नियन, 1961 (1961 का 43) की पारा 269-व (1) के वधीन स्वना

#### बारत बहुकाह

कार्यालक, सहायक जायकर आध्वक (निरीक्षण) अर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर, 1986

निवेश सं० अई-2/37ईई/33972/85-86—अतः मुझे के० सी० शाह,

बाबकर मिथिनयम, 1961 (1961 का 43) (विश्वे इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की भार, 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुख्य 1,00,000/- रा. से अधिक है

भौर जिसकी सं० फ्लैट नं० 201, हे मा बिल्डिंग, सान्ताकुज (प०), बम्बई-54 में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध मनुसूची में भीर जो पूर्ण रूप से विणित है) भौर जिसका करारनामा भायकर भिधिनयम की धारा 269 कख के भधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्दी है दिनांक 12-5-1986

का पर्वोकत सम्पत्ति के जिसत बाजार सम्य से कम को क्रवसाय प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापर्वोक्त सम्पत्ति का उत्वित बादार सम्य जसके क्रवसान प्रतिफल से, एमि क्रयप्रात प्रतिफल का रन्तक प्रतिकत से अधिक है और अन्तरक (बंतरकों) बार बंतरिती (बंतरितियाँ) के बीच एसे बंबरण के निए तब पावा नवा प्रवि-फल निम्नसिक्ति उद्दोश्य से उक्त कन्यरण लिखित में वास्तविक क्य से किशत नहीं किया गया है क्ष्म

- (का) बन्दरण से शुद्ध किसी नाम की बाबस बक्त सधिनियम के अधीन कर दोने के बन्दरक के सधिनक में कभी करने या उससे रुपने में सुविध्य के किए;
- (च) प्रेसी किसी बाब वा किसी भन वा कल अहिस्तुर्धे को, विन्दुं भारतीय बावकर अभिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, श्रां भनकर अभिनियम, श्रां भनकर अभिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधनार्थ जलारिनी ब्वास प्रकट नहीं किसा उना था वा किया बाना वाहिए था, किसाने के अहिब्धा के स्विद्धः

अतः अन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनूसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निचिसित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. स्काय-बिल्ड प्राईवेट लिमिटेड ।

(ग्रन्तरक)

2. श्री हिमाँशु कुमार णाह श्रौर श्रन्य । (ग्रन्तरिती)

को ग्रह स्चना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यगाहियां सुरू करवा हूँ।

# उक्त बज्याति के नवीन के बंबीन में कोई भी बाकीर :---

- (अ) इस स्थान के समयन में प्रकाशन की तारीय के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थानसमों पर स्थान की तामीन से 30 दिन की जनधि, को भी जनधि बाद में समाध्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स स्थानसमों में से किसी स्थानत ब्वास्य;
- (क) इत त्वना के श्रमपत्र में प्रकासन की तारीक है 45 दिन के भीतर उक्त स्थानर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी बन्ध व्यक्ति द्वारा स्थाहस्ताक्षारी के पास सिकित में किए वा सकोंने ।

स्थलकीकरण: ----इसमें प्रमुक्त सम्यों भार पर्यों का, यो उपस् कांचीनवय, के अध्याद 20-क में, परिशासित हाँ, नहीं वर्ष होता यो उस अध्याय में दिवा स्था हाँ।

## अनुसूची

फ्लैंट नं० 201, जो हेमा बिल्डिंग, एफ प्लाट नं० 13, टी॰ पी॰ एस॰ 4, सान्ताऋुज (प॰), बम्बई-400054 में स्थित है।

भ्रानुसूची जैसा कि कि के सं० श्राई-2/37ईई/33972/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा विनांक 12-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज 2, यस्यई

विनांक 18-12-86 मोहर:

# प्र<del>वर्ष</del> बादी, दी. एत. एत<sub>ा</sub>-----

वायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

# कार्यामयः, सहावक भावकर आयुक्त (निरक्षिण)

धर्जन रेंज 2, बम्बई

बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर, 1986

निदेश सं० प्रई-2/37ईई/34265/85-86—प्रत: मुझे, के० सी० शाह,

बायकर बिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिले इसके इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियक' कहा गया हैं), की धारा 269-स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाचार मूस्व 1,00,000/- रा. से अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० फ्लैंट नं० 11/ए, सान्ताकुज, रामेश्वर, सान्ताकुज (प०), बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इपसे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिल्ला करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम की धारा 269 कख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 22-5-1986

को प्वंक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के स्वयमान श्रीतफल के लिए बन्तरित की गई है और मूझे यह बिस्वास कर्न का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार बूच्य, उसके स्वयमान प्रतिफल से एसे क्यमान प्रतिफल का पंक्र प्रतिकात से बाधिक है और बंतरक (अंतरकाँ) और बंतरिती (बन्तरितियाँ) के बीच एसे बन्तरण ने लिए तय बाया नवा प्रतिफल निम्नलिचित सब्देवस से उक्त बन्तरण किवित में बास्तविक रूप से किथात नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हुई किसी जाव की वास्ता, खनक नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वासित्व में कमी करने या उसते बचने में सुविधा के लिए; जीर/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी भन या ज़न्य जास्तियों को जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती ब्वारा प्रकट वहीं किया जवा था या किया जाना चाहिए था, स्थिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नसिक्ति व्यक्तियों, अर्थात —— 1. श्रीमती पूनम व्ही० ग्रडवानी।

(मन्तरक)

 श्रीमती सुशीला व्ही० सीरनानी, श्री दीपक व्ही० सीरनानी भौर श्री प्रवीप व्ही० सीरनानी।

(भन्तरिती \

सीं यह सूचना चारी करके पूर्वोक्त कम्पांत के अर्थन के सिक् कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी नाक्षेप :---

- (क) इस स्वाना को राजपत्र में प्रकाशन की तारीच स 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वाना की तामील से 30 दिन की अविधि, को भी, अविधि बाद में समप्त होती हो, के भीतर पूर्वोच्छ व्यक्तियों में से थि.सी व्यक्ति ब्यारा;
- (ण) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील वं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा क्योहस्ताक्षरी के पाक लिखित में किए जा सकोंगे।

स्यष्टीकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जबत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ह<sup>4</sup>, वहीं अर्थ होंगा जो उस अध्याय में दिया विषा है।

### मन्स्ची

फ्लैट नं० 11/ए, जो सान्ताकुज रामेश्वर, को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, एस० व्ही०, रोड, सान्ताकुज; (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

श्रनुसूची जैरा कि कि सं श्राई-2/37ईई/34265/85-86 झौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 22-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज 2, बस्यई

दिमांक : 18-12-86

# प्ररूप बाई. टी. एन. एस.-----

नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ज के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रजीत रेंज 2, बम्बई
बम्बई, दिनांक 18 दितम्बर, 1986

निदेश सं० ग्राई-2/37ईई/34289/85-86—ग्रतः मुझे के० सी० शाह

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-च के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रा. में अधिक हैं

और जिसकी सं० पलेट नं० 7, गिरनार, सन्ताकुज (प), बम्बई-54 में स्थित है (ग्रीर इससे उपायद्ध प्रनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से विणित है) ग्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रिजिस्ट्री है दिनांक 30-5-86

को पूर्वित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वित्त सम्पत्ति का उचित बाजार इस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का नंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अस्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया इतिफल निम्नलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से किथत नहीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त नियम के अभीन कर वाने के अंतरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन वा अन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तिरिती व्यारा प्रकट नहीं किया गया भा या किया जाना चाहिए था, स्त्रिपाने में सुविधा के लिए;

अत: अब, उक्स अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नतिषक्त व्यक्तिनों, जयित :--  श्री श्ररिवन्द दस्तात्रय गुप्ते ग्रौर श्रीमती सुहास ग्ररिवन्द गुप्ते ।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमती मेहरा म्रब्दुलकादर पांचा भौर श्रीमती रुकैमा फक्चीन पांचा।

(भ्रन्तरिती)

3. भ्रन्तरकः ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभाग में सम्मत्ति हैं) को यह सूचना जारी बरक प्वीक्त सम्मत्ति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हैं।

उक्त सम्पत्ति के वर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :----

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारी के से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 विन की अविधि, जो भी अविधि बाद भें समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बुवारा;
- (का) ६स स्वाना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अक्षे हस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पट्टिकरण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया समा है।

# अनुसूची

फ्लैंट नं० 7, जो पहली मंजिल, गिरनार (सांताक्रुज), को० भ्राप० हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड 63ए, चेपल लेन, सान्ताक्रुज (प०), बम्बई-400054 में स्थित है।

ग्रनुसूची जैंा कि क० सं० ग्रई-2/37ईई/34289/85-86 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 30-5-1986 को रिजस्टर्ड किया गया है।

> के० सी० गाह सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजंन रेंज 2, बम्बई

दि<del>नांक</del> 18-12-86 मोहर : रुपये में अधिक हैं।

# प्रकल बाह्", टी. एन. एस. ------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आय्क्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज 2, बम्बई बम्बई, दिनांक-18 विसम्बर 1986

निदेश सं श्रई-2/37ईई/34236/85-86—- ग्रतः मुझे के ति शाह आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रवान् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को यह दिश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/-

भौर जिसकी सं प्लाट नं 70-डी-डी 2, सान्ताकुज (पु०), बम्बई में स्थित हैं (भ्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णिन हैं) और जिसका करारनामा भ्रायकर श्रीधित्यम, की धारा 269 कख के अधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय अम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 22-5-1986

को पूर्वो कित सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के रूथमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो कित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके रूपमान प्रतिफल से, एसे रूपमान प्रतिफल का पन्यह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया गतिफल, निम्नलिखित उद्वेष्य से मुक्त अन्तरण लिखित शास्तिषक रूप से कथित नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्स उक्त अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्नितिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 1. श्री सी० के० चोक्षी।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स कासा एसं।शिएटस ।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिक्त के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सवधी व्यक्तियां पर सूचना की तामीन से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो. के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्
- (क) इस सूचना के राजपट में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर उच्त स्थावर सम्मत्ति में हितबक्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में क्षिए जा सकरें।

स्थव्हीकरण: - इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हींगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

## अमृस्ची

जमीन का हिस्सा जिसका प्लाट नं ० 70-डी-डी 2, टी० पी० एस० 3, दूसरा रोड, सान्ताकूज (पु०), बम्बई में स्थित है।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-2/37ईई/34-36/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी सम्बई द्वारा दिनांक 22-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० शाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 2, बस्बई

दिनांक 18-12-1986 मोहर: प्रारूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना भारत सरकार

# कार्यावय, सङ्ग्रिक मानकर मायुक्त (निर्दाक्षण)

भ्रर्जन रेंज 2, बम्बई

ं बम्बई, दिनांक 18 दिसम्बर 1986

निदेश सं० आई-2/37ईई/34091/85-86—श्रत: मुझे के० सी० शाह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक हैं

भीर जिसकी सं० फ्लैट नं० 701, सागर सम्प्राट, सान्ताश्रुज (प) बम्बई-54 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम की धारा 269 क ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री है दिनांक 16-5-1986

को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल से, एसे द्रश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाब्त उच्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे अचने में सूविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, वा धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती ब्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—— . कैप्टन ए० एस० बजवा

(भ्रन्तरक)

नेशानल भोरगेनिक कैमिकल इन्डस्ट्रीज लिमिटेड (भन्तरिती)

भ्रन्तरक ।

(वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति को अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जा भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर समात्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में क्रिए जा सकरेंगे।

स्पष्टिकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो जात अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### अनुसूची

फ्लैट नं 701, गेरेज के साथ, सागर सम्राट, सन एण्ड सेंड होटेल, के पास, जुहू, सान्ताकूज (प), बम्बई-400051 हु स्थित है।

्र अनुसूची जैसा की किं संब आई-2/37ईई/34091/85-86 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 16-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> कें० सी० णाह सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज 2, बम्बई

विनांक 18-12-86

प्रारूप आई. टी. एन. एस.---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, सम्मई

बम्बई, दिनांक 5 जनवरी 1987

निदेश सं० ग्राई-3/37-जी/2807/83-84—श्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिकट है

भौर जिसकी सं इमारत के साथ जमीन का हिस्सा, प्लाट नं डब्स्यू-2, कामा इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, गोरेगांव, (पूर्व), बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय बम्बई में रजिस्ट्री-करण श्रीधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 13-8-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के ध्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुफ्ते यह विश्वास करनें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल से, एसे ध्रयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्वेश्य से मुक्त अन्तरण लिखित वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुक्क किसी आय की बाक्स उक्स अधि-नियम के अधीन कर दने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में स्विधा के लिए: और/या
- (स) ऐसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

- मैसर्स भारत बाटर् प्रूफ पेपर मैन्युफैंक्चरिंग कंपनी । (ग्रन्तरक)
- 2. मैसर्स सनमेट मेटर्लीजकल प्रायवेट लिमिटेड । (मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीं से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिल की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उच्यत स्थावर सम्पत्ति में हिट्डब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरों के पास लिसित में व्यक्त पा सकीं।

स्यष्टिभेकरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदा का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

## अनुसूची

इमारत के साथ जमीन का हिस्सा, प्लाट नं० डब्स्यू-2, कामा इन्डस्ट्रीयल इस्टेट, गोरेगांव (पूर्व), बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि विलेख सं० एस-2712/83 और जो उप-रजिस्ट्रार बम्बई द्वारा, विनांक 13-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज 3, यस्यद्व

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः——

दिनांक 5-1-1987 मोहर: प्रारूप आई. टी. एन. एस.----आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) को धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक कायकर कायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी, 1987

निदेश सं० ग्रार्ड-3/37ईई/40559/86-87—ग्रत: मुझे, ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रकात् 'सक्य अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-च के अधी कि सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपरित जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- ं से अधिक है

मौर जिसकी सं यूनिट नं 103, 7 उद्योग नगर, भाफ एस० व्ही रोड, गोरेगांव (पश्चिम), बम्बई-62 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और जो पूर्ण रूप से विणित है) और जिसका करारनामा श्रायकर श्रिधिनियम 1961 की धारा 269 कख के श्रिधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-6-1986

को पर्वांक्त सम्पत्ति के उचित बाबार मृस्य से कम के द्रश्यमान वितिक्ष्ण के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ते यह विद्यास करने का कारण है कि यथा पूर्वेंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार कृस्य, उसके द्रश्यमान प्रतिक्ष्ण से, एसे द्रश्यमान प्रतिक्ष्ण के पद्मह प्रतिक्षत से अधिक उ और अंतरिक (जंतरका) और अंतरिकी (अंतरितियों) के बीच ऐसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिक्रत, निम्निसित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में बास्तिक स्प से कश्चित नहीं किया गया है है—

- (क्) अभ्यारण से हुई । असी जाम की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अंतरक के वास्तिक में कमी करने या उससे अपने में सुविधा के सिक्; आर्/शा
- (च) एसी किसी जाय या किसी धन या जन्य जास्तियों की., जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ खंतरिती व्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

सतः सब, उक्त अधिनियम की भारा 269-ण के अन्सरण ज' में उक्त अधिनियम की भारा 269-ण की उपभारा (१) को अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती कौशिका सुनिल मेहता ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स गिपट एन्ड टाईम प्रोडन्ट्स ।

(ग्रन्तरिती)

कां यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां शुरू करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप ा-

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीस सं 45 दिन की अविधि या तत्सं मंधी व्यक्तियों पर सूचना की तानील से 30 दिन की नवास, वांभी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के अविर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाधक भी शारीक सं 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर उपित्त में हितबक्ष किसी बन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्थव्यक्तिरणः — इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्राद्वानयम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया हैं।

# अनुसूची

यूनिट नं 103, 7 उद्योग नगर, आफ एस व्ही रोड गोरेगांव, (पश्चिम), बम्बई 62 ।

प्रमुम्नी जैसा कि क० सं० ग्राई-3/37ईई/40559/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधि कारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज 3, बम्बई

विनांक 2-1-1987

प्रारुप आहे. टी. एन. एस.

आयकर अधिनियम, .1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

# कार्यास्य, सहायक बायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जनरंज-3, बम्बई

**ब**म्बई, दिनांक 2 जनवरी, 1987

निदेश सं० ग्रार्ड-3/37ईई/40157/86-87—ग्रानः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 40) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उत्तर अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/- रुप्त से अधिक है

श्रीर जिसकी सं 8 भाडोती, ग्राउन्ड पलोग्नर, नं वी-16.
228 राजावाडी को-ग्रांपरेटिव हाउसिंग स्सोसायटी लिभिटेड, विद्या विहार (पूर्व), बस्बई-77 में स्थित हैं (ग्रींर इसके उपाबद्ध ग्रानुसूची में श्रीर पूर्ण कर में विणित हैं) ग्रीर जसका करारनामा ग्रायकर ग्रिधिनियम की धारा 269 क्य के ग्रिधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 2-6-86 को पूर्वोंक्ट सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के ख्रयमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई ही और मुभी यह विश्वास करने का कारण ही कि गथापूर्वोंक्ट सम्पत्ति का उचित हाजार मूल्य, उसके दश्यमान प्रतिफल में, एसे दश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक ही और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल, निम्तिविद्या उद्युदेश्य से मुक्त अन्तरण निस्तित वास्तिवक रूप में कथिश नहीं किया गया ही :---

- (क) अन्तरण से हाई किसी अध्य को बाबत उपक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक, के दायित्व मो कामी करने या उसम् बागने में स्विधा के निए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या धन या अय आस्तियों को जिन्हीं भारतीक आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या अनत अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अनिरती द्वारा प्रकट नहीं कि या जाना चाडिए था छिपाने में मुविधा के टिए.

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-य के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-य की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलियित व्यक्तियों, अर्थात् :---12---446GI/86  श्री द्वारकानाथ किण्नाजी सिनकर्। (अन्तरक)

2. श्रीमती मंगलाबेन एन० दत्तनी (ठवकर) ग्रौर ग्रन्य । (श्रन्तरिनी)

. Granita<u>esus ete</u>nti

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्भीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

ं उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षंप :---

- (क) इस भूचना के राजभा सा प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अवधि गा तत्वीं वेशी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि , याद में समाप्त होती हो, के भीतर प्रकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ल) इस सूचना के राजपण मो प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थादर समाति मो हितयद्थ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अयोहम्ताक्षरी के पास लिखित मो व्यक्त जा सकर्य।

स्राध्यक्षिरण:---इसमें प्रयुवत शब्दों और पदों का, जो उस्त अधिनियम को अध्याय 20-क में परिभाषित हैं. यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया। गया है।

# भन्स्ची

8 भाडोती, ग्राउन्ड फ्लोश्चर, नं० बी-16-228, राजाबाडी को-ग्राँपारेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, विद्याविहार, (पूर्व). बम्बई-77 ।

श्रनुभुची जैसा कि क० स० अई-3/37ईई/40157/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बस्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेंज-३, बस्वर्ष

दिनांक : 2-1-1987

माहर 🔈

# इत्यास कार्य, क्ये देश शंच

आयकर अभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) হুই গ্ৰহীৰ सूचना

भारत सरकार

# कार्याचम, सहायक आयकर अध्युक्त (विरक्षिण)

श्चर्जन रेंअ-३, अम्बई

बम्बई, दिनांक 2 अनवरी 1987

निदेश मं० अर्ट-3/37ईई/40134/83-87—श्रन: मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चान् 'उन्नत अधिजिदन' गहा गया हैं), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारों को यह विद्यास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति जिल्हा उच्चित बाजार मृत्य 1,00,000/- उपसे से अधिक ही

भीर जिसकी सं० फ्लैट रं० 101, 1 ला माला, णिवम काँम्प-लैक्स, सत्यम् शिवम् मृत्यरम् बिल्डिग, एम० जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77 में स्थित है (और इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनयम 1961 की बारा 269 क, ख के अधीन वम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिनांक 2-6-1986 को पृथिदित सम्पत्ति को उपित बाजार गृन्य से कम के द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और म्भे यह विश्वास करने का कारण है कि प्रथाप्करित गम्पति का उपित बाजार मृत्य, उसके द्रयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और स्थान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रनिश्चत से अधिक है और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एमि अन्तरण के लिए तक पाया गया प्रतिफल निम्तिस्थित उद्देश्य में उक्त अन्तरण लिखित से वास्तविक रूप से क्थित नहीं किया गया है :---

- (क) अन्तरण से हाई किसी आध को बाब्त उक्त अधि-मियम के अधीन कार दोने के अन्तरक के दायित्व मो कामी कारने या उसमें बचने में स्विधा के लिए; और/या
- (क) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकार अधिनियम, 1922 (1922 का 16) या जुक्त अधिनियम, या धन-कार अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अगिरिती द्यारा प्रकट नहीं किया जाना चाहिए था. छिपान में भविधा के लिए:

ं अत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

# मै० सरल एन्ट॰प्राइसेम

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती अनीता व्ही० दुग्गल और अन्य

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पीत के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तासील में 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दुधारा;
- (स) इस सृक्ष्मा के राजपक्ष मो प्रकाशन को तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मो हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अभावस्ताअरी के पास लिखित मो किए जा सकान।

रकष्ट्रीकारणः — इसमे प्रयुक्ता जल्दों और पदों का, जो उत्तर अधिनियम के अध्याय ∠0-क में परिभाषित ही, बही अर्थ होगा या उत्तर अध्याय में दिया गया है।

फ्नैट नं० 101, 1ला माला, णित्रम् काम्पलैक्स, सत्यम् णित्रम् पुन्दरम् बिल्डिंग, एम० जी० रोड, घाटकोपर (पूर्व), बम्बई-77।

अनुसूची जैसा कि ऋ० सं० अई-3/37ईई/40134/86-87 और जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई ढारा, दिनांक 2-6-1986 की रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रीज-3, वस्बर्ड

दिनांक : 2-1-1987

प्ररूप आईं.टी.एन.एस.-----

1. श्री के० सी० सेथ्यूरामन।

(अन्तरक)

श्री चन्दा भषण गिरोता

(ग्रन्तरिती)

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की .... 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर बाय्क्त (निराभण)

म्रर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी, 1987

निदेश सं०'ग्राई-3/37ईई/40433/86-87—ग्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया हैं), की धारा 26.)- स के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण हैं कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 1,60,000/- रुं से अधिक हैं

और जिन्नकी सं ज्लाट नं 46, ग्रीन गार्डन ग्रागर्टमेन्ट, को-ग्रागरेटित हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्राचार्य नगर, बम्बई-88 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) ग्रीर जिसका करारनामा ग्रायकर ग्रधिनियम 1961 की धारा 269 कख के ग्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से एसे दृश्यमान प्रतिफल व पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिवक रूप से किथत नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दने के अन्तरक क वाबित्व में अभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए: और/या
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27 के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अत: अब, उक्त अधिनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों. अर्थात :——

का यह सूचना जारी करके पूर्वांक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हो।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भीआक्षेप :--

- (क) इस मुचना के राजवन में प्रवादता को तारील से 45 दिन की अवधि मा तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति त्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पट्टीकरणः—इसमें प्रयक्त कड़ों और पदों का, जो उक्त बीधीनयम के अध्याय 20 के में परिभाजन हैं दही कर्य होंगा में तस अध्याय में किया गया हैं —

#### अनसची

प्लाट नं० 46, ग्रीन गार्डन ग्रपार्टमेन्ट, की-ग्रापरेटिव हाउसिंग सोसायटी लिमिटेड, ग्राचार्य नगर, बम्बई-88 । ग्रनुसूची जैसा कि ऋ०सं० ग्राई-3/37 ईई/40433/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986 को

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सद्रायक ग्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 2-1-1987 मोहर : प्रक्रम बाह टा एन. एस

बाबकर अधिनियम, 1931 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के अधीन सुचना

भारत सरकान

कार्यालय, महायक जानकर वाम्वत (निद्रोक्षक)

श्चर्जन रेज 3. बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जनवरी, 1987

, नेदेश सं० ग्राई-3/37ईई/40484/86-87—-श्रतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राध्कारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० जमीन स्ट्रक्चर के साथ, वेश्रिरिंग सी० टी० एस० नं० 631, 631/1, से 631/19 तक मालाड (पश्चिम) वस्वई. में स्थित है (श्रीर इसते उपाबद्ध ग्रजुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधिनियम 1961 की धारा 269 के खे के श्रिधीन वस्वई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-6-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्रम के इश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्दृश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिबक रूप से किथत नहीं किया गया है ——

- (का) बन्तरण से हुई किसी आय की शावत, उक्त विश्विताम के निश्वित कर दीन के जन्तरक के बायित्व में कमी करने था उससे वसने में स्वीत्रका के निष्ठा की निष्ठा की
- (ख) ऐसी किसो आय या किसी धन या अन्य जास्तियों को, जिन्हों भारतीय आय-तर अधिनियम, 1902 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वाय प्रकट नहीं किया गया था जा किया जाना चाहिए था छिपाने ये सुविक। खे लिए:

अतः अब, उदत अधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में, मैं, उदत अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिखत व्यक्तियों, अर्थात् :--

1. मैसर्स भगवती बिल्डर्स ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स सिंधवा डेवलपर्स ।

(ग्रन्तरिती)

को यह स्चना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्परित के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी जाध्नेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अक्षेहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अधि होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनसची

जमीन स्ट्रक्चर के साथ, वेग्नरिंग सी० टी० एस० नं 631,931/1 से 631/19 तक, मालाड (पश्चिम) बम्बई।

श्रनुसूची जैसा कि कि के सं श्राई-3/37ईई/40484/86-8 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 2-6-198। को रजिस्टर्ड किया गया है।

ए० प्रसा सक्षम प्राधिकारं. सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज ३, बम्बई

दिनाक 2-1-1987 मोहर : प्ररूप आई. टी. एन. एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) प्रजीन रेज-3, बम्ब्र्ड बम्बर्ड, दिनाक 2 जनवरी 1987

निदेण सं० अर्द-3/37ईई/40565/86-87—अतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गरा है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सैम्पिन, जिसका उचित वाजार मूल्य 1,00,000/-रु. से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं जमीन का हिस्सा रेवेन्यू व्हिलंज ग्रॉफ मुलुड, एस जनं 38, एच जनं 2, ग्रौर 3, मुलुड, बस्बई में स्थित हैं (ग्रौर इसके उपाबद्ध श्रनुभूची में ग्रौर पूर्ण कप के विधार ही ग्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क ख के ग्रधीन बस्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-1-1987

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के द्रियमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझ यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्रियमान प्रतिफल से एस द्रियमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच के एसे अन्तरण के लिए नय पामा गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्वेश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तियक रूप से किथन नहीं किया गया है :——

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व मो कमी करने या उसमें येचने मो सुविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन था अन्य आस्तियों का, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपान में सुविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (!) के अधीन, निम्मिलिमिन व्यक्तिनयों, अर्थातु:——

काशीनाथ हिरजी पटेल ग्रौर ग्रन्य।

(ग्रन्तरक)

2. बिल्डक्यूब कल्म्ट्रकणन प्रायवेट लिमिटेड ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति कं अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र मां प्रकाशन की तारीस से 45 किन की अर्दाध या तरपम्यन्ती व्यक्तियों पर सूचना की तायीय में 30 विश्व की अवधि , जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में स किसी व्यक्ति द्वारा;
- (लं) इस मूचना के राजपत्र मा प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीतर उर्गत स्थावर सम्पत्ति मी हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास विश्वित मी किस का सकेंगे।

स्पष्टीकरणः ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बहुं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गदा है।

#### अनुसूची

जमीन का हिस्सा, रेवेन्यु व्हिलेज श्रांफ मुलुंड, एस० नं० 38, एच० नं० 1 श्रोर 3, मुलुंड, बम्बई ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्रई-3/37ईई/40565/86-87 श्रौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 2-6-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजन रेंज-3, बम्बई

दिनांक : 2-1-1987

# प्रकृष कार्ष तो एन एस . नन-नन-प्रकृत काथकर व्यक्तिसम्, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के अभीन मृजना

#### भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जनरी 1987

निदेश मं० म्रई-3/37-ईई/32298/86-87--म्रतः मुझे, ए० प्रसाद,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-त के अधीन सक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पित्त, जिसका उचित बाजार मृत्य 1.00.000/-रु. से अधिक है

श्रीर जिसकी सं जमीन का बेग्ररिंग सी बिटी एपन नं 2, 3 एस नं एम 19 श्रीर 20, श्रमीरबाग, पवई लेके के सामने, पवई, सांकी, विहार रोड, पवई, बम्बई में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध प्रतुस्ती में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रिवित्यम 1961 की धारा 269 के ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजिस्ट्री है दिदांक 1-5-1986

स्य प्रतिका सम्पत्ति कं उचित बाजार मृत्य से कम के स्थमान प्रतिकाल के लिए अन्तरित की गई है और मृभ्ने यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वों कत सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दश्यभान प्रतिकाल से, एसं दश्यमान प्रतिकाल के पंद्रह प्रतिशत से अधिक है और संतरक (अंतरका) जोर वंतरिती (अंतरितियों) के बीच एसे अंतरण के लिए तय पाया गया प्रतिकाल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अंतरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण सं हुई फिसी आप की वाजत, उक्त अभिनियम के अभीन कर देने के अफ्तरक के रायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा क लिए; और/वा
- (स) एसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 ११४२० ११) धा उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) को प्रभाजनाथ कन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना शाहिए था. खिपाने में स्विधा औ सिए;

भत्तः सन्, उपत अभिनियम की भारा 269-ग के जन्सरण मो. मो अक्त अधिनियम की भारा 269-भ की उपभारा (१) के अभीन, निक्सीस्थित व्यक्तियों, स्थान — 1. श्रीमती विलास रामचन्द्र,पवार।

(ग्रन्सरक)

2. पंडलिक बामन नायक।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कारको पूर्वोक्त सम्पत्ति के वर्षन वे सिष् अविवाहियां करता हूं।

# जनत संपत्ति के वर्षन के संबंध में कोई भी वासरे ८

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की शारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतार पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी ज्यक्ति ब्यारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन के भीलर उक्त स्थायर मंपित में हितब्ब्ध किसी अन्य व्यक्ति इतारा अधाहस्साक्षरी के पाद सिश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पव्योक्तरणः — इसमें प्रयुक्त शक्यों बीर पदों का, को उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित ही, वहीं अर्थ होगा को उस अध्याय में विया गया है।

# जन्त्यी

जमीन बेग्नरिंग मी० टीं०एस० नं० 2 श्रौर 3, एस० नं०19 श्रीर 20, श्रमीरबाग, पवई लेके के सामने, साकी विहार रोड. शंकर छाया रोड. पकई, बम्बई ।

श्रनुसूची जैसा कि ऋं० सं० श्रई-3/37ईई/32298/86-87 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधाकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज-3, बस्बई

दिनांक: 2-1-1987

प्रचल बार्स् . टी. एन . एक . -----

कासकर लिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-व (1) के वधीन सुचया

#### भारत सरकार

# कार्यालय, सहायक जायकेर बाब्बस (जिरीक्स)

श्चर्णन रेज-3, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जनवरी 1987

निदेश सं० ऋई-3/37ईई/32134/86-87—ऋतः मुझे, ए० प्रमाद,

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें पश्चात् उक्त अधिनियमा कहा गया है), की धारा 269-स के अधीर सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य

1,00,000/- एउ से अधिक हैं
और जिसकी संव जमीन एसव नंव 112(पी), एचव नंव एसव-1, एसव नंव 105(पी), एचव नंव 105(पी), एचव नंव 105(पी), एचव नंव 3(पी), एसव नंव 125(पी), एसव नंव 5(पी), गोरेगांव, बम्बई में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में आँग पूर्ण, रूप से विणित है) और जिसका करारनामा आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 269 क ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्टी है दिनांक 1-5-86

को पूर्वोक्त सम्पत्ति को उचित बाजार मूल्य से कम को स्वयमन प्रित कल के लिए अन्तरित की नई है और मूकों वह विकास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मल्य, असको क्रयमान प्रतिफल से एसे क्रयमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिवात से अधिक है और वह अन्तरक (अंतरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) को नीच एसे अन्तरण को निए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण

- (क) जन्तरण सं हुई किसी आव की वावते, उच्छे अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने मेः सुविधा अ लिए; क्रॉर/या
- (ख) एसी किसी जाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय जायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उ अ अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयाजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा में सिक्ट:

बत: बन. उस्त अधिनियम की भारा 269-न की अनुसरण में, में, उस्त अधिनियम की भारा 269-च की उपधारा (1) के अभीन, निम्नौलिखिस व्यक्तियों, अर्थात् :--- मैंार्स टेक्सटाइल प्रोमेसिंग, कारपोरेणन ।

(भ्रन्तरक)

2 श्रीमती सारग ए० धगरवाल।

(ग्रन्तिश्वी)

का यह सूचना जारी करके पूर्व केस सम्परित के अर्थन के जिल्ला कार्यवाहियां करता हो।

## इक्त सम्बद्धि के बर्चन के संबंध में कोई भी भाषांप ह---

- (क) इस सूचना के राजपण में प्रकाशन की तारीज ते 45 विन की अवधि। या तत्सम्बन्धी व्यक्तियां पर सूचना की तामीर से 30 दिन की अवधि। यो भी अवधि। यो भी अवधि। वाद र समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति स्वाराः
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब सं 45 दिन के औतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधाहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकींगे।

स्वक्का करण: ----इसमें प्रयुक्त शब्दों और पटाँ का, जो उक्त क्षांचित्रमा, के अध्याम 20-क में प्रिभासित हैं, वह अर्थ होगा, का असे क्याए में विषया गया है।

#### अगृत्यी

लैन्ड्स ए० नं० 112(पी), एव० नं० एस-1(पी), एस० नं० 105(5) एव० नं० 1(पी), 105(पी), एव० नं० 3(पी), एस० नं० 125(पी), एच० नं० 5 (पी), गोरेगांव, बस्बई।

ग्रनुसूची जैसा कि किश्तर गर्ड ग्रई-3/37ईई/32134/86-87 ग्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेज-3, क्रम्बई

दिनांक: 2-1-1987

प्ररूप बार्ड .टी.एन.एस. ------

आमकर क्रीधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के अधीन सुचना

# भारत सरकार

कार्यालय, सहायक वायकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज-3, बम्बई

वम्बई, दिनांक 2 जनवरी, 1987

निदेश स० श्राई-3/37-ईई 32092 85-86——भ्रतः मुहो, ए० प्रसाद,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का आरण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 1,00,000/- रु. सं अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० बेग्ररिंग सी० टी० एस० नं० 1548 से 1570 तक, 1571-बी, जियदमा लेन, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से, बिणत हे) श्रीर जिसका करारमामा स्रायकर अधिनियम 1961 की धारा 269 के ख के अधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उद्यत बाजार मूल्य से कम के इरयमान प्रतिफल के लिए अंतरित की गई है और मूओ यह विश्वास करने का कारण है कि यथायूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके इरयमान प्रतिफल से, एसे इरयमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरक) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (फ) अंतरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अंतरक के दायित्व में आयी करने या उससे मचन में सुविधा के लिए; और/या
- (६) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम या धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम वा धनकर अधिनियम वा धिना असे प्रयाजनार्थ अंतरिती द्वारा प्रकट नहां किया गया था या धिना आता चाहिए था, छिपानं में सूनिया के लिए

अत: लाज, उसत अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण मो, की, उसल अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) क अधीन, निम्नीनोंबत समितमों, अर्थात् क्षान श्रीमती मधुरवन्ती, टी० गहा ग्रौर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

2. मैसर्स कमला फाउन्डेणन ।

(श्रन्तरिती)

को यह सुचना जार्राकरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्थन के लिए कार्यभा**हियां करवा**।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी बाहरेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की ताराख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध सो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति व्यक्ति व्यक्ति स्वारा;
- (क) इस स्वना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के भीतर स्थावर सम्मान में जिन्नक कियी भन्य व्यक्ति द्वारा अभाहे विष्णु भा मकोंगे।

स्पब्दीकरणः --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भी नियम के अध्याय 2 बही अर्थ होगा जो उ

# *न*न्यूची

प्लाट बेग्नरिंग मी० टी० एस० नंबर्स 1548 से 1570 तक 1571-बी, जिवदया लेन, घाटकोपर, बम्बई-86।

श्रनुसूची जैसा कि ऋ० सं० श्राई-3/37ईई/32092/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1986 को रजिस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्राजैन रेज ३, बम्बई

दिनांक 2-1-1987 मोहर: प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

# भागमर विभिन्तियम, 1961 (1961 का 43) की भारा 269-म (1) के नभीन सुचना

भारत सरकार

# कार्यासय, सहायक वायकर वाय्यत (निरीक्षण)

धर्जन रेंज 3, बम्बई बम्बई, दिनांक 2 जनवरी, 1987

निवेश सं॰ आई-3/37ईई/32091/85-86-- अतः मुझे, ए॰ प्रसाद

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्परित जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं ० प्लाट बेग्नरिंग सी० टी० एस० नं० 1528 से 1547 तक, और 1571-ए, घाटकोपर, बम्बई-86 में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुषची म श्रीर जो पूर्ण क्प से विणत है) श्रीर जिसका करारनामा श्रीयकर श्रीधिनियम 1961 की घारा 269 के ख के श्रीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-5-1986

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सं कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्तें यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखित उद्वेष्य से उक्त अन्तरण निस्तित वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाग की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बेचने में सुविधा के लिए; और/या
- (स) एंसी किसी आय या धन या अन्य आस्सियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

श्रीमती मधुरवंती टी० शहा ग्रांर ग्रन्य।

(भ्रन्तरक)

मैसर्स कोठारी एन्टरप्राइजेज ।

(मन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हा।

# जकत सम्परित के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी वास्तेष :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी जबिध बाद में समाप्त होता हो, के भीतर पूर्विकर व्यक्तियों में से किमी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी स से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबब्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास सिसित में किए जा सकोंगे।

# अनुसूची

प्लाट बर्म्मारंग सी० टी० एस० नं**० 1528 से 1547 तक** ग्रौर 1571-ए, घाटकोपर, बम्बई-86 ।

अनुसूची जैसा कि कि० सं० आई-3/37ईई/32091/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-1986 को रजिस्टर्ड किया गर्यों है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर आयुक्त (निरक्षिण) श्रर्जन रेंज-3. बम्बई

दिनांक 2-1-1987

प्ररूप आई.टी.एम.एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सूचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण)
श्रर्जन रेंज-3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी, 1987

नायकर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) (चिन्ने इसमें इसमें प्रकार प्रकार प्रवाद प्रवाद निर्मायमा कहा गया हैं), की धारा 269-स को जभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्भावर सम्पत्ति, चिश्वका उचित बाधार सूच्य 1,00,000/- रा. से जिभिक है

मौर जिसकी सं ० प्लाट नं ० 9, सब-स्कीम नं ० 3, सी० ी० एस०, नं ० 910, 910/1, 910/2, चेबूर, बम्बई-71 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबक्क श्रनुसूची में श्रीर जो पूर्ण रूप से वर्णित है) श्रीर जिसका करारनामा श्रायकर श्रीधनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रीम बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 1-5-1986

को पूर्वोक्त सम्मस्ति के उचित नाजार मृत्य से कन के क्ष्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास अरने का कारण है कि यभापूर्वोक्त सम्मस्ति का उचित नाजार मृज्य, उसके क्ष्यमान प्रतिफल सं, एसे क्ष्यमान प्रतिकल का पन्तक प्रतिकत से अभिक है और अन्तरक (अंतरका) और अन्तरिती (अंतरितियों) के बीच एसे बन्तरण के लिए एस पाना पना प्रतिक्ष्य का विश्वासिक उद्देश्य से उच्छ बन्दरण शिवास में शास्त्रिक क्ष्य ने क्षित्व महीं किया गया है है—

- (क) अन्तरण से हुइ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायिए में कभी करने या उससे बचने में सविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-भ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निलिसित व्यक्तियों, अर्थात् :---- श्री नारायण सिनाराम द्वें झीर मन्य ।

(ग्रन्तरक)

2. मैं मर्भ चेंबूर हाटे ह्स प्रायवेट लिमिटेड ।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

## उक्ष सम्पत्ति के वर्षन के सम्बन्ध में कोई भी वास्रोप ---

- (क) इस स्चना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर स्चना की सामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ब्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिल के बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकीं।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयूक्त शब्दों और पद्यों का, जो उक्त विभिनियम के सभ्याय 23-क में परिभाषिष्ठ हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में विया गया है।

## अनुसूची

प्लाट नं 9, सब-स्कीम नं 3, सी ०टी ० एस ० नं ० 910, 910/1, 910/2, चेंब्र, बस्बई-71 ।

धनुसूची जैसा कि कि से ब्राई-3/37ईई/32041/85-86 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 1-5-86 को रजिस्टर्ड किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) म्रजैन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 2-1-1987 मोहर: प्ररूप 'आई'.टी.एन.एस.-----

जायफर जिभिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

भार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (गिरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी, 1987

निधेश सं० श्राई-3/37ईई/31949/85-86—-श्रतः मुझे, ए० प्रसाद

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 1,00,000/- रु. से अधिक है

भौर जिसकी सं जमीन का हिस्सा जिसका बेग्नरिंग प्लाट नं 1275 सी टी० एस० नं 116 (पी), श्रौर 1132 (पी), देवीदयाल रोड, मुलूंड, बम्बई में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से विणत है) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रिजस्ट्री है दिनांक 1-5-1986

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के द्रश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके द्रश्यमान प्रतिफल के एसे द्रश्यमान प्रतिफल का गंद्रह प्रतिशत से अधिक है और अंतरक (अंतरकों) और अंतरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया शितफन, निम्निचित् उद्देश्य से उच्च अन्तरण शिविच् वास्तिक एप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अंतरण स हुई किसी नाय की बाबत, उन्तर अधिनियम के अधीन कर दोने के अंत्ररक के दायित्व मों कमी करने या उससे बचने मों स्विधा के लिए; और/वा
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ बन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

वर: वय, उक्त वीभनियम, की धारा 269-त की वन्तरक मों, मीं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपभाग (1) के अधीन, निम्निलिशित व्यक्तियों, अर्थात ७ मां 1. योगिन्द्र सिंह बावा।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स एस० बी० डेंग्हल पर ।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना आरो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के सिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध , जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी की पास लिखित मे किए जा सकींगे।

स्पष्टोकरणः — इसमें प्रयूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

#### बन्सूची

जमीन का हिस्सा जिसका बेग्नरिंग प्लाट नं० 1275, सी०टी० एस० नं० 116(पी), श्रौर 1132 (पी), द्रेबीदयाल रोड, मुखंड, बम्बई।

श्रनुसूची जैसा कि कि नि श्राई-3/37ईई/31949/85-86 श्रीर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा, दिनांक 1-5-1986 को रजिस्टर्ड कियांगया है।

> ए० प्रसा**द** सक्षम प्राधिकारी स**हायक श्रायकर द्रायुक्त (निरीक्षण)** श्रजीन रेंज-३, बम्बई

दिनांक : 2-1-1987

मोहर 🕆

प्ररूप आई.टी.एन.एस. -----

आक्षकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सुचना

#### भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयक्त (निरक्षिण) भ्रजीन रेंज 3, बम्बई

बम्बई, दिनांक 2 जनवरी, 1987

निदेश सं० ्रियाई-3/37ईई/40349/86-87—यतः मुझे ए० प्रसाद

आयकर अधिनाम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परभात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 1,00,000/-रुपये से अधिक है

श्रौर जिसकी संब प्लाट नं 288-बी श्रौर 289, एस० एस० 3, सी० टी० एस० 1602, 5 वां रोड, चेंबूर, व्हिलेज कुर्ला तालुका, बम्बई में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर जो पूर्ण रूप से वीं तहै) श्रौर जिसका करारनामा श्रायकर श्रधिनियम 1961 की धारा 269 क ख के श्रधीन बम्बई स्थित सक्षम प्राधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्री है दिनांक 2-6-1986

को पूर्वोक्त सम्पिति के उधित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफान के लिए अन्तरित की गई हैं और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पिति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफान में, एसे दृश्यमान प्रतिफान का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक हैं और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफान, निम्नितिस्ति उद्दोष्य से उचत अन्तरण लिसित वास्तिविक रूप से किथत नहीं किया गया हैं:——

- (क) अन्तरण सं हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के अधीन कर दोने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससं बेचने में सूविधा के लिए; और/या
- (ख) एसी किसी आय या धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हों भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अवः, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण कें, में उक्त अधिनियम की भारा 269-ध की उपधारा (1) के अधीन, निम्मतिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्रीमती पंद्रिशिश्रा एम० करासुको ।

(ग्रन्तरक)

2. मैसर्स चरिष्मा बिल्डर्स ।

(भन्तरिती)

का यह स्थना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के वर्णन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उदन सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारील से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स) इस स्कान के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से 45 दिन की भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में कितव्यथ किसी अन्य व्यक्ति द्यारा अभोहस्ताक्षरी की पास तिस्ति में किए जा सकींगे।

स्पष्टीकरण: --इसमं प्रयुक्त शब्दों और पदों का, ओ उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ हांगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

# अनुसूची

प्लाट नं 288-बी, श्रीर 289, एस ० एस० 3, सी० टी० एस० 1602, 5 वा रोड, चेंबूर, व्हिलेज, कुर्ली तालुका, बम्बई ।

अनुसूची जैसा कि ऋ० मं० आई-3/37ईई/40349/86-87 भौर जो सक्षम प्राधिकारी बम्बई द्वारा दिनांक 2-6-1986 को रिजस्टई किया गया है।

> ए० प्रसाद सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भायुक्त (निरोक्षण) श्रजम रोंज 3, बम्बई

दिनांक 2-1-1987 मोहर :

#### UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi, the 10th December 1986

No. A.32011/3/85-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri N. N. Andrews, IAS (MP:69) as Joint Secretary, Union Public Service Commission (Director Level) on pay as for Director to the Government of India (Scale Rs. 2000-2250/-) with effect from 4-11-85 and upto 3-11-1990 or until further orders, whichever is earlier.

#### The 22nd December 1986

No. A.32013/3/83-Admn.I.—The President is pleased to appoint the following Senior Personal Assistants (Grade B of CSSS) of the cadre of Union Public Service Commission as Private Secretary (Grade A of CSSS) in the same cadre on ad-hoc basis for the period indicated against their names or until further orders, whichever is earlier:—

- Sl. No., Name and Period S/Shri
  - 1. P. P. Sikka|—11-8-85 to 10-11-85, 12-11-85 to 9-2-86 & 11-2-86 to 26-3-86
  - M. M. L. Chandna.—16-12-85 to 15-3-86 & 17-3-86 to 26-3-86
  - 3. M. M. L. Dua.—6-3-86 to 26-3-86.
- 2. The above mentioned persons should note that their appointment as Private Secretary (Grade A of CSSS) is on ad-hoc basis and will not confer on them any title for absorption in Grade A of CSSS or sentority in that Grade.

M. P. JAIN, Under Secy. (Per. Admn.) Union Public Service Commission

#### MINISTRY OF PERSONNEL & TRAINING, ADMINISTRA-TIVE REFORMS, PUBLIC 'GRIEVANCES & PENSION

### CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi-110003, the 9th January 1987

No. Λ-7/71-AD-V.—The President is pleased to appoint Shri Amar Singh presently working as Public Prosecutor in CBI on deputation as Senior Public Prosecutor in CBI on transfer basis with effect from 22-12-1986 and until further orders.

#### The 15th January 1987

No. V-4/71-AD-V.—On his appointment as Assistant Legal Adviser in the Enforcement Directorate, Foreign Exchange Regulation Act, President hereby suspends the lien of Shri V. M. Mahajan held by him on the substantive post of Sr. Public Prosecutor/CBI under FR 14(b) with immediate effect.

No. 3/48/86-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police/Special Police Establishment hereby appoints Shri Manohar Lal as Public Prosecutor in C.B.I. with effect from 22-12-1986 in a temporary capacity.

#### The 16th January 1987

No. S/2/73-AD-V.—The services of Shri S. C. Bose, Deputy Superintendent of Police of West Bengal Police on deputation to CBI were placed at the disposal of Tea Trading Corporation of India Limited as per Government of West Bengal Order No. 3894(4) P&AR(P) dated 31-10-1986 for appointment as Vigilance Officer with effect from the afternoon of 1st January, 1987.

D. P. BHALLA Administrative Officer (E), CB1

#### CENTRAL VIGILANCE COMMISSION

New Delhi, the 2nd January 1987

No. 1-2-85-Admn.—The Central Vigilance Commissioner hereby appoints Shri Kanwal Nain, a permanent Assistant of this Commission, as Section Officer in this Commission

on ad-hoc basis in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- with effect from the forenoon of 23-12-1986 for period of three months or until further order whichever is earlier.

MANOHAR LAL, Under Secy. (Admn.) for Central Vigilance Commissioner

#### MINISTRY OF HOME AFFAIRS DIRECTORATE GENERAL, CRPF

New Delhi-110003, the 8th January 1987

No. O.11.2320/87-Estt.—The President is pleased to appoint Dr. Ajay Kumar Sinha as General Duty Officer, Grade-II (Deputy Superintendent of Police/Company Commander) in the CRP Force in a temporary capacity with effect from the forenoon of 25th December, 1986 till further orders.

The 14th January 1987

No. O.II-1059/77-Estt-I.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Jitendra Nath Swargari, General Duty Officer Grade-II of 44 Bn with effect from 31 December, 1986 (AN).

ASHOK RAJ MAHEEPATHI Assistant Director (Estt.)

New Delhi-110003, the 12th January 1987

No. O.H-899/76-86-Adm-3.—Consequent on his retirement on superannuation, Shri M. R. Lakhera, JAD(A/Cs) Directorate General, CRPF has relinquished charge of the post of JAD(A/Cs) on the afternoon of 31st December, 1986.

No. O.II-1522/80-87-Adm-3.—Shri S. Hemrajani, Section Officer of this Force has taken charge on I-1-87 (Forenoon) as JAD(A/Cs) in Directorate General, CRPF, on his promotion to the grade of Joint Assistant Director (A/Cs) Audit Officer.

Sd./- ILLEGIBLE Deputy Director (Adm).

#### OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi, the 14th January 1987

No. 11/4/86-Ad.I.—The President is pleased to appoint Dr. S. S. Srivastava, a grade I officer of the Indian Statistical Service, to the ex-cadre post of Joint Registrar General, India, in the Vital Statistics Division of the office of the Registrar General, India, New Delhi by transfer on deputation basis for a period upto 31st May, 1990 or until further orders, whichever is earlier, with effect from the forenoon of the 1st January, 1987.

The headquarters of Dr. Srivastava will be at New Delhi.

No. 13/1/87-Ad.1.—The President regress to announce the death of Shri T. K. Aikat, a Grade III Officer of the Indian Statistical Service, who was working as Scrior Research Officer in the office of the Registrar General, India, on the forenoon of the 26th December, 1986.

V. S. VERMA Registrar General, India

# MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS) SECURITY PAPER MILL

Hoshangabad-461 005, the 6th January 1987

No. 7(65)/7452.—Shri V. P. Tiwari, Inspector Control Security Paper Mill, Hoshangabad is appointed purely on adhoc basis as Safety Officer in Security Paper Mill, Hoshangabad in the pay scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500/- with effect

from 1-1-1987 for a period of six months or till the post is filled upon regular basis whichever is earlier.

#### The 9th January 1987

No. 7(60)/7421.—On attaining the age of superannuation Shri V. M. Pardeshi, Assistant Chief Control Officer, has retired from Government Service in the afternoon of 31-12-86.

S. R. PATHAK General Manager.

# INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR

#### GENERAL OF INDIA

New Delbi-110 002, the 12th January 1987

No. 76-CA.I/15-71.—On his attaining the age of superannuation Shri L. D. Deora, Audit Officer (Commercial) working in the office of the Member, Audit Board & Ex-Officio Director of Commercial Audit-II, New Delhi has retired from service with effect from 31-12-1986 A/N.

D. N. ANAND Asstt. Comptr. & Auditor Genl. (Comml.)

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT CENTRAL REVENUES-I

New Delhi, the 19th January 1987

Admp.1/O.O No. 257.—The Director of Audit, Gentral Revenues-I, hereby appoints Shri Sant Lal (SC), an officiating Audit Officer of this office, in a substantive capacity against a permanent post of Audit Officer in the time scale of Rs. 2375-3500 with effect from 1-12-1986.

Admn.1/O.O.No.258.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri V. N. Prashar, an officiating Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st January, 1987. Hisdate of birth is 21st January, 1929.

Admn.I/O.O. No. 261.—Consequent on his attaining the age of superannuation Shri V. D Kapoor, a permanent Audit Officer of this office, will be retiring from the service of the Government of India with effect from the afternoon of 31st January, 1987. His date of birth is 1st February, 1929,

M. L. KHURANA Dy. Director of Audit (Admn.)

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, CENTRAL

Calcutta-700001, the 12th January 1987

Admn.I/CGaz/2640-41.—The Director of Audit, Central, Calcutta has been pleased to appoint the following section officers to officiate as Assistant Audit Officers (Group B) in the scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200/- from the date noted auginst each in the office of the Director of Audit, Central, Calcutta until further orders.

Name & Date of assumption of charge S/Shri

- I. Bhupati Prasanna Bain.—17-11-86 (F/N).
- 2. Kartick Chandra Majhi,—10-12-86 (F/N).
- 3. Pranab Kumar Pal.—15-12-86 (F/N).

Sd./- ILLEGIBLE
Dy. Director of Audit (A)
Central, Calcutta.

# OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi-110001, the 16th January 1987

No. 4397/A-Admn./130/86.—Under the provisions of

Rule 48-A of CCS (Pension) Rules, 1972, Shri R. C. Gupta, Offg. Audit Officer retired (Voluntarily) from service with effect from 1-1-87 (FN).

B. S. GILL Joint Director of Audit Defence Services

#### OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, U.P.

Allahabad, the 8th January 1987

No: Admn. I/11-144/Notfn./3480.—The Principal Accountant General, U.P., Allahabad has appointed the following officiating Accounts Officers in Substantive Capacity in Accounts Officer Cadre with effect from the dates noted against each:—

1. Shri T. N. Agarwal	1-3-1984
2. Shri N. R. Banerjee	1-7-1985
3. Shri H. D. Chakravorty	1-7-1986
4. Shri D. P. Tewari	1-11-1986

PRABHAT CHANDRA Dy. Accountant General (Admn.)

# DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi-110 066, the 7th January 1987

No. AN-I/1673/5/I.—Shri R. PATNAIK, IDAS who has attained the ago of 58 years on 31-10-86 (his date of birth being 01-11-28) has been struck off the strength of the Defence Accounts Department with effect from the afternoon of 31-10-86 and has been accordingly transferred to the Pension Establishment with effect from the forenoon of 01-11-86.

#### The 13th January 1987

No. AN-I/I172/1/Vol. IV.—The President is pleased to appoint Shri M. KUMARASWAMI, an officer of the Indian Defence Accounts Service, presently on deputation as Director (Finance), Ministry of Petroleum, New Delhi to officiate in Level-II of the Senior Administrative Grade (scale Rs. 2250-125/2-2500) (pre-revised) of that Service, under "Next Below Rule" with effect from 2nd January 1987 and until further orders.

No. AN-I/1174/1/Vol. III.—The President is pleased to appoint Shri V. P. GUPTA, an officer of the Indian Defence Accounts Service to officiate in the Junior Administrative Grade (scale Rs. 1500-60-1800-100-2000) (pre-revised) of that Service with effect from the forenoon of 7th November 1986 and until further orders.

No. AN-I/1174/1/Vol. III.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers of the Indian Defence Accounts Service (who are on deputation assignments as indicated against their names) to officiate in the Junior Administrative Grade (scale Rs. 1500-60-1800-100-2000) (pre-revised) of that Service, under "Next Below Rule" with effect from the dates shown against their names, and until further orders:—

Sl. No., Name of the Officer , Date & Where serving
1. Shri R. Subramanian 7-11-86 Under Secretary
Ministry of Defence,
New Delhi

2. Shri G. S. Varma
15-12-86 Under Secretary,
(AFA/DP)
Ministry of Defence,

New Delhi.

No. AN-I/1809/5/I (PC. I).—Based on the findings of an inquiry conducted in the disciplinary case instituted against Shri THOMAS A. KALLIVAYALIL, an officer of the Indian Defence Accounts Service, the President of India, in consultation with the Union Public Service Commission, has imposed the penalty of removal from service of Shri THOMAS A

the penalty of removal from service of Shri THOMAS A. KALLIVAYALIL with effect from the 16th August 1983. Shri Thomas A. Kallivayalil accordingly stands struck off the

strength of the IDAS and Government Service with effect from the same date.

D. K. CHET SINGH Addl. Controller Genl. of Defence Accounts (Administration)

#### OFFICE OF THE CDA (ORS.) CENTRAL

NOTICE OF TERMINATION OF SERVICE ISSUED UNDER RULE 5(i) OF THE CENTRAL CIVIL SERVICES (TY. SERVICE) RULES, 1965

Nagpur, the 31st July 1986

No. AN/III/28/8326575/Disp.—In pursuance of Sub Rule (i) of Rule 5 of the Central Civil Services (Ty. Service) Rules, 1965, I, N. GOPALAN, It. CDA hereby give notice to Shri V. K. Bansan, Ty. Auditor, A/c No. 8326575 that his services shall stand terminated with effect from the date of expiry of a period of one month from the date on which the notice is served on, or as the case may be, tendered to him.

N. GOPALAN

Jt Controller of Defence Accounts

#### MINISTRY OF COMMERCE

# OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 7th January 1987

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL (ESTABLISHMENT)

No. 6/1490/86-Admn. (G)/117.—On attaining the age of superannuation, Shri Harnam Singh, Controller of Imports and Exports in this office retired from Government service with effect from the afternoon of 31st December, 1986.

SHANKAR CHAND

Dy. Chief Controller of Imports & Exports

for Chief Controller of Imports & Exports

#### DEPARTMENT OF SUPPLY

# DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

#### (ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 2nd January 1987

No. A-1/1(313).—The President is pleased to compulsorily retire from Government service Shri C. C. Dutta, Director of Supplies in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi with effect from the afternoon of 30-12-86 under F.R. 56(j).

M, P. BANGA Dy. Director (Admn.)

#### New Delhi, the 31st December 1986

No. A-1/1(1048).—Shri I.. G. Kamble, permanent Superintendent and officiating Assistant Director (Admn.) (Gr. II) in the office of Director of Supplies & Disposals, Bombay has retired from Govt, service with effect from the afternoon of 30th Nov. 1986 on attaining the age of superannuation.

M. P. BANGA, Dy. Director (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals

#### (ADMINISTRATION BRANCH, SECTION A-6)

New Delhi-110001, the 2nd January 1987

No. A-17011/245/84/A-6.—Sh. V. K. Aggarwal, Assistant Inspecting Officer (Engg.) in the Headquarters Office has been reverted as a panel measure to the post of Examiner of

Stores (Engg.) for a period of three years with effect from 24-12-1986 vide Order No. C-13012/20/82-VIG dated 24-12-86.

R. P. SHAHI, Dy. Director (Admn.) for Director General of Supplies & Disposals

# MINISTRY OF STEEL AND MINES DEPARTMENT OF MINES INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 16th January 1987

No. A-19011(192)/75-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee Shri Y. G. Joshi, Senior Mining Geologist, Indian Bureau of Mines has been promoted to officiate in the post of Regional Mining Geologist in the Indian Bureau of Mines w.e.f. the forenoon of 5th December, 1986.

G. C. SHARMA, Asstt. Administrative Officer for Controller General, Indian Bureau of Mines

#### GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Cascutta-700016, the 13th January 1987

No. 229B/A-19011/(1-DR)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri Des Raj to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 23-10-86, until further orders.

No. 242B/A-19011(1-GGV)/19A.—Shri G. G. Vaz, relinquished charge of the post of Geologist (Jr.) G.S.I. on 10-3-1986 (AN) for joining the post of Senior Project Officer/Deputy Manager in the office of the Chairman & Managing Director, Tamil Nadu Minerals Ltd., 31-Kamarajar Salai, Twad House, Chepauk, Madras-600 005 on deputation for a period of one year on the normal terms and canditions.

No. 254B/A-19011(1-DDA)/81-19A.—Shri D. D. Awasthi, Geologist (Jr.), Geological Survey of India relinquished charge of the post of Geologist (Junior) in Geological Survey of India on resignation with effect from 30-4-85 (AN).

No. 266B/A-19011(1-SNM)/85-19A.—The President is pleased to appoint Shri S. N. Meshram to the post of Geologist (Jr.) in the Geological Survey of India in the minimum of the scale of pay of Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300/in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 21-10-86, until further orders.

JAGDISH, LALL, Director (Admn.)

#### DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 12th January 1987

No. 10/9/85-SVII (Vol. II).—The Director General, All India Radio, is pleased to declare the following officers of All India Radio darshan, as regular temporary G
Servant with effect from 6th March, 1982:—

Sl.	Name .	Designation	Office
1.	S/Shri Mahmood Hashmi	Producer	E.S.D., A. I. R., New Delhi.
2.	R. K. Bhatia	Producer Grade II	DG: Doordarshan.

V. N. SINGH, Dy. Director (Admn.)

#### MINISTRY OF AGRICULTURE

# (DEPARTMENT OF AGRICULTURE & COOPERATION)

#### DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 1st January 1987

No. 5-51/87-Estt. (1).—On attaining the age of superannuation, Sh. P. N. Seth. Photographic Officer, in the Directorate of Extension, Deptt. of Agriculture and Cooperation, Ministry of Agriculture retired from Govt. service on the afternoon of 31st December, 1986.

R. G. BANERJEE, Director of Admn.

# DIRECTORATE OF PLANT PROTECTION QUARANTINE AND STORAGE

Faridabad, the 6th January 1987

F. No. 7-33/83-Adm.I.—The Plant Protection Adviser to the Government of India has appointed Shri S. N. Singh, Plant Protection Officer (Ent.) to the post of Administrative Officer (Grade I) in the pay scale of Rs. 2375-75-3200-EB-100-3500 at Locust Sub-station, Jodhpur on deputation basis for a period of 3 years with effect from 31-10-1986 (FN).

S. P. KUTAR, Chief Administrative Officer

# (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 14th January 1987

No. A-19025/2/86-A.III.—On the recommendations of the UPSC, Shri B. Chandramouli has been appointed to officiate as Asstt. Marketing Development Officer in the D.M.I. at Patna w.e.f. 8-10-1986 (FN) until further orders.

ANITA CHOUDHARY, Agril, Marketing Adviser to the Govt. of India

## BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE PERSONNEL DIVISION

Bombay-400 085, the 5th January 1987

No. PA/79(19)/84-R-III/46—Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the following officials to officiate as Assistant Personnel Officers in the scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200 in this Research Centre with effect from the dates mentioned against each:—

Sl. No	Name	Permanent/ Temporary post held in the office	Date
	S/Shri	:	
1.	Balarama Narasimhan	Permanent Selection Grade Clerk in MAPP, Madras.	15-12-86 FN
2.	Kundeti Venkatasubra- maniam Visweswaran	Permanent Jr. Steno in IGCAR & officiat- ing Assistant in DAE, Bombay.	19-12-86 FN
3.	Appy Pappachan	Permanent U.D.C. & officiating Asstt. Accountant in NFC, Hyderabad.	22-12-86 FN

No. PA/81(5)/86-R-IV|16.—The Controller, Bhabha Atomic Research Centre appoints the undermentioned officers of the Bhabha Atomic Research Centre as Scientific Officers/Engineers grade 'SB' in the same Research Centre with effect from the forenoon of August 1, 1986 in an officiating capacity until further orders:—

. Sl. No. Name	Post held at present
1. Shri R. S. Tomar	SA/C
2. Shri S. U. Salunke	SA/C
3. Shri S.V.R.K.C. Yarab	parla <b>T'man/</b> É
4. Shri P. G. Sundaram	SA/C
5. Shri A. K. Mudaiya	SA/C
6. Shri A. S. Chauhan	9A/C
7. Shri J. P. Tripathi	SA/C
8. Shri U. R. Dubey	SA/C
9. Shri R. K. Mishra	\$A/C
10. Shri K. P. Sreekumar	SA/C
<ol><li>Shri T. K. Saha</li></ol>	SA/C
12. Shri D. N. Barve	5A /C
13. Shri S. N. Lele	SA/C
14. Shri S. N. Wankhede	SA/C
15. Shri R. R. Patankar	SA/C
16. Shri L. B. Prajapti	SA/C
17. Shri A. N. Trivedi	SA/C
18. Shri P. K. Marathe	SA/C
19. Shri S. B. Rajore	SA/C
20. Shri M. N. Patil	\$A/C
21. Shri R. P. S. Yadav	SA/C
22. Shri R. T. Savalia	SA/C
23. Shri R. K. Duggal	SA/C
24. Kum. N. N. Mirashi	SA/C
25. Smt. N. Jayanthi	SA/C
26. Shri I. C. Pius	SA/C
27. Smt. L. R. Sawant	SA/C
28. Shri B. V. Naidu	\$A/C

A. S. DIKSHIT, Sr. Administrative Officer

# DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY CONSTRUCTION & SERVICES GROUP

Bombay-400 094, the 23rd December 1986

No. CED/A/2(16)|40,—The Director, Construction & Services Group, Department of Atomic Energy hereby appoints Shri R. B. Pillai, a temporary Assistant Accountant in Construction & Services Group as Assistant Accounts Officer in a temporary capacity on ad hoc basis with effect from the forenoon of 8-12-86 to 9-1-87 vice Smt. N. S. Rajadhyaksha, Assistant Accounts Officer promoted as Accounts Officer-II.

J. R. KARNIK, Administrative Officer-III

## DIRECTORATE OF PURCHASE & STORES

Bombay-400 085, the 7th January 1987

Ref. No. DPS/2/1(3)/85-Admn./739.—The Director, Directorate of Purchase and Stores. Department of Atomic

Energy appoints Shri Abdul Sattar Haider Shaikh, a permanent Assistant Accountant to officiate as an Assistant Accounts Officer on an ad hoc basis in the cale of pay of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200/- from 18-12-1986 (FN) to 17-03-1987 (AN) in the same Directorate.

#### The 13th January 1987

Ref. No. DPS/2/1(11)|83-Adm.|1855.—The Director, Directorate of Purchase & Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri G. Kuppuswamy, a permanent Store-keeper to officiate as a Asstt. Stores Officer in the scale of pay of Rs. 2000—60—2300—EB—75—3200—100—3500/- in a temporary capacity with effect from the foremoon of January 1, 1987 until further orders in the same Directorate.

B. G. KULKARNI, Administrative Officet

#### RAJASTHAN ATOMIC POWER STATION

#### Dated 15-12-1986

No. RAPS/Rectt./3(2)/Aug. '86/S/980.—Chief Superintendent, Rajasthan Atomic Power Station hereby appoints the undermentioned employees to the post of Scientific Officer/Engineer 'Grade (SB) in the same Station in a temporary capacity with effect from 1st August, 1986 (Forenoon) until further orders:—

Sl. Name of Officer No.	Present Designation	Post on which appointed
S/Shri 1. Vachan Singh	SAC	\$O (\$B)
2. S. S. Verma	SAC	SO (SB)
3. C. P. Gupta	SAC	SO (SB)

The above employees have assumed charge of their post in the grade of Scientific Officer/Engineer Grade (SB) on the forenoon of 1st August, 1986.

S. THRIAMBAKNATH, Administrative Officer (E)

# OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 15th January 1987

No. A. 19011/129/81-EI.—On attaining the age of superannuation Shri S. N. Sharma, Director of Airworthiness, retired from Government service on 31-12-1986 (AN).

M. BHATTACHARJEE
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

# OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE, PATNA

#### Patna, the 15th January 1987

C, No. II(7)2-ET/82/354.—In pursuance of this Office Establishment Order Nos. 107/83 dated 16-4-1983, 204/83 dated 16-7-1983, 307/83 dated 23-11-1983, 93/84 dated 20-2-1984, 185/84 dated 1-5-1984, 239/84 dated 16-6-1984, 266/84 dated 11-7-1984, 287/84 dated 6-8-1984, 312/84 dated 6-9-1984, 394/84 dated 1-10-1984, 432/84 dated 21-11-1984, 448/84 dated 14--446GI/86

3-12-1984, 2/85 dated 1-1-1985, 13/85 dated 4-1-1985, 56/85 dated 30-1-1985, 213/85 dated 1-8-1985, 276/85 dated 30-9-1985, 317/85 dated 28-11-1985, 366/85 dated 23-12-1985, 22/86 dated 23-1-1986, 82/86 dated 31-3-1986, 109/86 dated 29-4-1986, 154/86 dated 29-5-1986, 162/86 dated 10-6-1986, 197/86 dated 3-7-1986, 218/86 dated 25-7-1986 and 273/86 dated 22-9-1986.

The following Inspectors of Central Excise/Customs promoted to officiate as Superintendent Group 'B', Central Excise/Customs in the scale of pay Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200/- plus usual allowances as admissible under rules, have assumed charge of Superintendent, Group 'B' Central Excise/Customs at the places and with effect from the daetes and hours as indicated below against each:—

-si	. Name of the Officer	Place of posting	Date of Assumption
		t/osung	of Charge
1	2	3	4
	S/Shri		
1,	Maleshwar Prasad Sinha	Central Excise, Hqrs Office, Patna.	16-4-83
2.	Ganesh Prasad · ·	Central Excise, Divisional Office, Jamshedpur.	22-4-83
3.	Ramji Tripathi 🕡 🕟	Central Excise, Divisional Office, Jamshedpur.	22-4-83
4.	Krishna Nand Thakur	Divisional Office, Customs Division, Farbisganj.	30-7-83
5.	Surya Narain Sharma •	Divisional Office, Central Excise Division, Dhanbad.	30-7-83
6.	Kamla Kant Pandey ·	Divisional Office, Central Excise Division, Dhanbad,	29-7-83
7.	Brahmdoo Natayan · · · Sharma	Divisional Office, Central Excise Division, Ranchi.	16-7-83
8.	Shub Narain Mishra	Motihari Range, Central Excise Division, Laherisarai.	29-11-83
9.	Awadh Narain Jha	Divisional Office, Central Excise Divn., Jamshedpur.	29-11-83
10.	Desmand Satyanand John	Divisional Office, Central Excise Divn. Muzaffarpur	29-11-83
11.	Basant Kumar Sinha -	Divisional Office, Customs Division, Muzaffarpur.	8-12-83
12.	Prabhansu Lal Bose	Hajipur Customs, Customs Division, Muzaffarpur.	1-12-83
13.	Asit Kumar Banerjee .	Divisional Office, Customs Division, Motihari.	20-2-84
14.	U. S. Prasad	Customs Hors Office, Patna.	31-5-84
15.	Sindhu Kumar Sinha	Central Excise Hqrs. Office, Patna.	22-2-84
16.	Surjit Singh	L. C. S., Raxaul	2-5-84

1	2	3	4	1	2	3	4
	S/Shri				D 7 - D 1 N - 2	Control Project	13-2-85
17.	J. C. Ghose	Deoghar Range Central Excise,	16-5-84	38.	Dwarika Prasad No. 2	. Central Excise, Divisional Office, Jamshedpur.	
18,	Lekh Raj	Division, Dhanbad. Customs,	z->-84	39.	Raghu Nath Choudhary	Bihar Sarif Range Contral Excise Division,	8-2-85
	, •	Hqrs. Office, Patna,		40.	Anand Rajak	Patna. Central Excise	5-2-85
11.	S. N. Gupta	Central Excise, Hqrs. Office, Patna.	7-5-84	41.	Elwin Mechari	Hqrs. Office, Paina. Bettiah-II Range,	23-3-85
20.	K. B. N. Singh .	Divisional Office, Central Excise Division,	2-5-84	41.		Central Excise Division, Laberiasarai.	
21,	Saroj Mohan Prasad	Patna. Divisional Office, Customs Division, Motibusi	7- <b>5-</b> 84	42.	Suranjan Surin	Central Exclse Divisional Office, Laheriasarai.	25-2-85
22.	Sambhu Sharan Sinha	Hqrs. Office,	16-6-84	43.	Jitendra Narayan .	Central Excise Hqrs. Office, Patna.	2-8-85
23.	Kameshwar Pd. Sinha	Patna. Divisional Office, Central Excise,	12-7-84	44.	C. P. Sinha ,	Central Excise Divisional Office, Jamshedpur.	5-8-85
24.	Rewati Raman	Division, Patna.		45.	Sidheshwar Maharaj	Central Excise Hors. Office, Patna.	2-8-85
	Choudhary .	. Sikta Custom, Customs Division, Motiharl.	26-7-84	46.	Peter lezarus .	Barauni, Central Excise Division, Patna.	2-8-85
25.	Ram Nihora Sinha	<ul> <li>Divisional Office, Customs Division, Farbisganj.</li> </ul>	18-8-84	47.	Md. Moinuddin .	<ul> <li>Central Excise         Divisional Office,         Muzaffarpur.     </li> </ul>	12-8-85
26.	N. C. Ghosal .	Divisional Office, Central Excise, Division,	18-8-84	48.	Jagdish Prasad Sinha No. 2	<ul> <li>Central Excise         Divisional Office,     </li> <li>Jamshedpur.</li> </ul>	9-8-85
27.	V. S. P. Sinha	Muzaffarpur.  Hqrs. Office, Central Excise,	6-9-84	49,	Jaleshwar Prasad .	D. C.'s Office, Central Excise, Jamshedpur.	6-8-8 <i>5</i>
28.	Anil Bhusan Chaterjee.	Central Excise	6-9-84	<b>5</b> 0.	S. B. Prasad	Central Excise Divisional Office, Gaya.	26-8-85
29.	Rakeshwar Pd. Sinha	Division, Patna, Divisional Office,	8-10-84	51.	Gopalji Sah .	<ul> <li>Central Excise         Divisional Office,         Gaya.     </li> </ul>	23-8-85
	•	Central Excise Division, Laheriasarai		52.	M, N. Jha	, Central Excise Hqrs. Office, Patna.	22-10-85
30.	No. 2	Central Excise Hqrs. Office, Patna.	• 5-10-84	53.	Ganesh Prasad Sinha	Muzaffarpur II-Range, Central Excise Divn.	4-11-8:
31.	M. C. Sah .	<ul> <li>Purnea Customs, Customs Division, Farbisganj.</li> </ul>	1-12-84	54,	Ram Prakash Singh	Muzaffarpur Customs Madhubani Customs Division,	6-11-85
32.	B. K. Bhan .	Divisional Office, Central Excise, Division, Ranchi.	22-11-84	55.	Mahesh Prasad .	Muzaffarpur.  Central Excise Divisional Office,	12-12-8
33	. G. R. Giri .	. Central Excise, Hqrs. Office, Patna.	11-12-84(AN)	56.	Kanahiya Prasad .	Gaya. Central Excise, Hqrs. Office,	29-11-8:
34	Manoj Mohan Chakra borty	Divisional Office, Division,	3-1-85	57	. Vijoy Ratan Singh	Patna Central Excise, Divisional Office, Jamshedpur.	3-2-86
35	i. Ram Prit Sinha .	Customs Muzaffarpur Central Excise,	7-1-85	. 58	. Akhileshwar Maharaj	. I. O. C., Barauni Central Excise Division,	1-1-86
36	. Janak Kishore Sinha	Divisional Office, Jamshedpur Sasaram Range,	22-1-85	59	. A. B. Chakraborty	Patna. Central Excise	1-1-8
		Central Excise, Division. Gaya.	24-1-03	60	. K. C. Dutta .	Divisional Office, Ranchi Chakradharpur,	6-2-8
37	. K. G. Biswas .	Customs House, Raxaul	11-1-85 (AN)	30		Central Excise, Division, Jamshedpur.	

1	2	3	4	SUBJECT :-	•	he 3rd Decembe transfer and pos
	S/Shri		w	,		nt, Group 'B'
61.	Rajeshwar Prasad Singh No. 1	Customs Division,	10-2-86	I. Promotic		No. 295/86T
52.	Uma Kant Pathak	Motihari.  Khagaria Customs, Customs Division, Forbesganj.	3-2-86	pectors of rates of C appointed grade of Si	Central Excise entral Excise provisionally uperintendent of	in the combine , Calcutta-I/II on promotion to of Central Excis
6 <b>3.</b>	K. N. Sharma	Customs, Hqrs. Office, Paina.	10-2-86	prescribed 3200-100-3 the rules w	time scale 500/- plus ust z.e.f. the date i	of pay of Rs. and allowances a they assume ch
54.	S. N. P. Verma	Central Excise, Divisional Office, Jamshedpur.	10-2-86	of their p	osting and un Name	Central Excise, C til further order
65.	Lila Nand Choudhary .	Samastipur Customs Customs Division, Muzaffarpur.	11-2-86	No.	2	
<b>6</b> 6.	R. P. Rana	Customs, Hqrs. Office, Patna.	25-2-86	S/Sh 1. Gane	ri sh Ch, Sarkar	. Lalg
67.	Sudama Prasad Tiwary	Central Excise Divisional Office, Ranchi.	<b>10-2-8</b> 6	2. Rakh	al Raj Roy Cho	Cus
68.	Dasrath Narayan Verma		7-2-86			Ехс
69.	Roy Jogendra Prasad .	<del>-</del>	14-4-86	that their and subject	appointment in ct to revision/	promotee officer of Gr. 'B' posts a modification aga her officers to w
70.	Nathun Rajak	Gopalganj, Central Excise, Division Muzaffarpur	28-4-86	eventually In othe	decide to all r words the	locate the posts. officers promote
71.	Parmeshwar Paswan .	Bihar Sharif Range Central Excise, Division, Patna.	13-5-86	be brought to rosters along with dir- became available in accordance with the in the Ministry of Home Allairs Or- dated 22-12-59 and if they become s- ment at the time they will be reverte		ordance with the ne Allairs Orde they become sur
72.	Badri Narayan Prasad .	Central Excise Divisional Office, Muzaffarpur.	29-7-86	Their promotion will be subject to Writ Petition C.R. No. 8496 (W) of Kr. Dev, Inspector (S.G.) and in pure		8496 (W) of 19
73.	Gulab Ram .	Central Excise Bankipur-II Range, Central Excise,	11-6-86	vacant. This pr	omotion is als	ns one post has
		Division, Patna.		Sharma,	Inspector and	rit Petition filed others on reserv
74.	Kamla Rabidas	Customs Divisional Office, Muzaffarpur.	2-6-86	The fo with imn	acdiate effect	7 : .g and transfers and until furthe
75.	Mahondra Prasad	Central Excise, Divisional Office, Gaya.	4-7-86	Mono tal Sl. No.	Name	Existing posting
76.	S. M. W. Haider .	Central Excise, Hars. Office, Patna.	26-6-86	1	2	3
77.	Laxaman Singh .	Arrah, Central Excise Division, Gaya.	14-7-86	S/S 1. Gan		Lalgola Customs P.
78.	Bisnath Prasad	Customs, Divisional Office, Forbesganj.	28-7-86			-Krishnanas Customs Di
71.	Ram Eqbal Singh .	Customs Sitamarhi, Division, Muzaffarpur.	11-8-86		thal Raj Roy Choudhury	Internal Aud Central Exc Calcutta-I.
80.	Jonah Soren		25-9-86	3. N. 0	C. Ghosh	. Bolpur Coll'
_				4. B. S	Barkar	do-

K. P. MISHRA
Dy. Collector (P & E)
Central Ecxice, Patna

er 1986

sting in the grade of

The following Ins-ned cadre of Collectoncd cadre of Collecto-(1/Bolpur are hereby to officiate in the cise, Group 'B' in the 1. 2000-60-2300-EB-75-as admissible under charge of the higher Gr. 'B') at the place

SI.		Existing post	
1	2	3	
1.	S/Shri Ganesh Ch, Sarkar .	Lalgola Customs Preven- tive Unit Krishnanagar, Customs Division.	
2.	Rakhal Raj Roy Choudhury	Internal Audit, Central Excise, Calcutta-I.	

ers are further warned are purely provisional gainst the post allotted whom the Govt. may

ted provisionally will ect recruits when they e instructions contained ier No. 9/11/55/SRPS arplus to the establish-

final outcome of the 1984 filed by Shri Gaur uance of the Order in is continued to be kept

ne final outcome of the ed by Shri S. R. Dutta vation matters.

rs are hereby ordered ner orders.

юпо	table matter			<u> </u>
SI. No.	Name		Existing posting	Posting in promotion transfer
1	2		3	4
;	S/Shrl			
1. 0	Janesh Ch. Sarkar		Lalgola Customs P. U. -Krishnanagar, Customs Divisio	Bolpur Coll'te. n
2. F	Rakhal Raj Roy Choudhury		Internal Audit Central Excise, Calcutta-I.	Bolpur Coll'te
3. 1	N. C. Ghosh	-	Bolpur Coll'te	Central Excise Calcutta-'F' Division Calcutta-I.
4. 1	B, Sarkar	٠	-do-	Central Excise Calcutta-II Coll'te.

The copy of the certificate of transfer of charge indicating the dates of assumption of charge of Superintendent of C. Ex. Gr. 'B' by promotec/transfer may be forwarded to the Deputy Collector (P&E) C. Ex. Cal-I/II/Bolpur.

The promotee officer should exercise their options within one month from the date of promotion regarding fixation of pay on promotion in terms of Ministry of Home Affairs O. M. No. E/7/80/Estt./Pt. 1 dated 26-9-81.

The officer should be relieved immediately by local arrangement.

#### The 31st December 1986

Subject:—Promotion, transfer and posting in the grade of Superintendent, Group 'B'

#### 1. Promotion:

Establishment Order No. 315/86.—The following Inspectors of Central Excise in the combined cadres of Collectorates of Central Excise, Calcutta-I/II/Bolpur are hereby appointed provisionally on promotion to officiate in the grade of Superintendent of Central Excise, Group 'B' in the prescribed time scale of pay of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- plus usual allowances as admissible under the rules w.e.f. the date they assumes charge of the higher post (Superintendent of Central Excise, Gr. 'B') at the place of their posting and until further orders.

SI. No	Ņame	Existing Posting
1	2	3
	S/Shri	
1.	Kalipada Banerjee .	Midnapur Central Excise Division Calcutta- II, Coll'te,
2.	Rabindra Nath Halder .	Calcutta-'F', Division, Contral Excise, Calcutta-I, Coll'te.
3,	Lakshman Chandra Santra	Calcutta'E', Division, Central Excise Calcuttta- I, Coll'te.
4.	Chinta Haran Mondal .	Calcutta-'E' Division, Central Excsie, Calcutta-I, Coll'te.
5.	Damodar Saha .	Calcutta-'G' Division, Central Excise Calcutta-I, Coll'te.

The above mentioned promotee officers are further warned that their appointment in Group 'B' posts are purely provisional and subject to revision/modification against the post allotted to direct recruits and other officers to whom the Govt. may eventually decide to allocate the posts.

In other words the officers promoted provisionally will be brought to rosters along with direct recruits when they became available in accordance with the instructions contained in the Ministry of Home Affairs Order No. 9/11/55/SRPS dated 22-12-59 and if they become surplus to the establishment at the time they will be reverted.

Their promotion will be subject to final outcome of the Writ Petition C.R. No. 8496 (W) of 1984 filed by Shri Gour Kr. Dey. Inspector (S.G.) and in pursuance of the Order in the contempt applications one post has continued to be kept vacant.

This promotion is also subject to the final outcome of the Writ Petition filed by Shri S. R. Dutta Sharma, Inspector and others on reservation matters.

#### II. Transfer and Posting:

The following posting and transfers are hereby ordered with immediate effect and until further orders.

SI. No	Name o.	Existing posting	Posting in promotion/ transfer
1	2	3	4
Į.	S/Shri Kalipada Banerjee .	Midnapur Contral Excise Calcutta-II Coll'te,	
2.	Rabindra Nath Halder		vice Sri P. M.
3.	Lakshman Chandra Santra	Calcutta-'E' Dn. Central Excise Calcutta-I, Coll'te.	Bolpur Coll'te Head quarters Office vice Sri Bhojraj Chak- raborty.
4; 3	Chinta Haran Mondal	Cal-'E' Dn., C. E Cal-I Coll'te.	x Asansol Divn., Vice Sri N. G. Roy
5.	Damodar Saha	Calcutta-'G' Division, Central Excise Calcutta-I Coll'te.	

The copy of the certificate of transfer of charge indicating the dates of assumption of charge of Superintendent of C. Ex. Gr. 'B' by promotee/transfer may be forwarded to the Deputy Collector (P&E) C. Ex. Cal-I/II/Bolpur.

The promotee officer should exercise their options within one month from the date of promotion regarding fixation of pay on promotion in terms of Ministry of Home Affairs O. M. No. E/7/80/Estt./Pt. 1 dated 26-9-81.

The officer should be relieved immediately by local arrangement.

C. BHUJANGASWAMY
Principal Collector
Customs & Central Excise
Calcutta

#### MINISTRY OF TRANSPORT

# (DEPARTMENT OF RAILWAYS) (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 16th January 1987

No. 86/RE/161/6.—It is hereby notified for information of all users of Railway lines and premises situated on the under noted section of 'Western Railway' that the Over Head Traction Wires on these lines will be energised at 25000 Volts A.C. on or after the date specified against section below. On and from the same date the Over Head Traction lines shall be treated as LIVE at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said Over Head lines.

#### Section & Date

Bayna to Hindaun city 24-11-1986 (inclusive) (K. M. 1170-14 to 1133 /7-8)

No. 86/RE/161/6.—It is hereby notified for information of all users of Railway lines and Premises situated on the undernoted section of 'Central Railway' that the over head traction wires on these lines will be energised at 25000 Volts AC on or after the date specified against the section below. On and from the same date the overhead traction lines shall

be treated as live at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead lines.

Section & Date

Gwalior to Dabra (inclusive)

26-12-1986

(Km 1223/41-42 to 1180/25-26

No. 86/RE/161/6.—It is hereby notified for information of all users of Railway Lines and Premises situated on the undernoted section of Western Railway that the overhead traction wires on these lines will be energised at 25,000 Volts A.C. on or after the dates specified against the sections below. On and from the same date the Overhead Traction Lines shall be treated as LIVE at all times and no unauthorised person shall approach or work in the proximity of the said overhead lines.

- S. No., Section & Date
- (i) Gangapur City/FP to Sawai Madhopur/SSP

15-1-87

"(Km 1090/700 to Km 1032/070)

(ii) Rntlam/FP to Berawanya/SSP

15-1-87

(Km 655/790 to 687/441)

S. M. VAISH Secretary, Railway Board

## CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110066, the 6th January 1987

No. A-19012/1193/86-Estt, V.—Chairman, Central Water Commission hereby ampoints Shri Tata Nageswar Rno, Jr. Engineer to officiate in the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer (Engg.) on a nurely temporary and adhoce basis in the scule of pay of Rs. 2000 60-2300-EB-75-3200-100-3500 for a period of one year or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier with effect from the afternoon of 16-9-1986.

No. A-19012/1208/86-Estt.V.—On the recommendations of the Departmental Promotion Committee (Group B), Chairman, Central Water Commission appoints Shri G. Laxmana, Junior Engineer, to the grade of Extra Assistant Director/Asstt. Engineer (Engg.) in the Central Water Commission on a regular basis in the ray scale of Rs. 650-30-740-35 810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 18-4-85 until further orders.

2. The above mentioned officer will be on probation in the grade of EAD/AE in the Central Water Commission for a period of two years with effect from the aforesaid date.

M. R. SINGLE, Under Secy.

# CENTRAL GROUND WATER BOARD

NH-IV, Faridabad (Haryana) Faridabad, the 7th January 1987

No. 3 758/86-CH(Estt).—Shri T. N. Sondhi S.T.A (Chemical) is promoted as Assistant Chemist G.C.S. Group-B

(Gazetted) in the revised scale of Rs. 2000-60-2300-EB-75-3200-100-3500/- on temporary basis in the Central Ground Water Board with his Headquarter at North Central Region Bhopal w.e.f. 29-10-86 (FN), till further orders.

B. P. C. SINHA, Chief Hydrogeologist & Member.

#### LINISTRY OF INDUSTRY

# DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of Companies Act, 1956 and of M/s. R. N. Kapur & Co Pvt. Ltd.

Bombay-2, the 7th January 1987

No. 699/5028/560(5).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. R N. Kapur & Co. Pvt. Ltd. has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

(Sd/-) ILLEGIBLE
Addl. Registrar of Companies,
Maharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956

And

of M/s. Chemiks Drugs and Canning Private Limited

Pondicherry, the 9th January 1987

No. 149/560(3)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 at the expiration of three month from the dark hereof the name of the company M/s Charles Dings and Canning Private Limited unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956

of M/s. Selvaganapathy Chit Fund and Finance
Private Limited

Pondicherry, the 9th January 1987

No. 116/Sec.560(3)/87.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the company" M/s Selvaganapathy Chit Fund & Finance Private Limited" unless cause is shown to the contrary will be struck off the register and the said company will be dissolved.

B. KOTESWARA RAO, Registrar of Companies Pondicherry.

## FORM I.T.N.S.—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I,
"Sivasakthi Building" (II Floor)
31, G. N. CHETTY ROAD, T. NAGAR,
MADRAS-17.

Madras, the 9th January 1987

Ref. No. 2/May/86.—Whereas, I, R. JANAKIRAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Door No. 102. Coral Merchant Street, Madras-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Madras (North)—Doc. No. 1670/86 on 15-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such ransfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the oblest of transfer with the oblest of transfer.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957, 27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri K. Shahul Hameed, 102, Coral Merchant Street, Mannady, Madras-600 001.

(Transferor)

(2) M/s. Jai Tex Lunghi Company, 47, Ramaranin Street, Mannady, Madras-600 001.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land and Building at Door No. 102, Coral Merchant Street, Mannady, Madras-600 001. (Doct. No. 1670/86)

R. JANAKIRAMAN
Conspetent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I,
Madras-600 017

Date: 9-1-87.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th January 1987

C.R. No. 62/50116/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax. Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. R.S. No. 214, B1, T.S. No. 57-B1 R.S. No. 215-A1, T.S. No. 58-AI situated at Attavar village, Milagres ward, Mangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 18-4-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to

the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the instrument of transfer with the object of :—

believe that the fair market value of the property as aforesaid

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) U. Ranganath Kini, Flat No. 106, Taliseiman Chambers, Prenderghat Road, Secunderabad.

(2) V. Vittel Kini. G.M., T.I.S., Co. Ltd., Jamshedpur-500003.

(3) U. Damodar Kini, 2. Pasta Lane, Colaba. Bombay-400005,

4) V. Shantaram Kini, 2-B. Street 17, Sector 4, Bhailai, Madhya Pradesh.

(Transferor)

(2) (1) Zubeida Muncer

(2) B. Mumtaz and

(3) B. Ayesha Banu S. L. Mathias Road, Mangalore-575001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 98 dated 18-4-86] Non agricultural warg Properties situate in Attavar Village of Mangelore Taluk, within the Mileages ward of the corporation of the city of Mangalore, and within the registration sub District of Mangalore city, comprised in:—

R.S.No. T.S.No. Extent Remarks

AC 0-01 Full S.D.No.

comprised in:-

214-B1 57-B1 0-0

215-B1 58-A1 0-02 Full S.D. No.

Touching one another and forming one compact block, containing residential house buildings bearing Door No. 18-2-43 & 43A and out house, well, latrine tress and other contents together with all easementary and manual rights of way, water etc.

R. BHARDWAI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range,
Bangalore

Dato: 12-1-87

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVEENMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE, BANGALORE-560 001

Bangalore-560 001, the 12th January 1987

C.R. No. 62/50118/86-87/ACQ/B.—Whereas, I, R. BHARDWAJ, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (horeinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 91, situated at Casba Bazaar Village, Mangalore City (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Mangalore on 21-4-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in parsuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) (1) Ullal Vasanth Rao, 116, A. K. Swamy Nagar, Ki Pank, Madras-600010.
  - (2) Kishore Ullal Rana Pratap Nagar. Nagpur-35.
  - (3) Jathin Ullal, 116, A. K. Swamy Nagar, Kilpauk, Madras-600010.

(Transferor)

- (2) (1) Kadeeja & others GPA holder, Janab A. M. Mohd. Haji, Muttathody Village, Kasargod Taluk. Kerala State.
  - (2) P. A. Ramlabi, Srirampet, Kasba Village, Kasargod Taluk, Kerala State.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

[Registered Document No. 118 dated 21-4-1986] Non agricultural immovable properties situated in No. 91, Casba Baznar Village, Mangalore Taluk bearing Patta No. 1380, and No. 13th Market Ward in Mangalore City Corporation, within the sub district of Mangalore city. Item Renenue Block R.S. T.S. Kissam Extent

No. Ward No, No. No. No. A C

11 601/IC 187/IC Garden 0-20 cent ř (or 8929 89f<sub>f</sub>)

With Buildings, bearing Mangalore city corporation Door No. 13-4-543 and 13-4-545 containing storied buildings, out Houses, well and all contents and appurtenances and together with all casementary and manual rights et c.

> R. BHARDWAJ Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore

Date: 12-1-87

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR, OPP. LANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 2nd January 1987

K-9/86-87.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinatter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Rs. 1,00,000/- and the Sendule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kanpur under resignation No. 11136 dated 12-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the llability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269-C of the Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

15-446 GI/86

- (1) Jyatinder Kaur w/o Surjit Singh, & others, 120/809, Ranjit Nagar, Kanpur.
- (Transferor)
- (2) Shiva Builders, Sadhana Builders, 7/108, Swaroop Nagar, Kanpur through Reena Santwari w/o Mohan Lal Sanhooni, & others.
  (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period empires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

House No. 7/158A Swaroop Nagar, Kanpur and back portion of 7/158, Swaroop Nagar, Kanpur.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Kanpur

Date: 2-1-87.

\_\_\_\_\_\_

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RAMGE, 106/282, KANCHAN BHAWAN, GANDHI NAGAR OPP. 1 ANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-208 012, the 2nd January 1987

MD-22/86-87.—Whereas, I, H. R. DAS, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-lux Act. 4961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 65/14 situated at Rajpur Road (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 3331 dated 2-6-86 for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction of ewasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Hari Kishan Kaul Kilam & Autar Krishna Kaul Kilam s/o Triloki Nath Kaul Kilam R/o Shivpura, Ram Munshi Bagh, Sringgar, (Kashmir).

(Transferor)

(2) Shri Krishna Kumar Agrawal s/o Ranjeet Singh (Karta HUF),24 Neshvilla Road,Dehradun.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. 65 Rajpur Road, Dehradun, Land measuring 2.05 acre, Constructed area 505 sq. metre & 1565 sq. m. open land.

H. R. DAS
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range.
Kanpur

Date: 2-1-87.

#### FORM TIME

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE 106/282, KANCHAN BHAWAN GANDHI NAGAR OPP. YANIN PARK, KANPUR-208 012

Kanpur-280 012, the 2nd January 1987

Ref. No. M.D.24/86-87.--Whereas, I,

H. R. DAS,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No. situated at Village Ambani (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Dehradun under registration No. 5020 date 26-6-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

(1) 1. Ahmed Sayeed Khan

2. Masood Ahmed Khan 3. Maqbool Ahmed Khan

4. Mahboob Ahm ed Khan

All Ss.'o Shri Abrul Rashid Khan, Village-Ambari, Pachwa, Dehradun,

(Transferor)

(2) I. M/s. Jai Prakash Associates Pvt, Ltd. 2. M/s Jai Prakash Associates Construction Ltd.

Both R/o 63, Basant Lok Community Centre, Vasant Vihar, New Delhi.

(Transferee)

(3) M/s. Jai Prakash Associates Pvt. Ltd.

2. M/s Jai Prakash Associates Construction Ltd. Both R/o 63, Basant Lok Community Centre, Vasant Vihar, New Delhi.

[Person(s) in occupation of the property]

 Mahbool Ahmed Khan
 M/s Iai Prakash Associates Construction Ltd. Both R/o 63, Basant Lok Community Centre, Vasant Vihar, New Delhi.

[Persons whom the undersigned known to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the oforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Agriculture irrigated land measuring 18,20 Acre (95) Bighas) Village Ambari, Pachwa, Dehradun.

> H. R. DAS Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Kanpur

Date: 2-1-1987

# FORM I.T.N.S.-NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1987

Ref. No. DBS/1/86-87.—Whereas, I, M. N. A. CHAUDHARY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable according a fair market value exceeding property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Land measuring 30 bighas, 11 bigwas and

Land measuring 30 bignas, 11 bigwas and Factory Building constructed (hereon situated at Vill. Dayalpura Sodhian & Vill. Shatt Tehsil Rajpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Days Pages Pages Pages Pages 1918 (1809), 1926.

Dera Bassi, Distt. Patiala May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; ama /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) Prime Paper Board Mills P. Ltd. having registered office at Vill. Ihungian, P.O. Dyalpur Sodhian, Teh. Rajpura, through Managing Director Smt. Anjana Sharma, W/o Shri Daya Kishan Sharma, and Joint Mg. Director Shri Daya Kishan Sharma, both R/o H. No. 337, Sector 21A, Chandigarh.

(Transferor) (2) Maghan Pulp and Paper Industries Pvt. Limited, Sangrur, through its authorised Director Shri V. P. Maghan S/o Shri O. P. Maghan, R/o Om Niwas, Railway Road, Sangrur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION .: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 30 bighas and 11 biswas and factory building constructed thereon situated at Vill. Dayalpura Sodhian & Vill. Shatt (Tehsil Rajpura), Dist. Patiala (The property as mentioned in the sale deed No. 293 of May, 1986 of the Registering Authority Dera Bassi.)

> M. N. A. CHAUDHARY Competent Authority
> Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
> Acquisition Range Ludhiana

Date: 9-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1987

Ref. No. DBS/2/86-87.—Whereas, I,
M. N. A. CHAUDHARY,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Land measuring 10 bighas, 17 biswas,
situated at Vill. Dayalpura Sodhian, Tch. Rajpura
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908
(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Dera Bassi in May 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 Shri Gian Chand Joshi, Soo Shri Bhagwan Das Joshi,
 Shri Deepak Joshi, Soo Shri Bhim Chand Joshi, partner of M/s Cement Fabrics (India), working office B-188, Industrial Area, Chandigarh.

(2) Mughan Pulp and Paper Industries Pvt. Limited, Sangrur, through its authorised Director Shri V. P. Maghan S. o Shri O. P. Maghan, R/o Om Niwas, Railway Road, Sangrur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Land measuring 10 bighas & 17 biswas situated at Vill. Dayalpura Sodhian, Tch. Rajpura, Distt. Patiala. (The property as mentioned in the sale deed No. 294 of May, 1986 of the Refistering Authority, Dera Bassi).

M. N. A. CHAUDHARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range
Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) or Section 269D of the said Act. to the following persons, namely:—

Date: 9-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 9th January 1987

Ref. No. CHD/10/86-87.---Whereas, I,

M. N. A. CHAUDHARY,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Annexe No. 1010, built on plot No. 5-G, Sector 278,

situated at Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in June, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay that under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to hee following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Anand Swarup Trehan,
  - S/o Shri Harbilas, 2. Smt. Sudesh Rani,
  - W/o Shri Anand Swarup,
  - 3. Shri Arun Trehan, S/o Shri Anand Swarup, Through their General attorncy Shri Anand Swarup Trehan,
  - 4. Smt. Madhu Treban, W/o Shri Ashok Trehan,

  - 5. Miss Shiwani (Minor), D/o Shri Ashok Trehan, 6. Master Karan (Minor)

S/o Shri Ashok Trehan, Through their mother & natural guardian

Mrs. Madhu Trehan,

all R/o H. No. 510, Sector 8D, Chandigarh, (Transferor)

(2) Shri Mohinderpal Singh S/o Shri Inder Singh R/o House No. 1054, Sector 27B, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Annexe No. 1010, built on plot No. 5G, Sector 27B, Chandigarb. (The property as mentioned in the sale deed No. 461 of June, 1986 of the Registering Authority Chandigarh).

> M. N. A. CHAUDHARY Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range Ludhiana

Date: 9-1-1987

#### FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. R. N. Sawhney, Smt. Shanti Sawhney, & Mr. Sanjeev Sawhney, D-9, Kalindi Colony, New Delhi.

(Transferor)

(2) M/s. Rumesh Chander Kapoor & Sons HUF & M/s. Hari Kapoor & Sons HUF W-59 Grenter Kailush-I.

New Delhi.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 9th January 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37-EE/5-86/3058.—Whereas, I.

S. C. GUPTA.
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereInafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 107, Siddhartha situated at

96-Nehru Place, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I.T. Act, 1961 Officer at IAC/Acq. Range-1, New Delhi in May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

Flat No. 107, Siddhartha, 96-Nehru Place, New Delhi, measuring 554 Sq. ft. on the first floor. (rear).

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957). (b) facilitating the concealment of any income of any

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 9-1-1987

Seal : .

NOTICE UNDUR SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II AGGARWAL HOUSE 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1987

Ref. No. IAC/Acq-I/37-EE/5-86/3086,---Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1.00.00/- and bearing
Flat No. 133 Devika Tower situated at
6, Nehru Place, New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the 269AB of I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I. New Delhi in May, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the applicant consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration of such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the limiting of the transferor to pay tax under the paid Act, is respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax 1937 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s Pragati Construction Co. (Devika Tower) 4th Floor, Shectla House, 73-74, Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar Gupta F-10, East of Kailash, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 133, Devika Tower, 6 Nehru Place, New Delhi, Area 628 Sq. ft.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I
Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road
New Delhi

Date: 6-1-1987

.....

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# ME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# New Der

(2) Mrs. Beena S. Jain, 4798/23 Darya Gani, New Delhi.

(1) M/s. Intercraft Limited.

A-16 Naraina Industrial Area, Phase-II, New Delhi.

(Transferee)

(Transferor)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/5-86/3119.—Whereas, I, S. C. GUPTA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Bhandari House, 91 Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, New Delhi in May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as, are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same menning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Basement No. 4 on Basement Floor Measuring 670 Sq. ft. In Bhandari House, 91 Nehru Place, New Delhi.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
16—446 GI/86

Date: 8-1-1987

NGTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)  M/s. Intercraft Limited, A-16 Naraina Industrial Area, Phase-II, New Delhi.

(Transferor)

(2) Mr. Subhas C. Jain, 4798/23 Darya Ganj, Bharataram Road, New Delhi.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/5-86/3120.—Whereas, I, S. C. GUPTA,

being the competent authority Under section 269 B of the income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to us the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value

exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Bhandari House, situated at No. 91, Nehru Place New Delhi
(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of
the Registering Officer

at IAC/Acq. Range-I, New Delhi in May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

and/or

(b) facilitating the concealment of any income on any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Basement No. 2 on Basement Floor Measuring 725 Sq. ft. In Bhandari House, 91-Nehru Place, New Delhi-110019.

S. C. GUPTA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I. Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1987

Ref. No. IAC/Acq. I/37EE/5-86/3142.—Whereas, I.

Ref. No. 1AC/Acq. 1/3/12/3-05/31.

S. C. GUPTA,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 404 in 38 Nehru Place situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration I. T. Act 1961 in the Office of the Registering Officer

at IAC/Acq. Range-I, New Delhi in May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) M/s Gulmohar Estate (P) Ltd., 415 Devika Towers, 6 Nehru Place, New Delhi.

(Transferor)

(2) Interweave Fashions (P) Ltd., C-63 Himalya House, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 404, in 38 Nehru Place, New Delhi-110019, Area 360 Sq. ft.

> S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 8-1-1987

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 8th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.-I/37EE/5-86/3143.—Whereas, I. S. C. GUPTA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 405 in 38 Nehru Place situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, New Delhi in May, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. GUPTA Competent Authority

New, therefore, in purvuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s Gulmohar Estate (P) Ltd.,
415 Devika Towers,
6, Nehru Place, New Delhi-110019.

(Transferor)

(2) Interweave Fashions (P) Ltd., C-63 Himalya House, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULB

Flat No. 405 in 38 Nehru Place, New Delhi-110019. Area

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Date: 8-1-1987

360 Sq. ft.

Soul:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME. TAX ACT. 1961 (45 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD NEW DELHI

New Delhi, the 6th January 1987

Ref. No. IAC/Acq-Range-I/37EE/1286/3311.—Whereas, I, S. C. GUPTA. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. C-9/6, Vasant Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of

the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, New Delhi in May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor the ferror are consideration consideration. more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evision of of the transferor to pay tax under the respect of any income arising from and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferos for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1937);

(1) Shri R. K. Gupta, "Emetator", R/o 20-East Park Area, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Paramjeet Singh, S/o Late Ajit Singh, R/o 15/1 Gurgaon Road, P.O. Maruti, Haryana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

C-9/6, Vasant Vihar, New Delhi. Area 420 Sq. Yds.

S. C. GUPTA Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I, Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the mid Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Date: 6-1-1987

Seel:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

Now Delhi, the 12th January 1987

Ref. No. IAC/Acq.-II/37EE/586/29.—Whereas, I, ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding
Rs. 1,00,000- and bearing
Flat No. 509, 2 Tilak Marg situated at New Delhi
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of
the Registering Officer

has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at IAC/Acq. Range-I, New Delhi in May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from thetransfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s Ravindra Properties (P) Ltd.,
 Tilak Marg, New Delhi.

(Transferor)

(2) Maninder Singh Narula, S/o Shri Ranbir Singh Narula and Mrs. Prabhjeet Narula, W/o S. Maninder Singh Narula, Road 42, House No. 83, Punjabi Bagh, New Delhi.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 509, 2 Tilak Marg in the proposed Group Housing Scheme, New Delhi, Leasehold measuring 1500 sq. ft. approximate.

ASHOK KACKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-I, Aggarwal House
4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Ihereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-1-1987

Seel :

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HÖUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th January 1987

Ref. No. IAC/Acq. II/37-EE|5-86|30,---Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable properly, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 311, 3rd Floor, 2, Tilak Marg, New Delhi

situated at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of

the Registering Officer at New Delhi, in May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent said that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or say moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Shyam Manmohan Shukla s/o Pt. Gopal Shukla, R-3 Greater Kailash-I, New Delhi-48.

(Transferor)

(2) M/s Golden Fisheries Ltd.
 B-81 (1st Floor) Defence Colony,
 New Delhi-110 024.

(Transforce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersined :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 311, measuring 1500 Sq. ft. on 3rd floor in the proposed housing complex at 2 Tilak Marg. New Delhi Leaschold.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II. Aggarwal House. 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, camely :--

Date: 12-1-1987

#### PORM ITNE

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (48 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

(1) Mr. Rajesh Malhotra & Mr. Rakesh Malhotra ss/o Sh. R. M. Malhotra, B-3/2 (GF) Vasant Vihar, New Delhi-110 057.

(Transferor)

(2) Mrs. Ragni Chopra w/o Shri Sunil Chopra, B-3/2 (GF) Vasant Vihar, New Delhi-110 057.

(Transferee)

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th January 1987

Ref. No. IAC. IAC/Acq. I1/37-EE 5-86 31:--- Whereas I,

being the Competent Authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 606; 2, Tilak Marg, New Delhi situaed at New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the LT. Act 1961 in the Office of

has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer

the Registering Officer at New Delhi in May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe, that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of . ment of transfer with the object of :--

Objections, if may, to the acquisition of the said property may, be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imagovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Weslth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 606 measuring 1500 sq. ft. on 6th floor in the proposed Group Housing Complex, 2 Tilak Marg, New Delhl, Leasehold.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Aggarwal House, 4/14A Asaf Ali Road, New Delhi

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the suit Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the suid Act, to the fellowing seconds, namely:—

Date: 12-1-1987 Seaf:

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th January 1987

1AC/Acq. II/37-EE|5-86|32.—Whereas, 1, Ref. No. ASHOK KACKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. J-21, South Extension Part 1 No.

J-21, South Extension Part-I, New Delhi situated at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1986

at New Delhi in May 1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property, and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor, by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to beta ween the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer;

(b) facilitating the cooncalment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922.

11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the sue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :- 17—446 GI/86

(1) Pt. Hira Lal s/o Shri Balak Ram, U-4, Green Park Extension, New Delhi.

(Transferor)

(2) Pal & Paul Builders Ltd., 70 Regal Building, Connaught Circus, New Delhi-110001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

J-21, South Extension Part-I, New Delhi. Freehold.

ASHOK KACKER Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Aggarwal House 4/14-A, Asaf Ali Road, New Delhi-1

Date: 12-1-1987

The second of the all the

 Shri Bal Kishon (HUF) through Karta Balkishan s/o Lala Hargopal r/o E-56, Greater Kailash Enclave, II, New Delhi.

(2) Assemblies of God of North India

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, AGGARWAL HOUSE, 4/14-A. ASAF ALI ROAD, NEW DELHI

New Delhi, the 12th January 1987

Ref. No. IAC, Acq.-II/SR-III|5-86|9.—Whereas, I, ASHOK KACKER, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.09.000/- and bearing No. 1.-16, N.D.C.E. Part-II, New Delhi situa'ed at New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the I.T. Act, 1961 in the Office of the Registering Officer at New Delhi in May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of:—

t facilitating the reduction or evasion of the habitity of the transferor to pay tax under the said had the respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 260D of the said Act to the following persons, namely;—

Objections, if any, to the acquisition of the and sropers may be made in writing to the undersigned -

having its registered office at 18 Royal Street, Calcutta through its General Supdt. Dr. P.C. Samuel.

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires take
- (b) by any other person interested in the said unmovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in hat Chapter.

# THE SCHEDULE

Property No. L-16, N.D.S.E. Part-II, New Delhi. Freehold Built up measuring 494 sq. yds.

ASHOK KACKEI
Competent Authorit
Inspecting Assistant Commissioner of Income-ta
Acquisition Range-II
Aggarwal House
4/14A Asaf Ali Rond, New Delh

Date: 12-1-1987

#### (1) Smt. Anusuya Chatterice. Smt. Anita Debi.

(2) Shiva's Group Pvt. Ltd.

(Transferor)
(Transferee)

NUTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 6th January 1987

Ref. No. AC 67/R-II/Cal/86-87.—Whereas, J, S. N. TEWARI,

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinatter re erred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 33A & 33B, situated at Raja Santosh Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Competent Authority under Registration No. 37EE/Acq R-II:[21]Cal[86-87 dated 14-5-86]

for an apparent consideration which is less than the fair mark t value of the anoresaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid acceds the apparent consideration therefor by more than affect per cent of such apparent consideration and the somewhere the somewhere the somewhere the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

tal facilitating the reduction or evision of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Weslth-rax act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of one said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are Jeffned in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in their Chapter.

# THE SCHEDULF

Area: 2B. 2k. 10ch. 32sft. more or less, situated at 33A & 33B, Raja Santosh Road, Calcutta. More particularly described in deed No. 37EE/Acq-R-III/21|Cal|86-87 dt. 14-5-86 registered by the Competent Authority.

S. N. TEWARI
Competent Authority
Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Date: 6-1-1987

# FORM I.T.N.S.-

# (1) Smt. Reba Majumdar 11/1, Loke L. Place, Calcutta.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shashi Agarwal & Ors. 40B, Vivekananda Road, Calcutta.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 7th January 1987

Ref. No. AC-68/R-II/Cal|86-87.-Whereas, 1, S. N. TEWARI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 99C, Plot No.

situated at New Alipur, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at S.R.A. Calcutta under Registration No. 7759, dated 30-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

4.66 K. of land, plot No. 99C, Block-R, New-Alipur, Cal. More particularly described in deed No. 7759 dt. 30-5-86 registered by the S.R.A. Calcutta.

S. N. TEWARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# (1) Ellenbarrie Properties Limited, 3A, Ripon St, Cal.-16.

(Transferor)

(2) Britannia Industries Limited, 5/1A Hangerford Street, Cal.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1987

Ref. No. AC-69/R-II/Cal/86-87.—Whereas, I. S. N. TEWARI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as he 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 10 situated at Burdwan Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the said Activend with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. 37EE/6/R-II/Cal/86-87 dated 26-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I, have reason to believe hat the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration the for by more than

fifteen per cent of such apparent consideration and that the

consideration for such ransfer as agreed to between the

parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat 'A' on 4th floor of building (under construction) at 10, Burdwan Rd, Cal, and a car parking space on ground floor together measuring 3,110 sq. ft. on super built up basis that is 2480 sft., carpet area. More particularly described in deed no. 37EE/6/R-IF Cal/86-87 dt. 26-5-86 registered by the Competent Authority.

S. N. TEWARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rati Ahmed Kidwal Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-87

# FORM I.T.N.S.-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II, CALCUITA

Calcutta, the 7th January 1987

Ref. No. AC-70/R-II, Cal/86-87.—Whereas, I, S. N. TEWARI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs.1,00,000/- and bearing

No. 10/1/E situated at D. H. Road, Cal.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competen' Authority under section 269 AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. 37EE/242/R-II/Cal/85-86 dated 16-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as a foresaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said Instrument of Transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the mid Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been er which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Greenwich Holdings (P) Ltd., 2, Lal Bazar S. reet, Cal-1.

(Transferor)

(2) Chameli Devi Kulthia, All of 14/1, Kalkar St., Cal.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a perod of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Casette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Area: 2640 sft. at 10/1/E, D. H. Rd, Cal-27. More particularly described in deed No. 37EE/242/R-IICal/85-86 dt. 12-5-86 registered by the Competent Authority.

S. N. TEWARI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of ection 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid poperty by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-87

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

### ACQUISITION RANGE-II, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1987

Ref. No. AC-71/R-II/Cal 86-87.—Whereas, I, S. N. TEWARI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tar Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plo-122, B1-CB situated at Sec-I, Salt Lake City, Cal. (and more fully described in the Schedule amexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority under section 209AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules 1962 under Registration No. 37EE/217/R-II/Cal/dated 2-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between

the parties has not been truly stated in the said instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;—

- (1) Ashim Kumar Pal. K-2/3 M. S. flats, 13, R. K. Puram, New Delhi.
- (2) Cameli Devi Kulthia; 4, Hanspukur 1st Lane, Cal. 7

(Transferce)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

### THE SCHEDULE

4.5407K of land plot no. 122; Block CB, Sector-I, Salt Lake City. More particularly described in deed no. 37EE/217/R-II/Cal/85-86 dt. 2-5-86 registered by the Competent Authority.

S. N. TEWARI
Competent Authority
Inspecting Assisstant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Date : 7-1-87 Scal :

(1) Thakurdas Uttamchandani

(Transferor)

(2) Raj Karan Dugar

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th January 1987

Ref. No. C.A. 201786-87/Sl, 1264/I.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, I, K. GAYEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 35/1, situated at Jawaharlal Nehru Road, Calcutta-71
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. 37EE/242/R-II/Cal/85-86 dated 12-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, is respect of any income arising from the teamser. and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that property at 35/1, Jawaharlal Nehru Road, Nataraj Co-operative Housing Socie'y Ltd., 2 H Kailash Building, 2nd floor, South East Flat, Calcutta-71. Registered before the Competent Authoriy, I.A.C., Acqn. Runge-I, Calcutta vida Serial No. C.A. 201 dated 16-5-86,

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acculation of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons mamely :--

Dato: 8-1-87

# (1) Mr. Mahabir Prasad Agarwala

(2) Mrs. Shashi Daga

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferee)

# Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Calcutta, the 8th January 1987

Ref. No. C. A. 199/86-87/Sl. 1265/1.A.C./Acq. R-I/Cal.—Whereas, I, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 12B situated at Russel Street, Calcutta-71 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, and registered, with the Competent

has been transferred and registered with the Competent Authority under section 269 AB of the said Act read with rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 under Registration No. C.A. 199 dated 9-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immevable propery, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expressions .—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

# THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); All that Flat No. 9B, 2000 Sq. Ft. situated on 9th floor at 12B, Russel Street, Calcutta-71. Registered before the Competent Authority, 1.A.C., Acquisition Range-I, Calcutta vide Scrial No. C.A. 199 dated 9-5-86.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-I 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Date: 8-1-87

# (1) Mrs. AROTI HOSALI MRS. SAROMA BERNOULLI

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) PRAGATI ESTATES PVT. LTD.

(Transferce)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 8th January 1987

Ref. No. C.A. 160/86-87/Sl. 1266/I.A.C./Acq.R-I/Cal.—Whereas, I, I. K. GAYEN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinufter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 41 situated at Shakespeare Sarani, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been and registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acq.R-III, Cal. on 14-5-86 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

All that the premises No. 41, Shakespeare Sarani, Calcutta measuring 1753 sq. m. Registered before the Competent Authority, I.A.C., Acquisition Range-III, Cal. vide No. 37EE /Acq.R-III/36/Cal/86-87 dated 14-5-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
54, Rafl Ahmed Kidwai Road
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 8-1-87

(4) Madgul Udyog.

(Transferor)

(2) M/s. Jain Commercial Corporation.

(Transferce)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 6th January 1987

Ref. No. 2407/Acq. R-III/Cal/86-87.-Whereas, I, I. K. GAYEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the improvement of the section of the movable property having a fair market value exceeding Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore, Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 176, situated at Sarat Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at under registration No. 37EE/Acq. R-III/9 dated 14-5-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 1B having an area of 1600 Sq. ft. & open Car parking space at premises No. 176, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/9 dated 14-5-1986.

· I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III. 54, Rafl Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 6-1-1987

(1) Madgul Udyog.

(Transferor)

(2) M s Saraogi Supply Agency.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 6th January 1987

Ref. No. 2408/Acq.R-III, Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 176 situated at Sarat Bose Road, Calcutta, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been and registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn, Range, Punc under registration No. 37EE/Acq.R-III/5 dated 14-5-1986, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the partles has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the augressid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4A having an area 1800 sq. ft. at 176, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Rcq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/5/Cal/86-87 dated 14-5-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1987

Seal

(1) Todi Tea Company Limited.

(2) Kesaria Enterprises.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-MISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III

Calcutta, the 6th January 1987

Ref. No. 2409/Acq.R-III Cal/86-87.--Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269% of the Incame-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinneter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 2 situated at Lalbazar Street, Calcutta,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred and registered u/s 269 AB of the saud
Act in the office of the Competent Authority at Calcutta
under registration No. 37EE/Acq.R-III/34 dated 14-5-86,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
afteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfers and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other canets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1983 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be said in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said intrestant able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Room No. 507 to 511. Total area measuring 2139.29 sq. ft. at 2, Laibazar Street, Calcutta. Registered before I.A.C. Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/34 dated 14-5-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1987

- (1) Teage Tools and Constructions (India) Pvt. Ltd. (Transferor)
- (2) Neelkhanth Mercantile Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 6th January 1987

Ref. No. 2410/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9/1 situated at Lower Rowtion Street, Calcutta-20,

No. 9/1 situated at Lower Rowtion Street, Calcutta-20, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority at IAC, Acqn. Range-III, Calcutta under registration No. 37EE/R-III/82 dated 14-5-1986,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat Nos, 'GS & GN' at 9/1, Lower Rowdon Street, Cal-20. Area 3502 sq. ft. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal. vide 37EE/Acq.R-III/82 dated 14-5-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1987

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III
CALCUTTA

Calcutta, the 6th January 1987

Ref. No. 2411/Acq. R-III/Cul/86-87.—Whereas, I. I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 11A situated at Palm Avenue, Cal-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

No. 11A situated at Palm Avenue, Cal-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been and registered u/s 269AB of the said Act in the office of the Competent Authority under Registration No. 37EF/Acq. R-III/86 dated 14-5-1986

for an apparent consideration which is less than the tair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); (1) K. N. Properties (P) Ltd.

(Transferor)

(2) 1. Mrs. Bina M. Kampani, 2. Mr. Vishal M. Kampani.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days, from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 6C on 6th floor at 11A, Palm Avenue, Cal-19, measuring 1843 Sft. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EF/Acq. R-III/86 dated 14-5-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 6-1-1987

(1) Madgul Udyog.

(Transferor)

(2) M/s. Shree Mahavir Paper Mart.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

# GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

# ACQUISITION RANGE-III CALCUTTA

Calcutta, the 6th January 1987

Ref. No. 2412Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 176 situated at Sarat Bose Road, Calcutta,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at I.A.C., Acq., Acq. R-III, Calcutta, under Registration No. 37EE/R-III/4 dated 14-5-86.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

# THE SCHEDULE

Flat No. 3C having an area of 1250 Sq. ft. at 176, Sarat Bose Road, Cal., Registered before I.A.C., Acqn. R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/4/Cal|86-87 dated 14-5-1986.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date: 6-1-1987

#### FORM ITNS-

#### (1) Madgul Udyog

(Transferor)

## NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

#### (2) M/s. Saraogi Supply Agency.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD **CALCUTTA** 

Calcutta, the 7th January 1987

(a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the afforestald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. 2413/Acq.R-III/Cal/86-87.--Whereas, I. I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 176 situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE/Acq. R-III/7 Calcutta dated 14-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more sold exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be dislocted by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 4B having an area 2400 sq. ft. & one covered car parking space at 176, Sarat Bose Road, Calcutta Registered before IAC., Acq.R-III, Calcutta., vide 37EE/Acq.R-III/7 dated 14-5-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

New, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely :---

19-446 GI /86

Dated: 7/1/1987

FORM I.T.N.S.-

(1) Lansdown Properties Ltd. (2) Ganapati India (P) Ltd.

(Transferor)

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

> > Calcutta, the 7th January 1987

Ref. No. 2414/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, K. GAYEN,

1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (heerinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 2/6, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE/Acq. R-III/17 Calcutta dated 14-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, he respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which eught to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazettte.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Space No. 1, 2, 3 & 4 on 8th floor measuring 3748 sq. ft. together with two car parking space in basement at 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before IAC., Acq.R-111, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/17 dated 14-5-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Dated: 7/1/1987

K N Properties Pvt. Ltd.
 Keshav Commercial Company Ltd.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

DER SECTION 269D (1) OF THE

(Transferec)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUITA

Calcutta, the 7th January 1987

Ref No. 2415/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 11A situated at Palm Avenue Calcutta-19 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE/Acq. R-III/17, Calcutta dated 14-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid

believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, as respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shal lhave the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 3D on 3rd floor at 11A, Palm Avenue, Calcutta-19 Registered before IAC., Acq.R-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/19/Cal/86-87 dated 14-5-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7/1/1987

Scal

#### NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1987

Ref. No. 2416/Acq.R-III/Cal/86-87.--Whereas. I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 6/2 situated at Sarat Bose Road Calcutta. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE/Acq. R-III/31, Calcutta dated 14-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Gayatri Devi Saraff & Ors.

(Transferor)

(2) 1. Smt. Sharda Devi Chhaparia,

2. Anfi Kumar Chhaparia,

3. Krishna Kumar Chhapario (Minor) 4. Rajiv Kumar Chhaparia (Minor)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No 11, 1st floor at 6/2, Sarat Bose Road, Calcutta-20 and a Garage. Flat measuring 1780 sq. ft. & Garage 180 sq. ft. Registered before IAC., Acqn. Range-III, Cal., vide 37EE/Acq.R-III/31 dated 14-5-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Dated: 7/1/1987

(1) Landsdown Properties Ltd.

(Transferor)

(2) Tirupati India Pvt. Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961, (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

# OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III 54, RAF1 AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1987

Ref No 2417/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, 1, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No 2/6, situated at Sarat Bose Road, Calcutta

No 2/6, situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE/Acq. R-III/15, Calcutta dated 14-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Space No. 6 & 7 on 7th floor measuring 2976 sq ft. & one car parking space at 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta, Registered before IAC., Acq.R-III, Cal, vide 37EE/Acq. R-III/15/Cal/86-87 dated 14-5-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dated: 7/1/1987

(1) Sunil Kumar Datta & Ors.

(Transferor)

(2) Sunbeam Trading Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1987

Ref No. 2418/Acq.R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
No. 131A situated at Rash Behari Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedulc annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at 37EE/Acq.R-III/38, Calcutta dated 14-5-1986

of the apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by aforesaid exceeds the apparent consideration therefor more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfere for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by teny of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Basement floor, 1st, 2nd & 3rd floor measuring 1757 sq. mtrs. at 131A, Rash Behari Avenue, Calcutta, Registered before IAC., Acqn. Range-III, Calcutta vide 37EE/Acqn.R-III/38 dated 14-5-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated: 7/1/1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mr. Mahesh Kumar Sharma

(Transferor)

(2) Janapriya Finance & Industrial Investment (India)

('Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1987

Ref. No. 2419/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the imfair market value exceeding movable property having a facts. 1,00,000/- and bearing No.

No. 1 situated at Allemby Road, Calcutta-20 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta

No. 37EE/Acq. R-III/1 dated 14-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said EXPLANATION:—The terms and expression Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Ait, in respect of any income arising from the transfer

2nd floor on the building at 1, Allemby Road, Calcutta-20. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/1 dated 14-5-86.

(b) failifating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwal Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-1-87

(1) Mouli Nath Banerjee & Ors.

(Transferor)

(2) Consultants Combine Projects.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME, TAX

ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1987

Ref. No. 2420/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, J, I. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269B

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'snid Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 198A situated at Shyama Prasad Mukherjee Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority under section 269 AB of the said Act read with Registering Officer at under registration Rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Land area 6 Cottahs 6 Chittaks more or less with a one storeyed building at 198A, Shyama Prasad Mukherjee Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Calcutta vide 37EE/Acq. R-III/72 dated 14-5-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-87

#### (1) Bagree Estates Pvt, Ltd.

(Transferor

(2) Lodha Services Pvt. Ltd.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1987

Ref. No. 2421/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, L. I. K. GAYEN,

being the Competent Authorityunder Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

No. 71 situated at Biplabi Rash Behari Ram Road, Calcutta-1 (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority under section 269AB of the said Act read with

Registering Officer at under registration Rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 No. 37EE/Acq. R-III/56 dated 14-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in nthe said immovable property, within 45 day; from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All that one half portion of area of additional construction on 3rd & 4th floor and complete construction on 5th & 6th floor measuring 35000 Sq. ft. at 71, Biplabi Rash Behari Basu Road, Calcutta-1. Registered before I.A.C., Acq. R-III, Cal., vide 37EE/Acq. R-III/56 dated 14-5-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III
> 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Act, Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following

persons, namely:— 20—446 GI/86

Date: 7-1-87

(1) Multicon Builders Ltd.

(Transferor)

Mr. Mahadev Prasad Poddar.
 Mrs. Vimala Devi Poddar.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1987

Ref. No. 2422/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I. I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

exceeding Rs. 1 lakh and bearing No.
No. P-17A situate at Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Competent Authority under section 269AB of the said Act read with Rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962
No. 37EE/Acq. R-III/67 dated 14-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Unit No. 5C on 5th floor measuring 2400 Sq. ft. at P-17A, Ashutosh Chowdhury Avenue, Calcutta-19. Registered before I.A.C., Acqn. Range-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-1II/67 dated 14-5-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 7-1-87

FORM IINS-

(1) Sri Debabrata Bose & Ors.

(Transferor)

(2) Air Construction & Consultants Pvt. Ltd

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACOUISITION RANGE-III. CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1987

Ref. No. 2423/Acq. R-III/Cal/86-87.—Whereas, I, I. K. GAYEN,

1. K. GAYEN, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

No. 24/1 situate at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule approved bereto).

No. 24/1 situate at Ballygunge Circular Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and registered u/s 269 AB of the said Act in the office of the Competent Authority at

Act in the office of the Competent Authority at Acqu. Range, Pune
No. 37EE/Acq. R-III/51 dated 14-5-86
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneyes or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957): Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in the writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires ater;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Acreshall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

All those brick built messuage tenament dwelling house together with land area of 27 Cottahs 36 Sq. ft. at 24/1, Ballygunge Circular Road, Calcutta. Registered before 1.A.C., Acq. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/51 dated 14-5-86.

I. K. GAYEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

Dato: 7-1-87

(1) Heage Tools & Constructions (India) Pvt. Ltd. (Transferer

(2) Sugam Morcantiles Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, CALCUTTA

Calcutta, the 7th January 1987

Ref. No. 2424/Acq. R-III/Cal/86-87.-Whoreas, I, I. K. GAYEN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. 9/1, situated at Lower Rowdon Street, Calcutta-20

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred in the office of the Registering Officer at Rule 48DD(4) of Income-tax Rules, 1962 No. 37EE/Acq. R-III/83 dated 14-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evaluate of the likelity of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax ACL 1957 (97 of 1997):

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the understaned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later
- (b) by any other person interested in in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation :-- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat Nos. '1-S' & '1-N' at 9/1, Lower Rowdon Street, Calcutta, measuring 3502 Sq. ft. Registered before I.A.C. Acqn. R-III, Calcutta, vide 37EE/Acq. R-III/83 dated 14-3-86.

> I. K. GAYEN Competent Authority Acquisition Range-III Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax 54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 7-1-87

(1) Lansdown Properties Ltd.

(Transferor)

(2) Amba Udyog Ltd.

(Transferoe)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-III 54, RAFI AHMED KIDWAI ROAD, CALCUTTA-16

Calcutta-16, the 7th anuary 1987

Ref. No. 2425/Acq.R-III/Cal/86-87.--Whereas, I, l. K. GAYAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereina ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

No. 2/6, situated at Sarat Bose Road, Calcutta No. 2/6. situated at Sarat Bose Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the Office of the Registering Office at 37EE/R-III/16 dated 14-5-1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than

said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :--

(a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not teen or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Space No. 5, 6, 7 & 8 on 8th floor together with two parking space measuring 6474 Sq. ft, at 2/6, Sarat Bose Road, Calcutta. Registered before I.A.C., Acq.R-III, Cal. vide 37EE/Acq.R-III/16/86-87 dated 14-5-86.

I. K. GAYEN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III 54, Rafi Ahmed Kidwai Road Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following according to the said Act, to the following the said Act, to the said ing persons, namely :-

Date: 7-1-1987

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 QF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. A.R.-II/37EE/34336/85-86.-Whereas, I. K, C. SHAH.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing
Shop No. 7. Ground floor, Navrang, 38th Road, Off Link-

ing Road Khar, Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 30th May, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- (1) Mr. Doddi Venkatappa Sudharshan,
  - (Transferor)
- (2) Mrs. Kavita G. Narang. Mr. Mukesh G. Narang.

(Transferee)

(3) Transferee. (Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Guzette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Shop No. 7, Ground floor, Navrang 38th Road, Off Linking Road, Khar, Bombay-52.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/34336/85-86 on 30th May, 1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Dato: 18-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. AR-II/37EE/34337/85-86,-Whereas, 1 K, C. SHAH

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing

Flat No. 17A, Navrang, Off Linking Road, Khar Bombay-52 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Compe-

section 269 AB of the said Act in the Onice of the Competent Authority at Bombay on 30th May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been muly stated in the said between the parties has not been muly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, to respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Mrs. Kavita G. Narang & Mr. Mukesh G. Narang.

(Transferor)

(2) Mr. Doddi Venkatappa Sudharshan.

(Transferee)

(3) Transferce.

(Persons in Occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immove able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 17A, Ground floor, Navrang, Off Linking Road, Khar, Bombay-400 052.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/34337/85-86 on 30th May, 1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :---

Dato: 18-12-19&

(1) AES Engineering Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

(2) Vishal Marketing Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Rof. No. AR-II/37EE/33852/85-86.--Whereas, I.

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000]

Gala on 1st floor, Indu House, Plot No. 1218, TPS IV,

Mahim, Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 2nd May, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been et which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tan Act, 1957 (27 of 1957);

Now, there are, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Gala on 1st floor, Indu House, Plot No. 1218/TPS. IV, Mahim Veer Savarkar Marg, Opp. Vinayak Temple, Bom-

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/33852/85-86.on 2-5-1986

K. C. SHAH Competent Authority Acquisition Range-II Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax

Date: 18-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

AR-II/37EE/33968/85-86.—Whereas, I, Ref. No. K. C. SHAH

k. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding. Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 5A, Summer Palace, 61B Margis Dutt Road, Pandre Pandre So.

Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at

Bombay on 9th May, 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub(1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--21-446 GI/86

(1) Nammealil Gopalan Bhaskaran.

Transferor)

Sardarni Parminder Ahluwalia and Sarvdeepsingh Jagit Singh Paintal.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in occupation of the property)

(4) Transferor.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 5A, in Summer Palace, 61B Nargis Dutt Road, Bandra, Bombay-50.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/33968/85-86 on 9th May, 1986.

> K. C. SHAH Acquisition Range-II Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Bombay

Date: 18-12-1986

(1) Nav Bharat Insulation & Engineering Co.

(Transferor)

(2) Smt. Veena Mittal Smt. Poonam Gupta and Smt. Sunita Gupta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. AR-II/37EE/34328/85-86.--Whereas, I, K, C, SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Office No. 407, 'Madhava' 'E' Block of Bandra-Kurla Commercial Complex. Bandra (E) Bombay-51

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Compe-

tent Authority at Bombay on 30th May, 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazet'e or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Office No. 407, 4th floor of 'Madhava' Building Plot C-4 in the 'E' Block of Bandra-Kurla Commercial Complex, Bandra (E), Bombay-51.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay on 30th May, 1986. under No. AR-II/37FE/34328/85-86

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Date: 18-12-1986

(1) Mrs. Vaidya J. Mirchandani Mrs. Jasoti Mirchandani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mr. Sunil A. Hingorani.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 18th December 1986

Ref. No. AR.II/37EE/34354/85-86.—Whereas, 1,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat on 8th floor togetherwith terrace a parking space and a

garage in Nibbana Co.op. Housing Soc. Ltd., Danda, Pali Hill, Bandra, Bombay-50 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed herto), has been transferred and the agreement is registered under section 269 AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on Authority at Bombay on 30th May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat on 8th floor together with terrace a parking space and garago in Nibbana Co.op. Housing Society Ltd. Danda, Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34354/85-86 on 30th May 1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Date: 18-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT,1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 18th December 1986

Ref. No. AR.II/37EE/33948/85-86.--Whereas I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immov-

able property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 1, 'Le-Pareyon' ut Mt. Mary Road, Bandra, Bombay-50

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9th May 1996

9th May 1986

for an apparent consideration which is less than the for market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor 'oy more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
  - (b) facilitating the concealment of any income or any oneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

M/s. Kailash Construction Co.

(Transferor)

(2) Mr. Kalyan Kanji Patel & Os.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 18th floor, 'Le-Papeyon' at Mt. Mary Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/33948/85-86 on 9th May 1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefor, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of said this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Date: 18-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Mr. Salim Shapoorwala & Mrs. Sara Taheer Shapoorwala.

(Transferor)

(2) Shapoorji Pallonji & Co. Pvt. Ltd.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 18th December 1986

Ref. No. AR.II/37EE/33876/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/and bearing No.

Flat No. 34, 'Na vroze Apartment', 66 Pali Hill,

Bandra, Bombay-50, situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5th May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the soid instrument of transfer. parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforcsaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used nerom as are defined in Chapter X XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any Moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 34. 3rd sloor, Navroze Apartment, 3rd floor 66 Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.11/37EE/33876/85-86 on 5th May 1986,

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in npursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 18-12-1986

(1) Mis's Cheryle Mary Coutinho.

may be made in writing to the undersigned :-

(Transferor)

(2) Eric Joseph Miranda Louisa Miranda,

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (3) Transferees.

(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 18th December 1986

Ref. No. AR. II / 37EE / 34226 / 85-86. Whereus, I,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Hat No. 6, 6th floor, 'Palm Grove Apartments', Bandra, Bombay-50

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule nunexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22nd May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percentn of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to betweenn the parties has not been truly stated in the Instrument of Transfer with the object of :-

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meanings as given in that Chapter

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and /or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

#### THE SCHEDULE

Flat No. 6, 6th floor, 'Palm Grove Apartments', Plot No. 162, T.P.S. IV, Convent Road, Bandra, Bombay-400 050.

The Agreement has been registered by the Competent Authority Bombay under No. AR.II/37EE/34226/85-86 on 22nd May 1986.

K. C. SHAII. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Dated: 18-12-1986

#### (1) Mr. V. S. Dwarapalak,

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Swati G. Shetty.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Bombay, the 18th December 1986

Ref. No.AR.II/37EE/34312/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 3N, 'Apsara Co, operative Housing Society Ltd' Bandra, Bombay-50, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30th May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of transfer with the object of ment of transfer with the object of :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Expranation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

#### THE SCHEDULE

Flat No. 3N, 3rd floor, 61-B, Pali Hill, Bandra, Bombay-400 050.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34312/85-86 on 30th May 1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:--

Date: 28-11-1986.

(1) Smt. Radha Udharam Luthria.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

(2.) Mrs. Manjeet Amarjitsingh Kaur.

may be made in writing to the undersigned :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(a) by any of the aforesaid persons within a period of .

45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days

from the service of notice on the respective per-

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the

publication of this notice in the Official Gazette.

are defined in Chapter XXA of the said

Act, shall have the same meaning as given

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as

in that Chapter.

sons, whichever period expires later;

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY

Bombay, the 18th December 1986

Ref. No. AR.II/37EE/34320/85-86.-Whereas, I.

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269A of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 18 Sea View Palace Co. operative Housing

Society Ltd., Bandra, Bobuy-50.

situated at Bombay

and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30th May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said iinstrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Flat No. 18, 5th floor 48 Pali Hill, 'Sea View Palace Co. operative Housing Society 1td., Bandra, Bombay-400 050.

The Agreement has been registered by the Authority, Bombay under No. AR.II/37EE/34320/85-86 on 30th May 1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II, Bombay.

Now, therefore, in ursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

Date: 18-12-1986

(1) Shri Nanikram Kodumal Kukreja.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ganeshibai Chuharmal Kukreja.

may be made in writing to the undersigned :-

'Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. A. R.-II/37EE/33962/85-86.—Whereas, I.

K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/-

and bearing No.
Flat No. 602, 6th floor, Marble Arch Premises Co. op. Housing Society Ltd. 94 Pali Hill, Bandra, Bombay-50

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 9 May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in\_respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in nthe said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 602, 6th floor, Marble Arch Premises Co. op. Housing Society Ltd., 94 Pali Hill, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/33962/85-86 on 9 May 1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay-400 038

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, Thereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:— 22—446 GI/86

Dated: 18-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### (1) Mrs. Bella Fernendes.

(Transferor)

(2) Mrs. Sundri S. Thadani.

(Transferee)

(3) Transferee.

(Person in occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. A R.-II/37EE/34138/85-86.--Whereas, I,

K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 201, Bandra Anita Premises Co. op. Society I.td., Bandra, Bombay-50.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent

Authority at Bombay on 19 May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer-
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immervable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 201, Bandra Anita Premises Co. op. Society Ltd. Plot No. C/468, Pali Road, Bandra, Bombay-50.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/34138/85-86 on 19-5-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay-400 038

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Dated: 18-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. A. R.-II/37EE/34136/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Flat No. 204, Vicky Apartments, TPS IV, Prabhadevi, Mahim Division, Bombay. situated at Bombay (and more fully described in the Schadule approach beat and the control of the schadule approach beat and the schadule approach and the schadule approach beat and the schadule approach approach and the schadule approach approach and the schadule approach and the schadule approach and the schadule approach approach and the schadule approach approach and the schadule approach approach approach approach and the schadule approach approach approach and the schadule approach approach

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered u/s 269A3 of the said Act in the office of the Competent Authority at Bombay on 19 May 1986

for an apparent consideration which is less than the fuir market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforestaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction of awasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) M/s. Motiram Totaram.

(Transferor)

(2) Mr. Amar G. Jaisinghani & Miss Saroj G. Jaisinghani.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in Occupation of the property) (4) Transferee.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made is writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 204, 2nd floor, 'Vicky Apartment' T. P. S. IV Plot No. 1225, Old Prabhadevi Rd. Prabhadevi, Mahim Division, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/34136/85-86 on 19 May 1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-IJ Bombay-400 038.

Dated: 18-12-1986

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

No. A. R.-II/37EE/34325/85-86.—Whereas. I. Ref. K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 739, TPS No. III, CS No. 1121, Mahim, Bombay.

Plot No. 739, TPS No. III, CS No. 1121, Parametr, situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30 May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair liket value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of each apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) M/s. Swastik Builders.

(Transferor)

(2) Development Co. op. Bank Ltd.

(Transferce)

(3) Tenants.

(Persons in Occupation of the property)

(4) Dr. Bahisaheb Farid Mahitapwale.

(Persons whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said imable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of this said Act, shall have the same meaning as given in this Chapter.

#### THE SCHEDULE

Plot No. 739, TPS No. III C. S. No. 1121 Mahim, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/34325/85-86 on 30 May 1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay-400 038

Now, mererore, in pursuance of Section 269C of the said Act, a hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

Dated: 18-12-1986

#### (1) Rasila Kantilal Notaria.

Transferor(s)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bipinchandra Natwarlal Mehta, Smt. Jayshree Bipinchandra Mehta.

Transferce(s)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

> ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. A. R.-II/37EE/34314/85-86.—Whereas, I, K. C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961). (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 7, Ratnadeep Co. op. Housing Society Ltd., Santacrus (West), Bombay-54.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 30 May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, Ratnadeep Co. op. Housing Society Ltd., 74 Besant Road, Santacruz (West), Bombay-400 054.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE/34314/85-86 on 30-5-1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay-400 038

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following nersons, namely :-

Dated: 18-12-1986

#### FORM, I.T.N.S.---

(1) Mr. Darshan Singh Gujral.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Tata Press Limited.

(Transferce)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. A. R.-II/37EE/34306 & 34090/85-86.—Whereas

I, K. C. SHAH, 1, K. C. SHAH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 12, Sangeeta Apartments Co. op. Housing Society Ltd., Santacruz (W), Bombay-49.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the Said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 29 May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of Transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the servce of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Building No. 5A, Juhu Road, Flat No. 12, 2nd floor, Santacruz (West), Bombay-49.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/34306 & 34090/85-86 on 29-5-1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay-400 038

Dated: 18-12-1986

#### FORM ITNE

(1) Virender Devgan & Veena Devgan.

(Transferor)

(2) Gurdas K. Chhatwani, Rukmani G. Chhatwani.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. A. R.-II/37EE/33878/85-86.-- Whereas, I, K. C. Shah,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable

property having a falr market value exceeding Rs. 1,00000 - and bearing Flat No. 11, Asha Kiran Co. op. Housing Society Ltd., Santacruz (W), Bombay-54.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 5 May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen pur cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovale property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11., 3rd floor & Gara No. 1 Asha Kiran Co. op. Hsg. Society Ltd. Linking Road, Extension, Santacruz (West), Bombay--54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37/33878/85-86 on 5 May 1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay-400 038

Dated: 18-12-1986

Soal:

#### FORM ITNS ...

(1) Sky-Build Pvt. Ltd.

(Transferor)

(2) Mr. Himansbu Kumar Shah & Ors.

whichever period expires later.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II

CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

(b) by any person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons,

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. A. R.-II/37EE/33972/85-86.--Whereas, I, K. C. Shah,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Flat No. 201, Hema F. Plot No. 13, TPS IV Santacruz (W),

Bombay-54.

situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 12 May 1986 tor an apparent consideration which is less than the fair

market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION :- The terms and expressions used nerein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;

Flat No. 201, HEMA, F. Plot No. 13, TPS IV, Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under AR.II/37EE/33972/85-86 on 12-5-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1937 (27 of 1957);

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay-400 038

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the sequisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Dated 18-12-1986 Seal:

#### FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(Transferor)

(2) Smt. Sushila V. Scernani, Mr. Deepak V. Scernani, and Mr. Pradeep V. Scernani.

(1) Smt. Poonam V. Adnani.

(Transferee)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. A. R.Π/37EE/34265/85-86.—Whereas, K. C. Shah,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Flat No. 11/A Santacruz Rameshwar Co. op. Housing Society Ltd., S. V. Road, Santacruz (W), Bamby-54.

situated at Bombay

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22 May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following rsons, namely :ретяоня, пацісл 23—446 GI/86

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, hichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 11/A Santacruz Rameshwar Co. op. Housing Society Ltd. S.V. Road, Santacriiz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II/37E/34265/85-86 on 22 May 1986.

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay-400 038

Dated: 18-12-1986

#### NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. A. R. II/37EE/34289/85-86.--Whereas,

I, K. C. Shah, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Flat No. 7, Girnar (Santa Cruz) Co. operative Housing Society Ltd. Santacruz (West), Bombay-54.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Rombay on 30 May 1986

Authority at Bombay on 30 May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Arvind Dattatraya Gupte & Smt. Suhas Arvind Gupte.

(Tran feror)

(2) Smt. Zchra Abdulkader Pancha, Smt. Rukaiya Fakhruddin Pancha.

(Transferee)

(3) Transferor.

(Persons in Occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said proper() may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapetr XXA of he said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 7, 1st floor, Girnar (Santa Cruz) Co. operative Housing Society Ltd. 63A, Chippel Lane, Santa Cruz (West), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.II,37/34289/85-86 on 30-5-1986.

K. C. SHAH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II
Bombay-400 038

Dated: 18-12-1986

- (1) C. K. Chokshi.
- (2) M/s Casa Associates.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-II CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. A. R.-II/37EE, 34236/85-86.-Whereas, I, K. C. Shah, being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing Plot No. 70-D, D-2, TPS III, 2nd Road, Santacruz (E), Bombay.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 22 May 1986 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the chieft of

of transfer with the object of :---

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property being land bearing Sub Plot No. 70D of plot No. 70 of TPS No. III, Santacruz, Bombay.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR.-II/37EE,34236/85-86 on

K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay-400 038

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection 1) of Section 269D of the said Act, to the following person timely :---

Dated: 18-12-1986

FORM NO. I.T.N.S.-

(1) Capt. A. S. Bajwa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) National Organic Chemical Industries Ltd. (Transferce)

(3) Transferor

(Persons in Occupation of the property)

#### GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-II ` CONTRACTOR BLDG., BALLARD ESTATE, BOMBAY-400 038

Bombay-400 038, the 18th December 1986

Ref. No. A. R.-II/37EE/34091/85-86.—Whereas, I, K.C. SHAH,

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that Rs. 1,00,000/- and bearing
Rs. 1,00,000/- and bearing
Flat No. 701 including stilt garge Sagar Samrat, Juhu,
Santacruz (W), Bombay-54.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under section 269AB of the said Act in the Office of the Competent Authority at Bombay on 16 May 1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said insrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or eviction of the liability of the transferor o pay ax under he said Act, in respect of any income arising from to transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any anoneys or other assets which have not been er which sught to be disclosed by the transferes for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax .act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sursection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used nerein as are fined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

#### THE SCHEDULE

Flat No. 701 including stilt garage Sagar Samrat, Sun and Sand Hotel Juhu, Santacruz (W), Bombay-54.

The Agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under No. AR-II/37EE/34091/85-86 on 16 May 1986.

> K. C. SHAH Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range-II Bombay-400 038

Dated: 18-12-1986

A STREET OF THE PROPERTY OF THE PARTY OF THE

#### FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 5th January 1987

AR.-1II / 37EE.G / 2807 / 86-87.—Whereas, I, No. I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No.

Piece and parcel together with structure of Plot No. W-2 Cama Indl. Estate, Goregaon (E), Bombay situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

on 13-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of he Indian Inome-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

- (1) M/s Bharat Water Proof Paper Mfg. Co. (Transferor)
- (2) M/s Sunmet Metallurgical Pvt. Ltd.

(Transferoe)

Objetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later:
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece orparcel of land with structure being plot No. W-2, Cama Indl. Estate, Walbhat Rd. Goregaon(E), Bombay.

The agreement has been registered with the Sub- Registering Officer at Sr. No. S-2712/83 dated 13-6-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subpersons, namely :-

Dated: 5-1-1987

Scal:

FORM ITNS ---

(1) Smt. Kaushika Sunil Mehta.

(Transferor)

(2) M/s Gift & Time Products.

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1987

Ref. No. AR.-III/37EE/40559/86-87.--Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (45 of 1961) (hereinafter referred to the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1.00,000/- and bearing Unit No. 103, 7 Udyog Nagar, Off S.V. Rd, Goregaon (W),

Bombay-62.

situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under

nas been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Authority at Bombay on 2-6-1985 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evenion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publi-cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Unit No. 103, 7 Udyog Nagar, Off S. V. Rd. Goregaon (W), The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37E/40559/86-87 dated 2-6-1986.

> A. PRASAD. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 369D of the said Act, to the following persons, namely :-

Son! :

Dated: 2-1-1987

(1) Mr. Dawarkanath Krishanji Sinkar.

(Transfero)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Mangalben N. Dattan (Thakker) and others. (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

(a) by any of the aforesaid persons within a period of by any of the atoresaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

ACQUISITION RANGE-III BOMBAY

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Bombay, the 2nd January 1987

Ref. No. AR.-III, 37EE/40157/86-87.---Whereas, A. PRASAD,

Rs. 1.00,000/- and bearing Tenementwise in one line eight tenements ground fl. No.-16-228 Rajawadi C. H. S. Vidyavihar(E), Bombay-77. situated at Bombay

being the Competent Authority under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Authority at Bombay on 2-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believed that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meanings as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer: and/or

#### THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 11 of 1922) of the said Act. or the wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Tenementswise in one line eight tenaments ground fl. corner tenament Asbestos roofing No. 16-228 Rajawadi Co.op. Society, Vidyavihar(E), Bombay-77.

The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/40157/86-87 dated 2-6-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Siction 269D of the said Act, to the following persons namely. ing persons, namely :-

Scal: Dated : 2-1-1987

(1) Saral Enterprises.

(Transferor)

(2) Smt. Anceta V. Duggal & Ors.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

#### ACQUISITION RANGE-III **BOMBAY**

Bombay, the 2nd January 1987

Ref. No. AR.III/37EE/40134/86-87.-Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Flat No. 101, 1st fl. Shivam Complex Satyam Sunderam Bldg. M. G. Rd. Ghatkopar (E), Bombay-77 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1985

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforeanid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the noises in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-sole preperty, within 45 days from the date of sole sceperty, within 45 days from the date publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein a are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given a that Chapter

## THE SCHEDULE

(4) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Flat No. 101, 1st fl. Shivam Complex in Satyam Shivam Sunderam Bldg. at M.G.Rd. Ghatkopar(E), Bombay-77.
The agreement has been registered with the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR-III/37EE/40134/86-87 dated 2-6-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Asstt, Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :---

Seal:

Dated: 2-1-1987

(1) Mrs. K. C. Sethuraman.

(Transferor)

NOTICE LINDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Mrs. Chandra Bushan Girotra & Ors.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III. BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1987

No. AR.III.37.EE/40433/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

Plot No. 46 with the Bungalow standing thereon out of the property of Green Garden Apart. C.H.S. Ltd. Acharya Nagar, Bombay-88 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; eed/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have, not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 46, with Bungalow standing thereon out of property Green Garden Apt. C.H.S. Acharya Nagar, Waman Tukaram Patil Marg, Govandi, Bombay-88.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37.EE/40433/86-87 dated 2-6-1986.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons. namely :--- 24-446 GI/86

A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombey

Date: 2-1-87 Seal:

- (1) M/s. Bhagwati Builders.
- (Transferor)
- (2) M/s. Sindhava Developers.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

### GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of this said property may be made is writing to the undersigned:—

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1987

No. AR.III.37.EE/40484/86-87.—Whereas, I. A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269E to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1 lakh and bearing No. situated at Bombay

land together with Structure thereon bearing CTS No. 631, 631/1 to 631/19 of Malad (W) situated at Bombay has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of this liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of he Indian Income-tax Ac', 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957); Land together with structures thereon bearing CTS No. 631, 631/1 to 631/19, Anand Rd. Malad (W), Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR. III/37.EE/40484/86-87 dated 2-6-1986.

A. PRASAD Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby in iate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-1-87

(1) Mrs. Kashinath Hirji Patel & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Buildcube Const. Pvt. Ltd.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1987

No. AR.III.37.EE/40565/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) thereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing

situated at Bombay

Piece or parcel of land in Revenue Village of Mulund S. No. 38, H. No. 1 & 3 Mulund, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of Bombay on 2-6-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay fax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid ptrsons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which over period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Charter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter,

#### THE SCHEDULE

Piece or parcel of land bearing the Revenue Village of Mulund, Taluka Kurla, S. No. 38, H. No. 1 & 3, Village Mulund, Taluka Kurla, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/40565/86-87, dated 2-6-1986.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-1-87

#### FORM ITNS ---

(1) Mr. Vilas Ramchandra Pawar.

(Transferor)

(2) Mr. Pundalik Vaman Nayak.

(Transferee)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1987

No. AR.III.37.EE/32298/86-87.—Whereas, 1, A. PRASAD.

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (here na ter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair value market exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing land bearing CTS No. 2 and 3, S. Noe. 19 and 20 at Amirbaug Opp. Powai Lake, Powai, on Saki Vibar Rd. (Adi Shankaracharya Rd., Powai, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule apparent) hereto)

land bearing CTS No. 2 and 3, S. Nos. 19 and 20 at Amirbaug Opp. Powai Lake, Powai, on Saki Vibar Rd. (Adi Shankaracharya Rd., Powai, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, withn 45 days from the date of the publication of the notice n the Offical Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used heren as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Piece of land bearing CTS Nos. 2 and 3 (S. Nos. 19 & 20) of Village Powai on Saki Vihar Road (Adi Shankar-charya Rd.) Powai, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III.37.RE/32298/86-87, dated 1-5-1986.

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for tre acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-1-87

- (1) M/s. Textiles Processing Corpn.
- (Transferor)
- (2) Smt. Saranga A. Aggarwal.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## **GOVERNMENT OF INDIA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:----

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1987

No. AR.III.37.EE/32134/86-87.--Whereas, 1,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value

property, having a fair market value Rs. 1,00,000/- and bearing No. lands S. Nos. 11 (p) H. No. 1(p) S. No. 105 (p) H. No. 1(p), 105(p) H. No. 3(p) S. No. 125(p) H. No. 5(p), Goregaon situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annoxed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of

the Competent Authority at
Bombay on 1-5-1986
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.
- EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

Piece or parcels of land S. No. 112(p) H. No. 1(p) S. No. 105(p) H. No. 1(p) 105(p) H. No. 3(p) & 4, S. No. 125(p) H. No. 5(p), at Taluka Borivli, Goregaon, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/32134/86-87 dated 1-5-1986.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. PRASAD
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 2-1-87

Sear

(1) Smt. Madhuravanti T. Shah & Ors.

(Transferor)

(2) M/s. Kamla Foundation.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1987

AR. III.37EE/32092/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. plot bearing CTS Nos. 1548 to 1570, 1571B Jivadaya Lane, Ghatkopar, Bombay-86 situated at Bombay

'(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the same is registered under Section 269-AB of the Income-tax Act, 1961 in the Office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument or transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 et 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) By any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) By any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in the Chapter.

## THE SCHEDULE

Plot bearing CTS Nos. 1548 to 1570 and 1571B Jivadaya Lane, Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent under Sr. No. AR. III/37,EE/32092/86-87 Authority, und dated 1-5-1986.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-1-87

#### FORM ITNS----

(1) Smt. Madhuravanti T. Shah & Ors.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## (2) M/s. Kothari Enterprises.

(Transferee)

### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1987

No. AR. III.37EE/32091/86-87.—Whereas, I, A. PRASAD,

A. PRASAD, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing plot bearing CTS No. 1528 to 1547 and 157/A, Ghatkopar Bombay-86 situated at Bombay (and more fully described in the Schedule appared hereto)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

may be made in writing to the ""dersigned :-

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immevable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor, to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

## THE SCHEDULE

Land bearing C.T.S. No. 1528 to 1547 and 1571A Ghatkopar, Bombay-86.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/32091/86-87 dated 1-5-1986. registered

> A. PRASAD competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-J-87

(1) Shri Narayan Sitaram Durve & Ors.

(Transferor)

# NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Chembur Hotels Pvt. Ltd.

(Transferee)

## GOVERNMENT OF INDIA

#### OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1987

No. AR. III.37.EE/32041/86-87.—Whereas, I. A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to see the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value acceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. Plot No. 9 Sub Scheme No. III CTS No. 910, 910/1, 910/2,

Chembur, Bombay-71 situated at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 1-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfers for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or this said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

### THE SCHEDULE

Plot No. 9, Sub Scheme No. III CTS No. 910, 910/1 910/2, Chembur, Bombay-71.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EE/32041/86-87 dated 1-5-1986. registered

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-1-87

(1) Mr. Yogindersingh Bawa.

(Transferor)

(2) M/s. S. B. Developer,

(Transferee)

## NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

## GOVERNMENT OF INDIA

## OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

## ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1987

No. AR.III.37.EE/31949/85-86.--Whereas, I,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinaster referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

Rs. 1,00,000/- and bearing No.
Piece or parcel of land bearing lot No. 1275 CTS No. 1116
(p) and 1132 part, Devidayal Rd. Mulund, Bombay, situated

at Bombay

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at

Bombay on 1-5-1986

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as afore-said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer: and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days rfom the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
  - (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

Pice or parcel of land bearing plot No. 1275 CTS No. 1116(p) and 1132(p) Devidayal Rd. Mulund, Bombay.

The agreement has been registered by the Competent Authority, Bombay under Sr. No. AR.III/37.EF/31949/85-86 dated 1-5-1986.

A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 2-1-87

Scal:

#### <del>dende de la compositione de la composition</del> de la composition della composition del FORM ITNS-

- (1) Mrs. Patricia M. Carrasco.
- (Transferor)
- (2) M/s. Charisma Builders.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-III, BOMBAY

Bombay, the 2nd January 1987

.No. AR.[II.37.EE/40349/86-87.--Whereas, I, A. PRASAD.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable

As the said ACT) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000 and bearing No. Plot No. 288B and 289, S. S. III CTS 1602, 5th Rd. Chembur Village, Kurla Taluka, Bombay situated at Bombay (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred and the agreement is registered under Section 269AB of the Incompany Act, 1961 in the officer of the contractor Act, 1961 in the officer of the contractor Act, 1961 in the officer of the contractor Act, 1961 in the officer of the officer o Section 269AB of the Income-tax Act, 1961 in the office of the Competent Authority at Bombay on 2-6-1986

tor an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and|or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

#### THE SCHEDULE

Plot Nos. 288B and 289 S.S.III CTS No. 1602, 5th Rd. Chembur Village, Kurla Taluka, Bombay.

> A. PRASAD Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range-III, Bombay

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following perwus, namely:--

Date: 2-1-87

FORM I.T.N.S .-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

#### GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Md. Yunus S/o Late Janab Mohammad Yusuf Saheb R/o Vill. Sikrahata, P.S. Tarari, Pargana Piro, P.O. Sikrahata-kalan, Distt. Bhojpur, at present residing at East Diwakar Patha (Boring Canal Road), Patha.

(2) The Tata Iron & Steel Co. Ltd., Jamshedpur.

(Transferor)
(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BIHAR, BORING CANAL ROAD, PATNA-800 001

Patna-800 001, he 12th January 1987

Ref. No. III-1423/Acp/86-87.—Whereas, I, DURGA PRASAD, Inspector Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immediate property, having a fair market value exceeding

property, having a fair market value exceeding Rs. 1,00,000/- and bearing No. parts of plot Nos. 1780, 781, 1782, plot No. 1781 pertaining to khata No. 445, plot No. 1780 & 1782 both pertaining to khata nos. 446/410 & Plot No. 1775 pertaining to khata No. 446 Distt. Patna T. No. 5769, Thana No. 9, Ward No. 33, Circle No. 247, situated Shekhpura (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patna on 20-5-86

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which quant to be disclosed by the transferse for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wester-tax Act, 1957 (27 of 1967));

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the afercial persons within a period of
  45 slays from the date of publication of this notice
  in the Official Gazette or a period of 30 days from
  the service of notice on the respective persons,
  whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

## THE SCHEDULE

All that piece and parcel of land measuring 7105 sq. ft. situated at Mouza Shekhpura, P.S. Shastrinagar, Distt. Patna and morefully described in deed N. 3673 dated 20-5-86 registered with the D.S.R. Patna.

DURGA PRASAD
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Competent Authority
Acquisition Range, Bihar,
Patna

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesard preparty by the issue of this notice nuder subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 12-1-87.